

सं 0 1 9]

नई विल्ली, शनिवार, मई 10, 1980 (वैशाख 20, 1902)

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 19]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 10, 1980 (VAISAKHA 20, 1902)

इस भाग में भिन्न पठठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III---खण्ड 1 PART III--SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक्ष और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा प्रायोग

मई विल्ली-110011, विनांक 19 मार्चे 1980

सं० ए० 19014/9/79-प्र भा०—प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंघान तथा प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के लेक्चरर डा० रिव पी० भाटिया को संघ लोक सेवा आयोग (कर्मचारीं) विनियमावली, 1958 के विनिमय 4 के परन्तुक के अधीन 4 मार्च 1980 के पूर्वाल्य से 2 वर्ष की अवधि के लिए या अनगामी आदेशों तक जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पच पर नियुक्त किया आता है।

एस० बालजन्द्रन भ्रवर सचिव कृते भ्रष्ट्यक्ष

नर्षे विल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च 1980

सैंज पी०/271/प्रशा० I---श्री एस० पी० चन्नवर्ती है संग लोक सेत्रा अधिगारी के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (गौंपतीय) के पद पर पुनर्तियोजन की अविधि समाप्त होने पर 31 मार्च 1980 के अपराह्म से संग लोक सेवा आशी। 1--56GI/80

के कार्यालय में विशेष कार्य प्रधिकारी (गोपनीय) के पद का कार्यकार छोड़ दिया।

सं० पी०/33-प्रशा० I — राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी और स्थान नापन अवर सचिव श्री वीरसिंह रियात को निवर्तन श्रायु हो जानें पर 31 मार्च 1980 (प्रपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत होने की अनमति दी जाती है।

एस० बालचन्द्रन अवर सचिव सर्घ लोक सेवा अ।योग

केरद्वीय सतर्कता धायोग

नई विल्ली विनांक, 18 ग्रप्नैल 1980

सं 10 मार सी टी 3--केन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त एतव् द्वारा श्री के ए नतकाती, कार्यपालक श्रमियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को केन्द्रीय सतर्कता भ्रायोग में दिनांक 9-4-1980 (पूर्वाह्म) से भ्रगले भ्रादेश तक स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक नियम्त करते हैं।

> एन० एस० सखनपाल उप सचित्र, कृते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

(5207)

गृड् मंत्रातय

कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग | लाल बहादुर शास्त्री -राष्ट्रीय प्रशासन श्रकादमी मसूरी, दिनांक 17 श्रप्रैल 1980

र्सं० 2/46/75-स्थापना--इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 2/46/75-स्थापना दिनांक अक्टूबर 16, 1980 को जारी रखते हुए, निदेशक महोदय श्री कैलाशचन्द्र सक्सैन की नियुक्ति पुस्तकालयाध्यक्ष के पव पर दिनांक 15-4-1980 से आगामी छः मास के लिए या किसी नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पूर्व हो, तक्ष्यं रूप में सहर्ष बढ़ाते हैं।

> के० रंगराजन उप निदेशक (वरिष्ठ)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनोक 17 मर्प्र ल 1980

सं० ग्रो० दो-667/71-ईस्टेट०--श्री गनपत सिंह ने उनके सरकारी सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप उप-पुलिस ग्रघीक्षक, 13 वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्य-भार 29-2-80 (ग्रपराह्न) को त्याग दिया।

दिनोक 19 भ्रप्रील 1980

सं० ग्रो० दो-1437/79 स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) ऊमारानी नारजरी को 7-3-1980 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट विकित्सा ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

्सं० घ्रो० दो-2/70 स्थापना चिन किये डियर एस० क्री० रजा (ग्रजन श्राप्ताः) ने पुर्नियुक्ति की ध्रवधि समाप्त होने पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप महानिरीक्षक कोहिमा के पद का कार्यभार दिनोक 21-2-1980 के ग्रपराह्म से त्याग दिया।

> के० भ्रार० के० प्रसाद सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-19, दिनांक 18 भंग्रेल 1980

सं० ई०-16013(1)/1/78-कार्मिक—एस० वी० पी० नेशानल पुलिस प्रकादमी, हैदराबाद में उपनिदेशक के पद पर नियुक्त होने पर श्री बी० धार० लूथरा भा० पु० से• (मध्य प्रदेश-60) ने 7 अप्रेल, 1980 के धपराह्म से के० ध्रो० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (भर्ती व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया। सं० ६०-16013(2)/2/79-कार्मिक प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री उदयवीर भा० पु० से० (प० बं० 69) ने ले० कर्नेल डी० एल० मलिक के स्थान पर 18 मार्च, 1980 के श्रपराष्ट्र से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट एम० ए० एम० सी० दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्य-भार सम्भाल लिया तथा ले० कर्नल मलिक ने उनत पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया। (ह०)

महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई विल्ली-110011, विनोक 19 श्रप्रैल 1980

सं० 11/118/79/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के श्रिधकारी श्री श्रार० एस० गंगाखडेकर को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगपना कार्य निदेशालय में तारीख 28 फरवरी, 1980 के पूर्वीह्न से श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर, स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहयं नियुक्त करते हैं।

श्री गंगाखडेकर का मुख्यालय पुणे में होगा ।

सं० 11/118/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के श्रीधकारी श्री बी० जी० देशपांचे को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 27 मार्च, 1980 के पूर्वाल्ल से श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानाव्यतरण द्वारा, उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं।

श्री देशपांडे का मुख्यालय श्रमरावती में होगा।

सं 11/125/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, राजस्थान सिविल सेवा के मधिकारी श्री एस० सी० वर्मा को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 15 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनिपृक्ति पर स्थानांतरण द्वारा, उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री वर्मा का मुख्यालय जयपुर में होगा ।

सं० 11/125/79 प्रशा० I—राष्ट्रपति, रास्थान सिविल सेवा के अधिकारी श्री जे० एन० काला को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 3 मार्च 1980 के पूर्वीह्म से श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा, उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहष६ नियुक्त करते हैं।

श्रो काला का मुख्यालय जोधपुर में होगा।

दिनांक 21 अप्रैल 1980

सं० 10/8/80-प्रशा० —I—-राष्ट्रपति, नई दिस्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक महापंजीकार सामाजिक (अध्ययन) के पव पर कार्यं रत श्री एन० जी० नाग को उसी कार्यालय में तारीख 14 मन्नेल 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की स्रवधि के लिए

मा जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी भवधि पहले हो, पूर्णतः श्रस्थाई श्रौर तदर्थं श्राधार पर उप महापंजीकार (सामाजिक श्रध्ययन) के पद पर सहर्षं नियुक्त करते हैं।

2. श्री नाग का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रासय (श्रम भ्यूरो)

किमला-171004, दिनांक 8 मई 1980

सं • 23/3/80 सी • पी • आई०--मार्च, 1980 में औशोगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूक्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) फरवरी, 1980 के स्तर से 4 अंक बढ कर 373 (तीन सौ तेहत्तर) रहा। मार्च 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 453 (चार सौ तेपन) आता है।

क्रिभुवन सिंह **उ**प निदेशक

विस मंत्रालय ग्राधिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 20 श्रप्रैल 1980

फा० क० बी० एन० पी०/जी०/4/79—इस कार्यालय की ममसंख्यक ग्रिश्मिवन। दिनांक 20-2-80 के श्रनुकम में श्री एच० ग्रार० शर्मा की उप-नियन्वण ग्रिधकारी के पद पर की गई नियुक्ति ग्रन्थावधि श्रवकाण रिक्ति में श्रागामी दिनांक 13-4-1980 तक बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम महा प्रबन्धक

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 11 श्रप्रैल 1980

सं० 7(36)/416--अधिवर्षिता की श्रायु प्राप्त करने के फनस्वरूप श्री एम० टी० निरमट श्रम्निशमन श्रिधकारी दिनांक 31 मार्च 1980 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा मे निवृत हो गए।

दिनांक 14 श्रत्रैल 1980 संशोधन पत

सं० पी० एफ -ए०-डी० 4/376—इस कार्यालय की प्रधि-सूचना कमांक पी० एफ०/ए० डी०/4/9220 दिनांक 5-12-1979 द्वारा प्रधिमूचित, तदर्थ भाधार पर श्री पी० के० णर्मा की नियुक्ति के कार्यकाल को 30-11-1979 से 6 माह की प्रविध के स्थान पर 30-11-79 से 22-5-80 तक पढ़ा जाय।

> ण० रा० पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय : निदेणक लेखापरीक्षा, केंद्रीय राजस्व नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

सं प्रणासन-I/का० ग्रा० सं०-9—वार्धस्य निवर्त्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप इमकार्यालय के स्थायी लेखा-परीक्षा ग्रिधकारी श्री एच० एल० नांगिया को भागत सर-कार की सेवा से दिनांक 31-3-1980 के ग्रपराह्म से सेवा निवृत किया जाता है।

> (ह०) श्रपठनीय संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रणासन)

कार्यालय, महालेखाकार-प्रथम , मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 8 अप्रैल 1980

मं० स्थापना-1/10---महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश ने निम्नलिखत स्थाई अनुभाग अधिकारियों को, स्थानापन्न लेखा- अधिकारी के पद पर, उनके आगे दर्शाये कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से पदोन्नत किया है:---

सर्वश्री

प्रो०पी०भारद्वाज
 02/349 20-3-80 पूर्वाह्म
 के०एल०जैन
 02/257 18-3-80 पूर्वाह्म

3. जे० एस० श्राहूजा . 02/258 17-3-80 पूर्वाह्म 4. वासुदेव श्रमवाल . 02/260 17-3-80 पूर्वाह्म

विनांक 11 ग्रप्रैल 1980

सं०-प्रशासन-1/15—महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश ने श्री पी० रामकृष्णन, स्थाई प्रनुभाग प्रधिकारी 02/259 को विनांक 17-3-80 पूर्वाह्न से, प्रथात वह दिनांक जिससे उनसे अवर श्री वासुदेव अग्रवाल अनुभाग श्रिधकारी की पदोन्नति लेखा श्रीधकारी के पद पर हुई है, वेतनमान रुपये 840-40-1000 द० रो०-40-1200 में, लेखा श्रीधकारी के पद पर प्रोफार्मा पदोन्नत किया है।

(प्राधिकार :--महालेखाकार-प्रथम के श्रादेश दिनांक 8-4-80)।

भ्रु० च० साहु वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय बम्बई-400020, विनांक 11 श्रप्रैल 1980

सं प्रशा विश्वासान्य 31-खण्ड III/सी-1/2—महालेखाकार महाराष्ट्र-1 बम्बई प्रधितस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सबस्यों को उनके नाम के सन्मुख निदिष्ट किये गए दिनांक से प्राणामी प्रादेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा प्रधिकारी नियुक्त करते हैं:—

ऋमांक नाम	दिनांक			
सर्वश्री 1. एस०पी० कलमकर 2. एस० सी० बानर्जी 3. जी० के० भ्रापटे 4. के० एस० श्रीनिवासमुर्ति	 •	12-3-80 24-3-80 24-3-80 13-3-80	ग्रपराह्न पूर्वाह्न पूर्वाह्न पूर्वाह्न	

एस० ग्रार० मुखर्जी वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

महालेखाकार कार्यालय जम्मू व काश्मीर श्री नगर, दिमांक 1980

सं०/प्रणा० I/60(63)/80-81/89-91-महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने भ्रत्य भादेश होने तक इस कार्यालय के एक स्थाई अनुमाग अधिकारी श्री टी० एन० रेणा (जन्म-तिथि 2-8-1942) को एक अप्रैल, 1980 (पूर्वाक्ष) से प्रभावी, स्थानाथन हैमियत में लेखाधिकारी के रूप में पदोन्नत किया है।

मु० मु० मुबारकी वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन एवं प्रधिकरण)

रक्षा मन्त्रालय

भारतीय श्रार्डनेंस फैक्टरिया सेवा श्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700016, विनोक 14 **भन्नेल** 1980

मं० 21/80/जी--सेवा निवृत्ति पूर्व प्रवकाश की समाप्ति पर श्री ए० के० बोस, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक, मौलिक एवं स्थायी फोरमैन दिनांक 31-8-1979 (ग्रयराह्न) से सेवा निवृत हुए ।

> वी० के० मेहता महायक महानिवेशक, शार्डनेंस फैक्ट्रियां

उद्योग मंत्रालय

(ब्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 मार्च 1980

सं 12(573)/68---प्रणासन (राज ०)---राष्ट्रपतिजी, भौद्योगिक विस्तार केंद्र, फिरोजाबाद के श्री के ० के ० सरन अग्रवाल, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (कांच/मृतिका) को दिनांक 9 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्र) से श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर में तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक (कांच/मृतिका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 मप्रल 1980

सं० ए०-19018(436)/79-प्रशा०(राज०)--राष्ट्रपति जी, श्री ए० डी० वर्गीज को दिनांक 18 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रगले आदेशों तक के लिए शाखा संस्थान, इम्फाल में सहायक निदेशक ग्रेड-र्रा (खाद्य/खाद्य संग-रक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(479)/80-प्रणासन (राज०)--- जिकास आयुक्त (लघू उद्योम) श्री पी० सी० भावसार को लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर में दिनांक 27 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से श्रगले आदेशों सक के लिए सहायक निदेशक, ग्रेंड-11 (फल परिक्षण) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 श्रश्रैल 1980

सं॰ ए॰-19018(428)/79-प्रशा॰(राज॰)---राष्ट्रपति जी, श्री एम॰ एम॰ मस्निकम को दिनांक 14 मार्च, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक के लिए लघु उद्योग शास्ता संस्थान, धनवाद में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (धातुकर्म) के रूप में निपृक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/(437)/79-प्रशा० (राज०)— राष्ट्रपति जी, श्री जान मथाई को दिनांक 25 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेशों तक के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान, तिचूर में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (खाद्य/फल परिक्षण) नियुक्त करते हैं

सं० ए०-19018(440)/79-प्रभा० (राज०)-⊷राष्ट्रपति-जी, श्री डी० के० श्रीवास्तव को विनोक 10 मार्च, 1980 (पूर्वीह्न) से भगले भादेशों तक के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर में सहायक निवेशक, ग्रेड-1 (यांकिकी) नियुक्त करते हैं।

> महेंद्र पाल गुप्त उप निवेशक (प्रशा०)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय बम्बई-20, अप्रैल दिनांक 14-6-1980

सं० सी० एल० बी० 1/1/7-जी/77—सूती वस्त्र (नियं-त्रण) भादेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केंद्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से में एतद्-द्वारा वस्त्र भ्रायुक्त की भ्रधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी/71 दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित भ्रतिरिक्त संशोधन करता हूं, भ्रथांत :——

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में कम सं० 20 के सामने स्तंभ 2, 3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात :---

1	2	3	4
(1)	''जिला उद्योग केंद्रों के ह सभी महाप्रबंधक/जिला उद्योग ग्रधिकारी	रियाणा	12(6) केवल स्थानांतरण 12 (6ए), 12 (7ए) 12(7एए), 12सी
(2)	संयुक्त निवेशक, उद्योग हरियाणा	,,	12(6), 12(6 ए) प्राप्ति सथा स्थापन 12(7ए) 12(7एए), 12 सी भौर 12ई
(3)	उद्योग निवेशक, हरियाणा	,,	12(6), 12(6 ए) प्राप्ति तथा स्थापन 12(7ए) 12(7एए) 12 सी मौर 12ई
(4)	वस्त्र ग्रधिकारी (विपणन एवं विकास) पानीपत	,,	12 (७ए) मौर (७एए) "

सं० 18(1)/77/सी०एल०बी० II---वस्त्र (सक्ति-चालित करवों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आयेस, 1956 के खंड II में प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतब्द्वारा बस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सी० एल० बी० IIबी दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात :---

उक्त ग्रधिसूचना से संलग्न सारणी मे कम सं० 20 (ए) के सामने स्तंभ 2, 3 श्रौर 4 मे विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्मलिखित प्रविष्टियों प्रतिस्थापित की जाएंगी, प्रयति :---

(2) (3) (4)

"सभी महाप्रबंधक, जिला उद्योग हरियाणा 6 (केवल स्था-केन्द्र, जिला उद्योग ग्रधि- नांतरण) 6वी, कारी 6सी, 7ए ग्रीर 8"

> म० वा० चेंबुरकर, संयुक्त वस्त्र ग्रायुक्त

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 18 भन्नेस 1980

सं० ई-II(7)—इस विभाग के मधिसूचना संख्या-ई-11(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 3 प्रभाग 1 के भ्राधील "एजंक्स 'जी'" प्रविष्टि के पश्चास् "श्रमोनिश्म जिलेटिक श्रामनामाइट---80% नाइट्रोग्लीसरील (कोरियन केंक्)" जोड़ा जाए।

> इंगुब नरसिंह मूर्ति, मुख्य बिस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन धनुभाग-1)

नदै दिल्ली, दिनांक 15 मप्रैल 1980

सं० प्र० 1/1(1157) — महानिबेशक, पूर्ति संया निपंडान एतक्षारा निरीक्षण निष्डाक मदास के कार्यालय में अधिक की एमं बी० कुलशेखरन को दिनांक 11-3-1980 के पूर्वीक्ष से उसी कार्यालय में श्री पाल जेवियर, जो अवकाश पर गए हैं, के स्थान पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पर पर पूर्णतः तदर्थ श्रीधार पर स्थानापक रूप से नियुक्त करते हैं।

संज प्र0-1/1(1146)---इस महानिवेक्सलय के स्थाना-पक सङ्घ्यक निवेशक (बिकी कर) (ग्रेड 1) श्री के० एल० चोपका निवृत्तमान ग्रामु होने पर विमांक 31-3-1980 के अवस्था से सरकारी सेवा से निवृत हो गये।

(प्रशासन जनुमाग-6)

दिनांक 19 म्रप्रैल 1980

सं० प्र० 6/247(321)—राष्ट्रपति, निरीक्षण निर्देशक, मजास के प्रधीन एरनाकुलम में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए, इंजीनियरी माखा के ग्रैंड III) श्री टी० ग्रार० रामास्वामी को दिनांक 13-3-1980 (ग्रपरान्ह) से ऐच्छिक सेवा निवृत्ति की श्रनुमति प्रधान करते हैं।

के किशोर, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, विनांक 18 श्रप्रैल 1980

सं० 3087बी/2181 (वी० पी०एस०)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री विद्या प्रसाद शर्मा हारा दिया गया त्यागपत्र 31-5-1979 के प्रपराह्म में स्थीकार किया गया क्योंकि उन्होंने कद्रीय भूमिगत जल बोर्ड में ही रहने की इच्छा व्यक्त की है।

सं० 3218बी/ए-32013(4-ब्रिलर)/78-19बी---भारतीय भूषैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित घरिष्ठ तकनीकी सहायक (ब्रिलिंग) को ब्रिलर के पद पर भारतीय भूषैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनवान में स्थापक क्षमदी में, ज्ञागामी आदेश होंगे तक अर्थेक के सामने, दर्शाई गई तिथि से पर्वोक्षति पर नियुक्त किया जा रहा है :---

नाम	कार्यभार ग्रहुण तिथि		
सर्वश्री 1. एस० के० प्रेसाव 2. टी० भार० शर्मा	29-1-80 5-2-80	(पूर्वाह्म) (पूर्वाह्म)	

नी० एस० कुष्णस्थामी, मेहा निर्देशक

(कोयला विभाग)

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनकाव, विनांक 21 जनवरी 1980]

सं० एच० बी० 18(4) 73-भारत कोर्किंग कील लिमि-टेड, धनदाद के तत्कालीन निदेशक (कार्मिक) श्री घो० मही-पति तथा पूर्वीय कोयला क्षेत्र, लिमिटेड, डिसंरेगढ़ के तत्कालीन

प्रबन्ध निदेशक श्री भार० वर्मा जिस उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए ग्रधिसूचना स० य्० 23018/3/73-एम० ${
m II}/$ एम० बी० विनांक 19-10-74 के प्रधीन कोयला खान श्रमिक श्रावास बोर्ड के सदस्य मनोनीत किए गए थे, वे उक्त पद से मुक्त हो जाने के कारण उस उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करने की स्थिति मे नही रहे। ग्रत मैं कोयला खान श्रमिक श्रावास बोर्ड के प्रध्यक्ष की हैसियत से, कोयला खान श्रमिक-कल्याण निधि नियम, 1949 के नियम 12 के उप-नियम (ई०), नियम 5 के उप-नियम (7) के साथ पटते हुए, के भ्रनुसार घोषित करता हूं कि उक्त सर्वेश्री धो० महीपति तथा धार० वर्मा जिस दिन से सदस्य नहीं रहे, उपर्युक्त कोयला खान श्रमिक कल्याण प्रावास बोर्ड से उनकी सदस्यता भी समाप्त समझी जाएगी।

> दामोदर पंडा ग्रध्यक्ष कोयला खान श्रमिक प्राधास बोर्ड एवं कोयला खान कल्याण संस्था घनबाद

शिक्षा भौर संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई विल्ली, दिनांक 5 भन्नैल 1980

सं० एफ० 8-58/78-प्रौढ़ शिक्षा-I---राष्ट्रीय शैक्षणिक मन्संधान एवं प्रशिक्षण परिषद के सम्पादक, श्री सान्तो दत्त, जो इस समय प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली मे प्रति-नियुक्ति के ब्राधार पर उप निदेशक के रूप मे कार्य कर रहे हैं, की नियुक्त की श्रवधि, भौजुदा शर्तों पर ही 1-1-1980 (पूर्वाह्न) से भौर एक वर्ष की श्रवधि के लिए श्रयवा उतने समय तक के लिए जब तक कि यह पद नियमित ग्राधार पर भर नहीं लिया जाता, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

> पी० एस० बेदी, ग्रवर सचिव

धाकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 मप्रैल 1980

सं० 2/26/61-एस०-दो---महानिवेशक, म्राकाशवाणी, श्री उम०्पी० जैन, प्रशासन ध्रधिकारी, रिसर्च विभाग, ग्राकाश-बाणी, नई दिल्ली को 1-3-1980 (पूर्वाह्य से सीनियर प्रशा-सनिक प्रधिकारी, समाचार सेवा प्रभाग, प्राकाशवाणी, नई दिल्ली के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० बी० सेषाद्रि, उप निदेशक, प्रशासन कृते महानिवेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 भ्रप्रैल 1980

शं० ए० 12025/23/78-एन० एम० ई० पी०/प्रशासन-I---राष्ट्रपति ने श्री बचन राम धापर को 27 फरवरी, 1980

पूर्वाह्म से भ्रागामी भ्रादेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर ग्रस्थायी तौर पर तैनात किया है।

> शाम लाल कुठियाला उप निवेशक, प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मन्त्रालय विपणन एवम् निरीक्षण निदेशालय फरीवाबाव, दिनांक 18 घप्रैल 1980

सं० ए० 31014/2/78-प्र0-1---कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार, निम्नलिखित ग्रधिकारियो को विपणन एवम् निरीक्षण निवेशालय मे सहायक विपणन ग्रधिकारी (वर्ग-II) के स्थाई पव परमूल रूप में उनके नाम के प्रागे विनिर्विष्ट तिथियों से नियुक्ति करते हैं :---

सर्वश्री

1. एम० म्रार० देशपांडे	26-4-1975.
 सी० राधा कृष्णा 	26-4-1975.
3. के० एस० निशाल	12-7-1976.
4. जमन लाल	12-7-1976
5. औ० के० पालन	25-11-1978
 श्रीमती श्रार० एस० नेहटे 	26-9-1979
7. भ्रार० के० एस० पिल्लै	26-9-1979
8. श्रीमति ए स० एल ० चौ धरी	26-9-1979

2. उपरोक्त श्रिधकारियों की निम्न पद पर ग्रहणाधिकार, यदिकोई हो तो सहायक विपणन भ्रधिकारी (वर्ग \mathbf{H}) के पद पर स्थाई होने की तिथि से समाप्त हो जाएगा ।

> बी० एल० मनिहार प्रशासन निवेशक

राष्ट्रीय शर्करा संस्था (खाद्य विभाग)

कानपूर, दिनांक 21 मप्रेल 1980

सं o Estt. 3(1) 67-VI/--श्री पीतम सिंह की नियक्ति मूल रूप से प्रवला शकरा इन्जीनियरिंग के स्थायी पद पर रु० 650-1200 के वेतन कम में राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कान-पूर में दिनांक 17-5-1979 (पूर्वाह्म) से की जाती है। एन० ए० रामय्या

निवेशक

भाभा परमाणु घनसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400 085, दिनांक 12 मार्च 1980

सं ० पी ० ए ० / 73(8) 79 आर-IV --- अपर निदेशक भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र डा० बप्पानाइ रामचन्द्र राव को निवासी चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर इस मनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में 10 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न) से श्रप्रिम भाषेशों तक श्रस्थाई रूप में नियक्त करते हैं।

"विनोक 13 मार्च 1980

सं॰ पी॰ए॰/76(2)/80-धार-IV — नियंत्रक, भाभा पर-माणु धनुसंधान केंद्र, परमाणु ऊर्जा विभाग से स्थानांतरण होने पर श्री गगाधरन पणिक्कर को सहायक लेखा श्रधिकारी (रु० 650-960) पद पर भाभा परमाणु श्रनुसंधान केंद्र में 29 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्र) से ग्रग्रिम श्रादेशों तक स्थाना-पन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> ए० एस० दीक्षित उपस्थापना ग्रधिकारी

परमाण् ऊर्जा विभाग

विश्वक्ष प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 11 श्रप्रैल 1980

सं० पी० पी० ई० डी०/3(262)/78-प्रणासन—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के स्थायी वैयक्तिक सहायक तथा स्थानापन्न प्राणुलिपिक-III श्री के० जी० वासवानी को 14 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से 7 जून, 1980 के प्रपराह्न तक उसी प्रभाग में श्रस्थायी स्प से सहायक कार्मिक प्रधिकारी नियुक्त करते हैं, यह नियुक्त श्री जी० ए० कौलगुड, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी के स्थान पर की गई है, जो छुट्टी पर गए हैं।

विनांक, 16 अप्रैल 1980

सं० पी०पी०ई० डी०/3(262)/78-प्रमासन 4461-विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के वैयक्तिक सहायक तथा स्थानापश्च प्राशुलिपिक-III श्री ग्रार० एस० तलपदे को 21 ग्रप्रैंल, 1980 के पूर्वाह्न से 31 मई, 1980 के प्रपाह्न तक उसी प्रभाग में ग्रस्थायी रूप से निजी सचिव नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री व्हि० व्हि० सबर-वाल, निजी सचिव के स्थान पर की गई है, जो छुट्टी पर गए हैं।

थ० वी० यत्ते प्रशासन भक्षिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना शुद्धिपत्र

कोटा, दिनांक 28 फरवरी 1980

सं० रापविप/मर्ती/7(9)/80/स्थ/708—इस विभाग की तारीख 30-11-1979 की रापविप/मर्ती/7(9)/79—स्थल/681 संख्यक ग्रियस्चना में ग्रांशिक ग्राशोधन करते हुए श्री ग्रार० कें शर्मा, सहायक लेखा ग्रिधकारी की नियुवित की तारीख को 12-7-1979 पढ़ा जाए।

> गोपाल सिंह प्रशासन प्रधिकारी (स्थापना) वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

भ्रंतरिक्ष विभाग

धन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

ग्रहमदाबाद-380053, दिनांक 2 ग्र**प्रै**ल 1980

सं० इस्ट/पी० जी० ए०/5120/80—निदेशक ने श्री सी० एम० माणि को भारतीय श्रंतरिक्ष श्रनुसंधान संगठन, श्रंतरिक्ष विभाग के श्रंतरिक्ष उपयोग केन्द्र में 28 फरवरी 1980 के पूर्वाह्न से श्रगला श्रादेश मिलने तक स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन श्रद्यकारी नियुक्त किया है।

एम० पी० श्रार० पणिकर प्रशासन श्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 धप्रैल 1980

सं० ए० 32014/4/79-ई० ए० महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमान क्षेत्र प्रधिकारियों की तक्ष्यं प्राधार पर की गई नियुक्ति की प्रविध तारीख 30-9-1980 तक या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, उनमें जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी दे की है।

क्रम सं० नाम	तैनाती स्टेशन
सर्वेश्वी	
1. सी० बी० यदनायक	बम्बई (सांताऋूज)
2. ए० सी० दास	मंगलूर
 इंदरजीत सिंह 	कानपुर
4. जी० बी० सिंह	पालम
5. जे ० पी० कपूर	पालम
6. पी० एम० धनराज	बम्बई (सांताऋूज)

सं० ए० 32014/1/78-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों की तवर्थ श्राधार पर की गई नियक्ति को प्रत्येक के माम के सामने दी गई तारीखों के बाद श्रीर छः माह की श्रवधि के लिए श्रथवा पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की श्रनमित प्रवान की है:—

शन
Ì
f

विनांक 21 मन्नेल 1980

सं० ए० 38013/1/80-ई० ए०--श्री जी० एन० मूर्ति, विमान क्षेत्र ग्रिधुकारी, सद्वास एयरपोर्ट, सद्वास ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरुप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 मार्च, 1980 (श्रफराह्न) से ग्रपने पव का कार्यभार स्थान दिया है।

> विश्व विनोद **जीह**री उप निदेशक प्रशासम

नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रप्रैल 1980

सं १ ए० 32014/1/80 ई० प्यहानि देसक नासर किमानन ने दिनांक 8-4-19-80 से नासर विमानन विभाग के श्री एस० श्रार० भाटिया, खेखा ग्रधिकारी (तक्ष्ण) को उसी पव पर स्थानापन्न श्राधार पर नियुक्त किया है।

> चित्ररंजन कुमार वस्य सहायक निवेशक प्रशासन

नर्ष दिल्ली, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1980

सं० ए० 38.013/1/79-ई० सी०—केन्द्रीय रैकियो भंडार डिपो, नई विस्ली के श्रीपी० सी० बनर्जी, तकमीकी प्रशिकारी ने निवर्तन ग्राय प्राप्त कर क्षेत्रे के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निव्ह होने कर 31-3-1980 (ग्रपराह्म) से अपने पर का कार्यभार स्थाग दिया है।

दिनांक 19 अप्रैल 1980

सं० ए० 38013/1/80-ई० सी०—- वैमाणिक संपन्तर संगठन के निम्नलिखिक को प्रधिकारियों ने निवर्तक भाय प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31-3-1980 (अपराह्म) से ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

त्रमध्सं क नाम और प्रवत्सम	स्टे श म-	सेवा निबृत्त होने की तारीख
1. श्री रा० पी० वरटन	• • •	
सहायक संचार ग्रधिकारी	व० स० स्टशन	31-3-80
	मद्रास	(ग्रपरा ह्न)
2. श्री सी० एम० ग्रदणाचलम	Γ	•
सहायक संचार ग्रधिकारी	वै० सं० स्टेशन मद्रास	31-3-80 (ऋपररहा)

दिसांक 21, प्रप्रैल 1980

सं० ए० 31014/2/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 22-3-1960 की प्रविसूचना सं० ए० $31014/2^{1}79$ -

ईश्ती॰ की फल सं 24 को संसोबित करते हुए हासकां निम्न प्रकार से पढ़ें और प्रक्तिक्यापिक करें :---

कम सं०	•	तैनाती सं	टेशन
24 श्री	एम० पी० कुलक	र्णी वै०सं०स्टेश	न, बम्बई

सं० ए० 38013/1/80-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्निखित प्रधिकारियों ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर विमांक 31-3-1980 (ग्रपराह्म) से प्रपने पव का कार्यभार त्याण विया है ।

क्रम सं० नाम भ्रौर पदनाम	स्टेशन
 श्री गोपाल सिंह सहायक तकनीकी ग्रिधिकारी श्री जी० जनाड सहायक संचार ग्रिधकारी 	रेडिस्के निर्माण भीर विकास एकक, नई विस्ली वैमानिक संचार स्टेशन, वस्थई

म्रार० एन० दास सङ्घायक निर्देशक प्रशासनः

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुस्क इन्दौर-452001, दिनांक 9 सप्रैल 1980

सं० 5/1980— मध्यप्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता-लय इन्दौर के मुख्यालय में तैनात श्री झार० बी० सूर्य-नारायण, वेतन एवं भगतान अधिकारी, श्रेणी (ख) दिनांक 8-3-1980 के अपदान्ह में सर्वेच्छा से सेवामुक्त ही गर्ये।

> एसक नेक **प्रथ** समाहसी

निस्तिकृण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा तथा केन्द्रीय खरपादन शुरुक नई विल्ली, दिनांक 1.6 सप्रैल 1.9.80

सं० 10/80—श्री कमलेग चौपड़ा, संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा नामित किए जाने पर, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन मुस्का) के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में 650-30-740-35-810-दण दोफ-35-880-40-1000 दे रोज-40-1200 के वेतनमान में, प्रशीक्षण; केन्द्रीम उत्पादन मुस्का, गुप 'ख' (विकोपक्ष उत्पादन इंजीनिसरी) के पक्ष, पर नियुक्त किए गए हैं भीर उन्होंने विमाक्ष 1-4-80 के (पूर्वाह्म) से भ्रपने पद का कार्यभार सम्माल किया है।

कृष्ण लाल रेखी निरीक्षण निवेशक विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्यं मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर करनाटक प्राडक्शन एण्ड मैन्युफैक्चरसे प्राईवेट लिमिटेड के विषय में । बंगलौर, विनांक 21 मार्च 1980

सं० 3103/560/844—कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 की घारा 560 की उपघारा (3) के श्रनसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रव-सान पर करनाटक प्रोडक्शन एंड मैन्युफैक्चरर्स प्राईवेट लिमि-टेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और मोदी इन्टर प्राइजेज (सेल्स) प्रा० लि० के विषय में । कानपुर, दिनांक 15 ग्रप्रैल 1980

सं० 3562/3482-एल० सी०-कम्पनी स्रिविनियम 1956 की घारा 560 की उपघारा (5) के धनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मोदी इन्टर प्राईजेज (सेल्स) प्रा० लिमिटेड का नाम धाज रजिस्टर से काट दिया गया है धौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और विकी इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में 🏥

कानपुर, दिनांक 15 ग्रप्रैल 1980

सं० 3564/4161-एल०सी०—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि विकी इंजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

ग्रो० पी० चडढा रजिस्ट्रार ग्राफ कम्पनीज यू० पी०, कानपुर

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रौर मेसर्स ग्रासाम एकुमूलेटर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। ग्रिलांग, दिनांक 11 ग्रप्रैल 1980

सं०/जी० पी०/1091/560(3)/251—कम्पनी श्रिधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनु-सरण में एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से ती न मास के श्रवसान पर मेस संश्रा स ।मलेटर प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर यी जायगी। 2—56 GI/80 कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्सनौगांव इलेक्ट्रिक सप्लाई कारपोरेशन के विषय में । शिजांग, दिनांक 11 अप्रैल 1980

सं० जी० पी०/519/560(5)249 कम्पनी श्रिष्ठिनियम 1956 की धारा,560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतदहारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स नौगांव इलेक्ट्रिक सप्लाई कारपोरेशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रंधिनियम 1956 ग्रौर मेसर्स कमला एजेंसी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में । गौहाटी, विनांक 19 ग्रंपैल 1980

सं० जी० पी०/TS/560(3)— कम्पनी ग्रिमिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव् द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स कमला एजेंसी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

एस० के० भट्टाचार्य कम्पनियों के रजिस्ट्रार आसाम, शिलांग

कम्पनी ग्रिधिनियम] 1956 भीर बालेग्वर साल्ट एण्ड केमिकल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। कटक, बिनांक 17 भप्रैल 1980

सं० एस० म्रो०-टि० स०-192(2)—कम्पनी मधि-नियम 1956 की घारा 560 की उपधारा 3, के मनुसरण में एतब् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर बालेश्वर सास्ट एण्ड केमीकल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत् कारण विशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा भौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> डी० के० पाल कम्पनियों का रजिस्ट्रार ओडिगा, कटक

कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 445(2) के अधीन सूचना धौर मैसर्स ठाकुर राम गंगा प्रसाद प्राईवेट लिमिटेड

पटना-800001, दिनांक 17 श्रप्रैल 1980

सं० (434)/लिक्वि/298—कस्पनी श्रर्जी सं० 5-1977 में पटना स्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 2-11-1979 के श्रादेश द्वारा मैंसर्स ठाकुर राम गंगा प्रसाद प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन का श्रादेश दिया गया है।

> पी० के० चटर्जी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी श्रधिनियम 1956 के विषय में श्रौर कोलो-म्बानी इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड हुँके विषय में ।

पांडिचेरी, दिनांक 18 अप्रैल 1980

सं० 15—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा 5 के ग्रन्त्सार एतव् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कोलोम्बानी इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से हटा दिया गया है तथा उक्त कम्पनी बन्द हो गई है।

बूदाटि कोटफ्वर राव कम्पनी रजिस्ट्रार पांडिचेरी

आयकर आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली-1, दिनांक 22 मार्च 1980

विषय: ---स्थापना-ग्रायकर ग्रधिकारी (ग्रुप-की) की पदोन्नति सं ईस्ट०-1/पदोन्नतियां/ग्राय० ग्रधि०/1979-80/46545--श्री पी० एन० कालरा, निरीक्षक को 1-4-80 के पूर्वाह्न से श्रथवा कुमारी गीता कृपलानी, ग्रायकर ग्रधिकारी (ग्रुप-ए) के केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में श्रवर सचिव के पद पर तैनाती हो जाने पर उनके कार्य भार सौपने की तारीख से रू० 650-30-740-35-810-ई०वी०-35-880-40-1000ई० बी०-40-1200 के वेतन मान में आयकर ग्रधिकारी (ग्रुप-बी) के पद पर कार्य करने के लिए पदोन्नति किया जाता है।

यह पदोन्नति दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन 1977 के सी० एम० पी० 652/डब्ल्यू 1977 के० सी० डब्ल्यू० पी० सं० 341 में अन्तिम श्रादेशों के अधीन है। इस पदोक्षति के परिणाम स्वरूप श्री पी० एन० कालरा को, ग्रगले ग्रादेश होने तक मुख्यालय में विशेष कार्य श्रधिकारी के पद पर तैनात किया जाता है।

> एम० डब्ल्यू० ए० खान ग्रायकर ग्रायक्त दिल्ली-1, नई दिल्ली

कार्यालय, आयकर आयुक्त (संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी) कानपुर, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980 श्रादेश

सं० 2— मुख्य लेखा-परीक्षक, कानपुर के कार्यालय के श्री एम० पी० कटियार श्रायकर नरीक्षक को एतदब्रारा श्रायकर श्रीधकारी (ग्रुप-बी) के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन अम के स्थानापन्न कार्य करने के लिये, तत्काल से तथा श्रन्य श्रादेशों तक नियुक्त किया जाता, है। यदि इसके पश्चात यह पाया गया कि उनकी नियुक्त उपलब्ध रिक्तियों से श्रीधक की गई है तो वे पदावनत किये जाने योग्य होंगे।

पदोक्षति पर उनकी सेवायें श्रायकर श्रायुक्त कानपुर के श्रिध-कार में सौंपी जाती है।

> बी० गुप्ता श्रायकर-श्रायुक्त (संबर्गं नियंत्रण प्राधिकारी) कानप्र

प्रकर्प माई • दी • एन ० एस • —

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 21 भ्रप्रैल, 1980

निवेश सं० ए० श्रार० II/2831-4/अक्तूबर, 79:--श्रत. मुझे,ए० एच० तेजाले,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करनें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 95—जे श्राफ टि० पी० एम० III सी० टी० एस० नं० 1292, 1292(1) श्रीर (4) है तथा जो विले पार्ले (बेस्ट) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 27-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गथा प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतोग ग्रामहर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुनरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति:——

(1) श्रीमती शकुन्तला कान्तीलाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मकुन्तला पार्क व्हू को० ग्राप० हाउसिंग सो० लि० ।

(भ्रन्तिरती)

- (3) सेठ हिराबेन सोमचन्व, सेठ जे० ग्रा२० पटेल, रुठ वी० ग्रमृतलाल चुनीलाल, सेठ नन्दलाल खेतान । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)।
- (4) श्री श्रशोक पोपटलाल शाह, निरंजन पोपटलाल शाह, मिस्त्री, देवशी नानजी श्रीर खोदिदास नानर्जा कन्फरमिंग पार्टि)।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्प्रिः में हितबज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन वे लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्न सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख २१ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणं :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खनत श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैमा कि विलेख सं० एस० 483/79 उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 27-9-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले, सक्षम द्वाधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज-2, वस्**बर्ध**।

तारीख: 21-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मर्प्रेस, 1980

निदेश सं ० म्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/80-81-/1502---भ्रतः मुझे, क्र० कौ० राय,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरल (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिध-नियम के भिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/बा
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या मन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या घन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मन, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थात:——

- 1. (1) श्रीमती पदमा देवी श्याम नारायण जी श्रीवास्तव व
 - (2) श्री धतुल, सिविल लाइन्स, जबलपुर।

(ग्रन्सरक)

 श्री मोहन लाल ग्राग्रवाल, 24, छाता सर्राफा, इन्बीर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ∄सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एवण्डीकरण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उलन श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथें होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महान स्थित प्लाट नं० 3, विश्नू पुरी, इन्दौर।

कृ० कौ० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 2-4-1980.

प्रकप धाईं । टी । एन । एस । -

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भ्रमीन सूचना

> **भारत सरकार** कार्याज**य, सङ्गायक भायकर प्रायुक्**त (निरीक्षण)

> > धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं॰ म्राई॰ ए० सी॰/एक्बी/भोपाल/80~81/1503— मतः, मुझो, कृ० कां॰ राय,

म्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269 ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो तेदेवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, देवास मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 10-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिगत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिन्न नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय था किसी भन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, घव, धवत श्रधिनियम की धारा 269-ग के शनुसरण में, में, खबत श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री मिकदारउद्दीन पिता श्री मसलुद्दीन काणी खारी बासभी, देवास ।

(भन्तरक)

(2) मैंसर्स गजरा गियर्स प्रा० लि०, स्टेशन रोड़, देवास । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 बिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त श्रीक्षण्यम के शब्दाय 20-फ में परिभाषित है, वहीं शर्ष होगा, जो उस शब्दाय में वियागया है।

अनुसूची

भूमि माप 2.986 हेक्टेयर्स स्थित देवास ।

कृ० को० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेज, भोपास

तारीखा : 2-4-1980

प्रकप धाईं • डी • एग • एस • -----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 की 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाक्ष

भोपाल, दिनांक 2 ब्रप्रैल 1980

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्बी/भोपाल/80--81/1504--ग्रतः, मुझे, कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंत्रवात् 'खंबतं अवितियम' कहा गया है), की भारा 269-खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका खब्ति बाजार मूक्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 23 श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्व स अरने की कार्रक है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्वें, उसे वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का प्रकृत प्रतिक का प्रवृत्ति के अकि है और मस्तरक (मस्तरकों) भीर मन्तरिती (मस्तरितियों) के बीच ऐसे मस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छड्डिय से उक्त मन्तरण लिखित में गस्तिविक कप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी कपने या उससे वजने में सुविधा के लिए, घोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रय्य आस्तियों को, जिंहीं भी रेतींयें श्रेयेंकेंग अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शना जाहिए का, छिपानें में सुविद्या के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 26 का के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपजारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—- (1) श्री दुर्गालाल पुत्र श्री नारायण लालजी श्रग्रवाल, 19, स्नेह नगर, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दा बाई पुत्नी श्री राम गोपाल श्रागर मालवा छावनी म० प्र० (वर्तमान द्वारा श्री लाल चन्द श्रग्रवाल 52, उषा गंज मैन रोड, इन्दौर)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीमन सम्पत्ति के प्रजैन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के मंबंध में काई भी आक्षेत्र :- -

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की प्रविध्व या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील मे 30 विन की धविष्ठ, जो भी प्रविध्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूबना के राजरत में प्रकाशन को तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवब किसी भन्य व्यक्ति ब्रारा भधोड्स्ताना के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण — इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदी का, को उक्त श्रक्षित्यम के अध्याय 20-क में परिकाषित है, बढ़ी श्रर्थ होगा, भी उप श्रक्ष्याय में विकासया है।

अनुसूची

मकान का भाग स्थित प्लाट नं∘ 19 ट्रंक रूट नं∘ 6→7, इन्दौर।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 2-4-1980

प्रकप आई० टी० एत० एस०→--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूबना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 2 म्रप्रैल, 1980

निदेश सं श्रा है ० ए० सी ० /एक्वी /भोपाल / 80-81 / 1505-श्रतः मुझे, कृ० कां० राय, आयकर द्राधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार 25,000/- रुपये से मृत्य ग्रौर जिसकी सं० बगला है, तथा जो जबलपुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीवरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 26 सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृक्ष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रस्तरिती (ग्रस्तरितियों), के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निष्यित में वास्त्रतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरण के व्यक्ति में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी द्यन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उन्त प्रधितियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ भी उपधारा (1) के अज्ञीन निम्नलिखित स्थिनतयों, अर्थात् :---

(1) 1 श्रीमती सुशीला डिड्डी पत्ति ले० कर्नल श्री सी० पी० डिड्डी व (2) ले० कर्नल श्री सी० पी० डिड्डी, 4-ए०, ग्वारी घाट, रोड, जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) एस० स्राप्तः एस० फाउन्डेणन श्राफ इंडिया द्वारा श्री प्रफुल्ला श्री वास्तव डिप्टी जनरल सेकेंद्री, एस० श्राप्तः एस० फाउन्डेशन श्राफ इन्डिया, ब्योहार बाग, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीश्वत सम्पत्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारी वा से 4% विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रवृद्धि, जो भी सुवस्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारम;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा मर्केंगे।

हरविदीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के भृष्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसुची

बंगला नं० 4-ए, (कारपोरेशन नं० 1बीव 1बी/ा) साथ खुना प्ताट 7000 वर्ग फट स्थित ग्वारी घाट रोड, जबलपुर।

> कु० कां० राय सक्षमः प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त,(निरीक्षण) ग्रजेंन रेज, भोपाल ।

तारीखा : 2−4-1980.

प्रकप आई• टी• एत• एस•--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भाषीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्रण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 2 स्रप्रैल, 1980

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्टी/भोपाल/80-81-1506----भ्रत: मुझे, कु० कौ० राय,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्रक्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विश्वका प्रवित वाजार मुक्य 25,000/- क्या से प्रक्रिक है

भौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिक है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28 सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बुक्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, इसके बुक्यमान प्रतिफल से ऐसे बुक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से प्रविद्य है और सम्पत्ति (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरक के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्मलिक्वित बहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (स) प्रश्तरण से हुई किसी पाय को बाबत उक्त प्रधितियम, के प्रधीन कर देने के धक्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किनी घन या अन्य आहितयों की, जिन्हें भारतीय पाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम या प्रम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपन्धारा (1) के अधीन, निय्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

(1) श्री शिव लाल भाई देव चन्द भाई पटेल, गौल बाजार, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायण कैंदिया, शीथ ग्रह प्रा० लि०, मनमोहन नगर, दमोह रोड, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षान के विष कार्यवाहियाँ अरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्वविध,
 को भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के
 मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच है

 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति

 में हितवत किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मजोहस्तावरि के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त जिल् नियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिवा गया है।

मनुसूची

मकान नं० 458 स्थित नजूल प्लाट नं० 2 का भाग बलाक नं० 37 व 38 साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर ।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त,(निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज,भोपाल

तारीख: 2 मप्रैल, 1980

प्रस्थ प्राई े टी व एम े ऐस के -----

आयकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 र्ष (1) के धंधीत सूचता भारत सरकार

कायालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 2 श्रप्रैल, 1980

विकेश किं। क्रिकिंट एक क्षिति/एककीई भोगोकि/870±81/ 1507-भेजीक मुक्तें, केठ क्षीं० सीचे,

आविकविष्य विनिवसं श्री 96% (1496) व्यक्ति देश प्रिसे देसमें इसके पश्चाक्षेत्रकारणिविनायम् कृत्यान्यमा हिं)। सी वासाय ४५कियं के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारने हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपमे से अधिक है भौर ज़िम्नकी संक् मकात है, वशा, ,ज़ो जबलपुर में स्थित 🧸 (भौर इससे जमानत प्रमुसूची में भौर पूर्ण रूप से मणित है), र जिस्ट्रीव र्ता ग्रिक्कारी के, कार्यालय, जबलपुर ₋क्कें रजिस्<u>द</u>ीकरम्<u>य</u>-कांधनियम, 1908 (1908 का 16) के ऋधीत, तक्तीख़ 2ू6⊷7--1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के समित दाजार मूल्य से कम के **बुश्यमान अस्तिकण** नेश्वीनपः प्रान्तिकः कीत् गर्कः ही नक्षीर हम्मुने र सहर विकासस्काहने क्रांननर्शन्ते कि सम्बद्धानेत्व सम्बत्ति का उचित वाजार सूच्या_र लसके कृष्यमात् प्रक्रिक्टन हो, ऐसे दुश्क्रमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट्र प्रतिश्वत ग्राप्तिक है भौर अन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निखित में बास्तविक का ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, क्ष्मत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में हमी करने या उसमें प्रचने में मुक्थि। के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 पा 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अप्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया अर्थाती द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनृसरण में, प्रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के घर्षीन निस्निलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:→-3—56GI/80

1 (1) सर्वश्री प्रीतपाल सिंह (2) दशेन सिंह व (3) कुनद्गीम सिंह पुद्ध श्री मोहून निह्, आदिया देन्द्र इ। उस, गोर्खपुर, जबलपुर ।

(भ्रन्तरक)

2 (1) श्रीमती कुसु म मुकोमिलिक्स्री विनय शंकर दुवे (2) श्री विनय शंकर पुत्र श्री नारायण प्रसाद दबे, 607, मिदन महल, जैंबलपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना नारी कर से पूजीबन सम्मात्त के श्रीनंत के लिए कार्यका खुक करता हूं।

उक्त क्षा कि प्रार्जन के सम्बन्ध में होई मो आधीर ---

- (क) इस्पें सूंचिता के रिजिश्त में प्रकीशम की तारीकी से 4 ि दिनाकी अधिधि यो तर्लीम्बन्धी व्यक्तियीं पर सूंचिता की नामील सें 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस-सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 48 दित के भीकार उका स्थानर पनित में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति ज्ञास्त स्थोहरताक्षरी के साम सिवित-में किए जा-सकेंगे।

स्पढंटी करण :-- इसमें प्रयंकत शक्दों और पढो़ का, जो उनत प्रधितियम् के प्रध्याय 20-क में यना परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उन प्रधान में दिया गया है।

प्रनुसूद्धा

मकान हिथत प्लाट नं० 2 व 3 माप 3500 वर्गफुट स्थित महेंशपुर, ज़बलपुर।

> कृ० का० राय, संक्षम प्राधिनारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख 2-4-1980 मोहर: प्ररूप बाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यापय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1980

निदेश सं० घ्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/80—81/1508:—-ग्रतः मझे, क० कां० राय.

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269 ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रिधिक है

धौर जिसकी सं० मकान है सथा जो इन्दौर में रिष्ट हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारों के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्ह भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत:, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नांशिखत व्यक्तियों, प्रयांत:--- (1) श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री बाबूलाल घाटे, धानन्ह नगर, इन्दौर।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री जगजीवन भाई पुत्र श्री देसा भाई सोमी, 23 पलासिया (2--सी), इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 23, स्थित न्यू पलासिया (2-सी), इन्दौर ।

कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपास

तारी**ख**: 2 ग्रप्रैल 1980

प्रकप धाई० टी• एन० एस• --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के प्रधीन सुबना भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनोक 11 भन्नेल 1980

निर्वेश सं० द्वार्ष० ए० सी०/एक्बी/भोपाल/80- 81/1509:--यतः मुझे, कृ० कां० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-का के मधीन समाम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती श्रिक्षकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 176) के श्रधीन, तारीख 1 भगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की नई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और प्रकारक (प्रकारकों) और मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त प्रकारण जिचित में बास्तविक क्य से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत जवत अधिनयम' के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियों को जिन्हें घारतीय भायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिषित्यम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उनत अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री किशन गुप्ता पुत्र श्री बालिकवास गुप्ता सिंह पुर रोड, मुरार।

(भन्तरक)

(2) श्री माता प्रसाद नायक पुत्र श्री गंगा राम नायक निवासी ग्राम रामपुरा, तह० गोहद जिला— भिडा । (भ्रान्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोच से 45 विन की धवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 विन की धवधि, जो भी धवधि बाद से समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब किसी घन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जा नकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर परीं का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला पक्का मकान बियरिंग नं० 33/284 स्थित गरम सङ्क, मोरार, ग्वालियर।

> कृ० कौ० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायंकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख**ः 11 ग्राप्रील, 1980

प्रकार आई॰ ही॰ एक॰ एक॰ एक ।

आयकर ग्रिश्चिनियम, 1961 (1961 का ं4⁄3) की धारा 269-घ (1) के ग्रिशीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल; वियास 11 प्रप्रैल 1980

निवेश सं० ब्राई ए सी/एक्बी/भोपाल/80-81/1510-श्रतः मुझे कुष् का कराहाः आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सवाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ रुपये से ग्रीधिक ग्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो देवास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय देवास, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 19.08 (1908-का 1:6) के ब्रह्मीन, तारीख: 2 ग्रगस्त, 1979 को भूवों इस्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वुश्यक्रमानः प्रतिकलः काष्ट्र प्रन्द्रहः प्रतिशतः से प्रधिकाः है । श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्करितियों) के बीच ऐसे इ प्रम्तरण के लिए तय पक्षा गया प्रतिफल, निक्नलिखत **छद्दे**श्य से उक्त भ्रक्ताईणाव्धिकातों मिंग्नकक्काविक रूप से कथित

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायिश्व में कमी करने या सूम्ब्रोहे हु बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः, ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धाराल 269-क प्रक्षि । उपध्यक्री ः (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतुः— की म

- ि श्रीमका सम्भाजिश्याकः भारकः विक्रम सिंह राव पृद्यार्ृतिहासी भागन्य, भूवम , वैसेम्ब, हेव्सस्, माः (सन्तरक)
- 2. श्री (1) धन राज पिता श्री किशम चन्द लखमानी (2) श्रीमती पुरेजी परिन श्री जोधा राम लख-ामाधीत्रीवासीत्रश्चिवस्तुवास्तुविष्कृताः विश्वसं विकर्णाताः (भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएँ कायनापत्या करता हू

जनत सम्मत्ति श्रेर वर्णमें के अस्ववस्थ म अ**गर्**षिवीश्वाक्षप्रश्नम्यः

- (क) हुस्त सुक्ता के राज्यव में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तरसंबंधि स्मक्तिओं स्त्र सुन्तर की जस्मी करो 30 कि न स्की अस्थि को सी अस्मिन को से ह्या क्रिक्त के के कि के स्वी क्रिक्त क्रिक्त के स्वी क्रिक्त क्रिक्त के से से स्वी क्रिक्त क्रिक्त
- (ख्) इस सूनता के राजपत में प्रकासत की सारीख सू 45, वित के भीतर उक्त स्थायर सम्बद्धित वित्वत किसी क भूत्य व्यक्ति वक्ता, श्रधोतस्याक्ष्मी के पांस किखित में किए जा सक्ते।

स्वव्दीकरण :--- इसमें प्रयुक्त पर्विदी और पदी का, जा उपत भाष-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथ होगा, जी उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्थि।

तीन मंजिला मकान बियरिंग नं० 57, स्थित बड़ा बाजार, देवास ।

> क्_{रिः}कां० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भूजूं_न रूँजू, भूग्रेपल

ता (तिष्क) अग्राक्षक्रमें लाकि 1958क

ेग्रहणा**काई० टीक एक एक प्रा**क्षण

मायक्र अधिनियमं, 1961` (1961 की 43) की घारा 2,69≈घ (1८) के मधीन पुक्ता

भारत सरकार

क्लिपीलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्णन क्लि, भोपाल

'भौपाल, 'सिनिकि' भे । 'भग्नेल, 1'9'80

निवेश सं० ग्राई ए सी/एक्की/भोपाल/80-81/1511 ---भ्रतः मुझे, क्र० का० राय,

मायकर अभिनिष्मम्। १६८ (1981) मार ४६) (मिक्रे प्रकर्मे करें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अजीत नजन प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थान रहत्रेतिक सिताभ जिल्लीत क्रिकार प्रमुख 25,900% दें से प्रक्रिक क्रिका

भीकि जिस्की जीवामकान है तथा जो स्वर्कियन में क्लिस है (भीर इसके क्लाबक स्वामुस्ता में क्लीड पूर्ण कम से विजय है), स्जिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्याखम्ह स्वाक्रियण भी स्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 31 मगस्त, 1979

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या

शन्म पो

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों, भारतीय म्रायकर मिश्वनियम, 1922 (192म कि 14) या उन्ती मिश्वनियम, पिन धन-कर मिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुश्का के लिए;

मतः भव, उन्त श्रिधिनियम, की घारा 269-म के भनुसूर्यः... में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1)_के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :---

- (+) श्रीम्ली क्ष्यूर्यी देशी पर्तिक श्री नारायण प्रसाद सिंघल निवासी हींग की मण्डी, श्रागरा। (श्रीनीरिक)
- (2) श्री अंगीक कुमार पुत्र श्री जमुनादास रेनबाल, सर्राका बाजादात बहक्क श्रालियर । (सून्त्ररिती)

को यह सूथना आरी करक पूर्वास्त सम्पात्त के धर्णन के लिए कार्यवाक्तिकार कार्यका

नक्द स्क्युनि है \ अर्थन हे स्क्रिक्त में के हैं है भी अस्ति के हत

- (क) इन सूचना के राजपत्न में प्रक्रीपिन की ती से खें से 48 में दिन की प्रवृक्षि प्रेम देते हैं कि प्रवृक्षि प्रेम देते हैं कि प्रवृक्षि प्रेम देते हैं कि प्रवृक्षि प्रवृक्षि प्रेम देते हैं कि देते हैं कि प्रवृक्षि प्रवृक्षि प्रवृक्षि प्रवृक्षि प्रवृक्षि प्रवृक्षि कि प्रवृक्ष कि प्रवृक्षि कि प्रवृक्षि कि प्रवृक्षि कि प्रवृक्षि कि प्रवृक्ष कि कि प्रवृक्ष कि कि प्रवृक्ष कि प्
- िक्क दिनो स्वनागका राज्यतम् म प्रैकाणन को तिराव र्हण ५६ सने मार्ग नातराण्यको म्हलावरिकालक माण्यक्षार प्रमुख्य क्रिका क्रिका सम्बद्ध क्रिकाहिस्साकेश क्रिक प्रमुख्य क्रिका प्रमुख्य क्रिका

स्पवडाकर्गः -- इसम प्रयुक्त शब्दा भार पदा का, जो खक्त स्राधानयम के सम्याय 20-क मे परिमासित हैं...

ा य**िकान्ति** सो

ाह मणाताली । है, रक्ता 1580ावगणुट ऽख्डिता । सान सेन रोड़, ग्वास्त्रियक्≱

एका का प्रधान में में साव का का का प्रवास में से प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षक) प्रकार भायकर भायुक्त की किया है क

तारीख: 11 प्रप्रैल, 19.80 ह्या; र

प्रह्मप आई० टो० एन० एस०----

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961का 43) को धारा 269च (1)के मबीत सुचता

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन स्रोत, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 भप्रैल, 1980

निवेश सं॰ धाई ए सी/एक्बी/भोपाल/80-81/1512---भतः मुझे, कु॰ का॰ राय,

भायकर प्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रीक्षक है

प्रोर जिसकी सं 0 मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (धीर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4 प्रगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल वां पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबस, उक्त भक्षि-नियम के भक्षीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनयम, या धन-कर ग्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

मतः, ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रियोन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयतिः—

- (1) श्रीमती राजरानी शुक्ला परिन श्री प्रह्लाद जी शुक्ला, 16, श्रानन्द कालोनी, रतलाम । (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० के० एस० पानीकर एम० पी० ई० बी०, रतलाम।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त झिध-नियम के झध्याय 20क में परिभाषित है, वही झर्य होगा, जो उस झच्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं ० 16, मानन्द कालोनी, रतलाम ।

कु० को० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः 15 भन्नैल, 1980 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 भ्रप्रैल, 1980

निर्देश सं० माई ए सी/एक्वी/भोपाल/80-81/1513---यतः, मुझे, कृ० को० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 अगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ष्टिपाने में सुविका के लिए,
- में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री नरेन्त्र कुमार पुत्र श्री हस्तीमल कुमथ, विलीप नगर, रतलाम ।

(मन्तरक)

(2) श्री ग्रनोखी लाल पुत्र श्री कन्हैया लाल बोथेरा, निवासी दिलीप नगर, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण'—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान स्थित विलीप नगर, रसलाम ।

कृ० को० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ः र्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15 मप्रैल, 1980

कार्यानय, प्रहीयके ब्रायंकर ब्रीयुक्ते (निरीकीण)

मर्जन रेंज, भोपाल

अमोक्काप्यायक 1 कशास्त्रील है अस्त्र 8:00 क

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्वि०/भोपाल/80-81/1514— प्रतः, मुद्दो, कृ० कां० राय, प्रायेकर प्रीविनिर्यम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रशिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रवित-सक्त मुद्दिका सिंग्नोक क्रिक्स विश्वास्त करके कां कारण है। किंद्रिकार सम्बद्धिः विश्वासक वोकार प्रकृति 25,000/— विश्वास प्रविकार

ं श्रीरिं जिसकी भें ० भकाने हैं, 'तथा जो भेन्द्रेसीर'में स्थित हैं (श्रीर इससे उपीबंद श्रनुंसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में रजिस्ट्री-क क्लान्त्रश्राधितिस्त्रम्, हाईच्90क (क्रांक्शिक क्लान्त्रक्रक) क्लाम्बर्धिक स्थानित्र

कृतिक्त संगिति कि लिंक वालिए पूरंप से कुम कि वृद्धकान प्रतिफल के लिये बन्तरित की पिट्टिं हैं बीर 'मृष्टी धंहं विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार सूक्ष्म, जुन्ने दुस्यमुद्ध, प्रतिफल कि, प्रदेश, दुश्यमुद्ध प्रतिफल कि, प्रदेश, दुश्यमुद्ध प्रतिफल कि, प्रदेश कि व्याप्ति के प्रदेश कि वा गया गया प्रतिफल, निम्निकिष्य कि किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बागत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐनी किसी आय क्रिक्किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रीविनयम, 1922 (1922 काम्मानके यानाम्डक्टिकिकिकिकिक्किम्प्यूनम् या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्री था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्टिक्सिक के लिए:

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म् हुई। उपहार है, (क्रिकेट)
के अधीन, निमालिखित अ्यक्तियों, अर्थात्ः

- 1. श्री कैलाश विस्तं पुत श्री किसी जयसवाल जनक्पुरा, धनकुट गली, मन्दसौर। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बसन्ती बाई पत्नी श्री श्रम्बालाल निवासी जनकृपुरा, धममुद्धामकी, मध्यसीर। प्राप्त न्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाडिया करता है।

उन्त सम्पन्ति के अर्ज्जुह के सम्बन्धः में कोई सिंद नाहीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशम की जा से सा से 45 दिस की प्रतिध्य या लएसम्बन्धि क्याक्तियों प्रयु सूचना की तोकील से 30 दिन की प्रविध् जी की अविध आव में समास्त होती ही, कि भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;

स्वक्तीसर्थ - यूसमें 'प्रयुक्त केशी धीर पदी का, जी जिस्से प्रिवियम के प्रश्नाय 20-क में परिसाधित है, वहीं अर्थ दोगा, जो उन प्रश्याय में किया ग्रेग है।

प्रमुखो

्सीन व्यक्तिसाः मक्तनं व्यामितियस विवेरिकं ने - 52, स्थित जिनसूर्पुरी, धीमकुट्ट गसी, मन्दसौरे।

> कृं कां० राय, संकंभा श्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, भोपाल

तारीखाः 15-4-1,980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जेन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 मन्नैल, 1980

निर्वेश सं० ग्राई० ऐ० सी०/एक्वि०/भोपाल-80-81/ 1515---श्रतः मुझे, कु० को० राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा ओ इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफक्त को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों अर्थात्:——

4-56GI/80

- 1. श्री धन्दुल लतीफ खां पुत्र श्री धन्धुल रहमान खां निवासी 47/2, बन्नी गली, इन्दौर। (धन्तरक)
 - 2 (1) श्री प्रयाम लाल पूत्र श्री नानकराम
- (2) श्री नुरेश नुमार पुत्र श्री श्यामलाल नौरसिया निवासी 525, पटठे बापूलाल मार्ग, बाम्बे (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अ्र्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु⁶।

अनुसूची

दो मंजिला मकान बियरिंग नं० 47, लक्षी गली, इन्दौर।

> कृ० कां० राय सक्ष्म प्राधिकारो, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजंन रज, भोपाल

तारीख: 15-4-1980

णकाप आई० टी० एन० एस०----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्राय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 15 श्रप्रैल, 1980

निर्देश सं० श्राइ० ए० सी०/एक्वि०/भोपाल/80-81/1516--भ्रत⁻, मुझे, कृ० कां**०** राय, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पत्रतात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है) 🕫 की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का हारण है हि स्थावर पमासि, जिलहा उचित बाजार मुल्य 25,000/- रपए में प्रधिक है श्रीर जिसकी सं• मकान है, तथा जो विदिशा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विदिशा में रजिस्दी-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-8-1979 को पूर्वोक्त समात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमात प्रतिफल केलिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे रूपमाा प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्रा प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (ह) प्रत्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी िहभी आय या हिमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री हरविलास पुत्र श्री पन्नालाल
 - (2) श्रीमती इन्विरा उर्फ इन्ब्रमनी विधवा पत्नी स्व० श्री पन्नालाल श्रसोपा निवासी पालसीकर कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)
- 2. श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुल्न्दर्रामह सचदेवा, गांधी-गंज, विदिशा। (श्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्वत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रस्थ व्यक्ति बारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ख्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के छडगाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ध्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान वार्ड नं० 21, माधोगंज, विदिशा।

कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

सारीख: 15-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1980 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वि०/भोपाल 80-81/ 1517-श्रतः मझे, क्र० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 14-9-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों अथित्:---

- 1. श्रीमती ऊषा भागवा पत्नी स्व०श्री एम० पी० भागवा निवासी ६० 2/315, धरेरा कालोनी, भोपाल। (श्रन्तरक)
- 2. श्री विजय कुमार जैन पुत्र श्री बाबू लाल जैन निवासी 178, केशवगंज, सागर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं र ई०1/198, अरेरा कालोनी, भोपाल।

कु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अगिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 भ्रप्रैल, 1980

निर्देश सं० म्नाई० ऐ० सी०/एक्विंग्रंशियांल 80-81/ 1518--मत: मुझे, कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करन का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-7-1979

की पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों नथीतः--- 1. (1) श्रीमती वीना राम वि० पत्नी श्री सुशील कुमार राम (2) मिस श्रनिता राम पुत्नी स्व० श्री सुशील कुमार राम (3) श्रीमती विनिता बर्नाई पुत्नी स्व० श्री सुशील कुमार राम (4) श्री संजय कुमार राम (ग्रवयस्क) पुत्न स्व० श्री सुशील कुमार राम सभी निवासी 433, नेपिमर । (ग्रन्तरक) ताउन जबलपुर।

2. श्रीमती तुलसी बसंता पत्नी श्री बी० एम० बसंता निवासी 22, बाल बिहार स्ट्रीट, भोपाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सब्यस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- स्वूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकायी।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भकान मं० 40, ईदगाह हिल्स, भोषाल।

क्ट॰ कां॰ राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज भोपाल

तारीख: 15-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोगाल

भोपाल, विनांक 18 ममैल 1980

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अथीन सक्षम माभिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्वालायर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन तारीख 2-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्तिरंत की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत प्रधिक है प्रौर प्रश्तरक (प्रश्तरकों) प्रौर प्रश्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीव ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्तिजित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जनत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी फ्राम था किसी धन या अस्य ग्रास्कियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अन, उन्त भिधिनियम, भी धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स शक्कर गह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेऋट्री श्री घनश्यामदास लक्कर ग्वालियर। (ग्रग्तरक)
- 2. श्री चन्द पूज्र श्री भनश्यामदास सिधी निवासी नया बाजार, लश्कर, ग्वालियर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपन में प्रकाशिन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्त में हित-वह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधीत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साब्दो तरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर मदों का, जो खकत श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 22 क्षेत्रिफल 172० वर्गद्वट स्थित सिन्ध बिहार कालोनी, जयविलास पैजेंस, म्यालियर।

> क्षः० कां० राय स**कम** प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण)** ग्रजैन रेंज, भोपास

सारीचा: 18-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1980 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वि०/ भोपाल -80-81/ 1520--श्रतः मुझें, कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथ्न तक्षीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्र/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मैंसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेकेंट्री श्री घनश्यामदास लक्कर, ग्वालियर। (अन्तरक)
- 2. श्री जगदीश चन्द पुत्र श्री घनश्याम दास नियासी ग्रोम मार्केट, नया बाजार, सश्कर, ग्वालियर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 धिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रमुस्ची

प्लाट नं० 23 क्षेत्रफल 1925 वर्गफुट स्थित सिन्धु विहार कालोनी, जय विलास पैलेस, ग्वालियर।

> कु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरोक्षण) प्रजंत रेंज, भोपाल

सारीख: 18-4-1980

माक्षरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1980

निर्देश सं० भाई० ऐ० सी०/एक्वि०/भोपाल-80-81/ 1521---श्रतः मुझे, क्व० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्री-रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2-8-1978

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- मैसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेक्रेट्री
 श्री घनश्यामदास, लक्ष्कर ग्वालियर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बन्सीघर पुत्र श्री द्वारकावास निवासी रामसिंह का बाग, लक्कर, ग्वालियर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षाहरताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्**थी**

प्लाट मं० 15 क्षेत्रफल 1750 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी जयविलास पैलेस, ग्वालियर।

कु० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आर्ष्ड टी० आर्ष्ड एन० एस०--

जायकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 मप्रैल 1980

निर्वेस सं० ब्राई० ए० सी०/एक्वि॰/भोपाल-80-81/ 1522-सत: मुक्ते, कृ० कां० राय,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्क परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

भौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (भौर इससे अपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 2-8-1978

करें पूर्वांकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरिम की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से ऐसे इत्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का का किया जाना का किया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. मैचर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेकेट्री श्री जनस्थाम वास लक्ष्कर, ग्वालियर। (अन्तरक)
- 2. श्री मर्जन दास पुत श्री रोमस वास रमधानी लाला का बाजार, लस्कर, ग्वालियर। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

न्यव्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

प्लाट मं॰ 12 क्षेत्रफल 1750 वर्गेफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जयविलास पैलेस, म्वालियर।

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल

तारीच: 18-4-1980

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 18 मप्रैल, 1980

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-8-1979

को प्रांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयागान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों अथित्:—— 5.—5601/80

- मैसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेकेट्री श्री घनश्यामदास, लग्कर, ग्यालियर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विशन दास पुत्र श्री असुदोमल सिन्धी, नया सर्राफा, दानावली, ग्वालियर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं० 31 क्षेत्रफल 2035 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जयविलास पैलेस, ग्वालियर।

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 मन्नैल, 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-8-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:—

- 1. मेसर्स शवकर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेकेट्री श्री घनश्यामदास, लश्कर, ग्वालियर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मदन लाल व श्री प्रकाश चन्द दोनों पुत्र श्री परमानन्द निवासी शक्कर कालोनी, नई सड़क, लश्कर, ग्वालियर। (श्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में रिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं० 3 क्षेत्रफल 1710 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जयविलास पैलेस, ग्वालियर।

> कृ० कां० **रा**य सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 भ्रप्रैल, 1980

निर्देश सं० ग्राई० ऐ० सी०/एक्वि०/भोपाल-80-81/ 1525--श्रतः मुझे, कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उबत अधिनियम कहा गया हैं), को थार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर किंदी जिए ज उनियत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर होने क्रियाद का पृक्षी में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रिक्रिकिट क्रिकिट के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रिकित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 2~8-1979

को पूर्वोदा कि ति हो उचित जाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के किए के किए के किए के गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का का कि कि जन्म संवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दिक्त को किए कि जन्म के एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिज्ञान से अविक है अविक जन्मरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से अवन अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा के लिए;

अतः अब, उवत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. मेसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेकेट्री श्री घनश्याम दास, लक्कर, ग्वालियर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री होतनन्द पुत्र श्री कोटमल सिन्धी निवासी वाक्षा बाई का बाजार लक्कर, ग्वालियर। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 भाग की अविधित करसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपान में प्रकाशन ही लारीण ने 45 विन को भीतर उक्त स्थावर निरित्त में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यवित व्याग कर्नेहरी की पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन सर्ची

ृष्लाट नं० 59क्षेत्रफल 1700 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लक्ष्कर, ग्वालियर। क्रु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायुक वायुकर आयुक्स, (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1980

निर्देश सं० श्राई० ऐ० सी०/एक्वि०/भोपाल-80-81/ 1526--श्रत: मुझे, क्र० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथानर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रज. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो खालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्न रूप में यणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, खालियर में रजिस्ट्री-रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुव किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ≠1, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:——

- 1. मैसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेकेट्री श्री घनश्यामवास शक्कर, ग्वालियर। (श्रन्तरक)
- श्री लखनलाल पुत्र श्री परमानन्द निवासी शक्कर कालोनी, नई, सङ्क लक्कर, ग्वालियर। (श्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स में 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति के हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वश्रीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

सनसर्वी

प्लाट मं ० 2 क्षेत्रफल 2100 वर्गफुट स्थित विष्णू बिहार कासोनी, जयविलास पैलेस, लक्कर, खवालियर।

> क्रु० को० **राव** सक्षम प्राधिका**री** सहायक ग्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाण

तारीख: 18-4-1980

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 म्रप्रैंल, 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्बि॰/भोपाल-80-81/

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकानी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर गंजीरित जिल्लामा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रक. से अधिक हैं

श्रौर जिस ही ं० प्लाउ है, तथा जो ग्वालियर में स्थित हैं (भ्रौर इससे प्याचड़ अनुसूत्री में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रिविचयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-8-1979

को पूर्वोक्त लंपिता के उन्तित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तिएत की नई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथानकित्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल लो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:——

- मेसर्स भक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेकेट्री श्री घनश्यामदास, लश्कर ग्वालियर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री टीकम दास पुक्ष श्री हन्दोमल निवासी चावड़ी भाजार लक्कर, ग्वालियर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा निमहेस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकारी!

स्पष्टीकरण: —- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं॰ 7, क्षेत्रफल 2170 वर्गफुट स्थित सिन्त्रू विहार कालोनी, जयविलास पैलेस, लक्कर, ग्वालियर।

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख: 18-4-1**980

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- एक अधीन सक्षम प्राध्कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इसपे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 2-8-1979

को पूर्णिकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिपल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का जिन्त बाजार मूल्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिएाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म. म, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:—

- 1. मेसर्स शक्कर गृह, निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेकेट्री श्री घनश्यामदास, लक्कर, ग्वालियर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री लक्ष्मण दास पुत्र श्री साधूमल सिन्धी निषासी 123, गांधी मार्केट, लक्ष्कर, ग्वालियर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पर्तित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पछ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जनसची

प्लाट नं० 37 क्षेत्रफल 1845 वर्गफुट स्थित **सिन्ध्** बिहार कालोनी, जयविलास पैलेस, ग्वालियर।

> कृ० कौ० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोपान

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भौपाल

भोपाल, विनांक 18 मप्रैल 1980

निदेंश संब्धाई० ए०सी०बी० एक्यू०/भोपाल 80-81/ 1529 मुझे, कु० का० रायु

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धात 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1979

को पूर्णांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः श्रम्ब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण में, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- मेसर्थ शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेकेट्री श्री घनण्यामदास, लक्कर, ग्वालियर। (धन्तरक)
- 2. श्री शिव कुमार पुत्र श्री होतूमल सिन्धी बाला बाई का बाजार, लक्कर, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पच्डीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट मं० 58 क्षेत्रफल 1700 वर्गेफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जयविलास पैसेस, लक्ष्कर, ग्वालियर ।

> कृष् कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, भोपाल

तारीख: 18--4--1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल, भोपाल, दिनोक 18 श्रप्रैल, 1980

सं० भाई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/80-81/1530—-भत: मुझे कु० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूकची में श्रौर पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन 2 प्रगस्त, 1979 को पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

 मेसर्ग शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेश्रेट्री श्री घनश्याम दाम, लक्कर, ग्वालियर।

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रभुदास पुत्र श्री राम चन्द सिंधी, निवासी 62, सुभाष मार्केट, लग्कर, ग्वालियर,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं 16, क्षेत्रफल 1750 वर्गफुट स्थित सिन्धू बिहार कालौनी, जय-विलास पेंसेस, लश्कर, ग्वालियर ।

> क्रुं० कांं० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जनरेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

सं० भाई०ए०सी०/एक्बी०/भोपाल/80-81/1531—यतः, मुझे कु० कां० राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर ने रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 अगस्त, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्सित व्यक्तियों अर्थात्:——
656—G1/80

 मैं० णक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेक्रेटरी श्री घनक्याम वास, लक्कर, ग्वालियर।

(भ्रन्तरक)

 श्री गोविन्द राम पुत्र श्री मोहन दास सिन्धी, निवासी राम सिंह का बाग, कम्पू, लश्कर, ग्वालियर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 42 क्षेत्रफल 2275 वर्ग फुट स्थित सिन्धू बिहार कालौनी, जय विलास पैलेस, लक्कर, ग्वालियर ।

> (क्रु०को०राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल ।

ता**रीख**ः 18 **भग्रेल,** 1980

प्ररूप धाई ० टी० एत० एस०-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 प्राप्तैल 1980

सं० स्नाई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/1532—यतः, मुझे कु० कां० राय,

आयकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर दूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्लवालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 2 श्रगस्त, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पेन्न स्वित्त सं श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उमत अधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— मैं० शक्कर गृहनिर्माण सहकारी संस्था, द्वारा संक्रेटरी श्री घनश्याम दास, लक्कर, ग्वालियर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ऊषा वेबी पत्नि श्री जगदीश कुमार, निवासी सरीका बाजार, लक्कर ग्वालियर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पटीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्राधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भृगृज्यी

प्लाट नं० 33 क्षेत्रफल 4750 वर्ग फुट स्थित सिन्धी बिहार कालौनी, जय विलास पैलेस, लक्कर, ग्वालियर ।

> (कु० कां० राय) सक्षम ग्रधिकारी, सहाय ह ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 18 भन्नैल, 1980

सं० भ्राई०ए०सी०/एक्बी०/भोपाल/80-81/1533---यतः, मझे कु० कां० राय घायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रुपए से मधिक है मूल्य 25,000/-भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (भीर इससे उपाबद ग्रन सूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में स्थित है (रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 2 प्रगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यपान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का **उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे** दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐन अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त प्रन्तरम निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिवितयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— मै० शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेक्रेटरी श्री घनश्याम दास लश्कर, ग्वालियर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नारायण दास पुत्र श्री सीवल दास निवासी 427 गांधी मार्केट, लक्कर, ग्वालियर ।

(ग्रन्तरिती)

उन्त सम्मत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजगत में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्परको हरगः -- - इतमें अपुत्रत शब्दों और पदों हा, जो उत्तत स्रक्षि-नियम के सम्याय 20 ह में परिभाषित है, कही सर्यहोगा, जो उस सम्बाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 44 क्षत्रफल 4750 वर्गे मुट स्थित सिन्धू बिहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लक्कर, खालियर ।

> (क्रु० कां० राय) सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोवाल

तारीख : 18-4-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, भोपाल

> > भोपाल, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1980

सं० माई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/1534---यतः मुझे कु० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूख्य 25,000/- क्या से मधिक है

श्रौर जिसकी सं ्रप्ताट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 2 श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधक है घौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के जिए तम पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरम निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उमत ग्रिध-नियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं. किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भ्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत्:— मै० शक्कर गृह निर्बाण सहकारी संस्था, द्वारा सेकेटरी श्री घनश्याम दास, लग्कर, ग्वालियर।

(भ्रन्तरक)

 श्री गोपी धन्द कुन्दन मल सिन्धी, निवासी, 76, गांधी मार्केट, लक्ष्कर, ग्यालियर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हिनबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, प्रधोहरताक्षरी
 के पास जिखित में किये जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं० 10 क्षत्रफल 1750 वर्गफुट स्थित सिन्धू बिहार कालौनी, जय विलास, पैलेस, लक्ष्कर, ग्वालियर।

> क्व० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 18-4-1980

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०—————— भायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायज्ञ ग्रायज्ञर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

सं० ग्राई०ए०सी०/एकवी०/भोपाल/80-81/1535—यतः, मुझे कु० कां० राय,

अन्यकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मिल, जिमका उचित्र बाजार मून्य 25,000/- क्ष्पए से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 2 ग्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घम्परक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिष्ठितियम, या घन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपान में सुविधा के भिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-म के प्रनुपरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-म की जपक्षारा (1) मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मै० शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था, द्वारा श्री घनश्याम दास , लक्कर, ग्वालियर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री दया राम पुत्र श्री ईंग्सर दास सिधी, निवासी 22, गांधी मार्केट, लश्कर, ग्वालियर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अपके पूर्वोक्त तम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इप सुनता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अश्रीहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिक्षित्यम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 8 क्षेत्रफल 1750 वर्गफुट स्थित सिन्धु बिहार कालौनी, जय विलास पेलस, लक्ष्कर, ग्वालियर ।

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायक्तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-खा(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जेन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 प्रप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 80-81/1536----प्रतः मझे कृ० कां० राय,

ग्रतः मुझे कु० कां० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की <mark>कारा 269-ज के प्रश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह</mark> विस्तान करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उत्रित बाजार मृत्य 25,000/- रु०से अधिक 🕻 ग्रौर जिसका प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-8-1979 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर अन्त-रिति (प्रन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धिवियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- मैंसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेकेटरी श्री घनश्यामदास लक्ष्कर, ग्वालियर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मूल चन्द पुत्र श्री सुगनामल सिन्धी निवासी खुजवाला मोहल्ला, दौलतगंज, लक्ष्कर, ग्वालियर। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्वीकरण:---इसमं प्रपुक्त गञ्दों और पदों का, जो ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 35, क्षेत्रफल 1750 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लक्कर, ग्वालियर

> कु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाज

तारीख : 18-4-1980

प्रकप शाईक टीक एनक एमक----

आयहर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यां नय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 धप्रैल, 1980

निर्देश सं० ग्राई० ऐ० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1537— ग्रतः मुझे क्र० का० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकार की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूस्य 25,000/-रुपये से ग्रधिक है

श्रीर जिसका प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 2-8-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के पृक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास

प्रतिफल के लिए अरुतरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिषित बाजार मूल्य, उसके दृश्त्मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, सयपाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से बुई किसी श्राय की बाबत उक्त स्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों कौ, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--

- मैसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा सेक्रेटरी श्री घनश्याम दास, लक्कर, ग्वालियर। (ग्रन्तरक)
- श्री परमानन्द पुत्र श्री उद्धवदास किराना मर्चेन्ट, माघोगंज, लक्कर, ग्वालियर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के भन्नेन के सम्बन्ध में कोई भी भाशेपः---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इन सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर उत्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य अवित द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्म्बदोकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दो घौर पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस मन्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 21 क्षेत्रफल 1924 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जय-विलास पैलेस, लक्कर, ग्वालियर।

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्रकृष आई० टी० एन० एन०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1980

निर्देश सं० ग्राई० ऐ० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1538---मतः मुझे, कु०कां० राय आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है किस्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इ॰ मे अविक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 18-8-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मध्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भग्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित छद्देश्य से उनत अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए ;

भता भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त पश्चिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री बी० श्रार० एस० कुणवाह प्राफिस इन्वार्ज, बसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, ग्वालियर। (अन्तरक)
- 2. श्री गोपाल सरन पुत्र श्री भोला सरन दुवे द्वारा सूर्यं ट्रान्सपोर्टे कं० दाल बाजार, लक्कर, ग्वालियर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

एकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तिकों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

क्यब्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त छछि-नियम', के भश्याय 20-क में परिमाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 3998 वर्गफुट स्थित सिन्धिया कन्या विद्यालय, लक्ष्कर, ग्वालियर।

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्रका चाई•टी•एन•एम•---

आयकर बबितियन, 1961 (1961 का 43) की आदा 269-व (1) के सकीत सूचना

चारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 1980

निर्वेश सं॰ घाई॰ ऐ॰ सी॰/एक्बी/भोपाल 80-81/1539---मतः मुक्ते, कु०कां० राय गायकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से प्रधिक है भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (भीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 23-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के र्जचत बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रस्तरित की गई है भीर मुझे वह विश्वात करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके बुक्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुक्यमान प्रतिकल का पल्डह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा पमा प्रतिकल, निम्मलिश्वित उद्देश्य से उक्त धस्तरण सिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अल्परण में हुई किसी आय की वावन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रकारक के दायित्य में कमी करने या उससे यमने में सुविक्षा के निष्; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त धिविनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त धिविनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों प्रवॉत्:--7—56G1/80

- 1. श्री बी॰ भार॰ एस॰ कुशवाह भाफिस इन्चार्ज बसन्त बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, ग्वालियर (भन्तरक)
- श्रीमती प्रेमलता पत्नी श्री वीरेन्द्रसिंह कोतवाली सेन्टर मुरार, ग्वालियर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्वाध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी धर्वाध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किये जा सकेंगें।

स्पक्शेकरण:--इसमें प्रयुवन शब्दों भीर पर्यो का, जो उपत भिष्ठित्यम के भ्रम्पाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्च होगा जो उस भ्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं॰ 21बी॰ क्षेत्रफल 6000-वर्गफुट स्थित सिन्धिया कन्या विद्यालय, लक्ष्कर, ग्वालियर।

> कृ० कौ० राय सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि**री**क्षण)** शर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43**) की धा**रा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर स्नायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 धप्रैल 1980

निर्देश सं० श्राई० ऐ० सी०/एक्बी/भोपाल 80-81/1540---श्रतः मुझे, कृ० कां० राय,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्गत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है,

श्रौरा जसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 9-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रोर मुझेयह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक हैं और अन्तरक (प्रन्तरक)ं) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी उसके या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिपामे में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव, उवत प्रधितियम की धारा 269-ग के मृतुसरण में, मैं, उक्त अधितियम की धारा 269-च की उपद्यारा(1) के प्रधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रीमती पान बाई पत्नी स्थ० श्री सन्तोक सिंह छपरेन गंज, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी राज कुमारी जायसवाल पुत्री श्री बसन्ती लाल 644, भरतीपुर जबलपुर।

(भ्रम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जी उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

अमुसुघी

मकान न ० 69, 70 व 71 का भाग स्थित प्लाट नं० 5/12 प्रमनगर, जबलपुर।

कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्र<mark>जंन रेंज, भो</mark>पाल

तारीख: 18-4-1980

मोहर ।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 मप्रैल 1980

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उनन भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रयोन नजन गायि गारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

मौर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 9-8-1979 को पूर्वोक्त पंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए श्रान्तरित की गई है और भुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत श्रिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफत का तिम्नितियों उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक कुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीर श्रायहर पश्चिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त अश्चिनियम, या धन-कर श्रश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या हिया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रनः प्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्न ग्रधिनियम की श्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रथीतु:—— श्रीमती पान बाई पत्नी स्व० श्री सन्तोक सिंह उपरेन गंज, जबलपुर

(ग्रन्तरक)

2ू श्रीमती मुभद्रा देवी परनी श्री बसन्तलाल जायसवाल निवासी 644, भरतीपुर, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूवता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूवना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूवना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी हरण:--इसमें प्रयुक्त सभ्दों ग्रीर पदों का, जो खक्त ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंकान नं० 69, 70 व 71 का भाग स्थित प्लाट नं० 5/12 प्रेम नगर, जबलपुर।

कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 मंत्रैल, 1980

ष्ट्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संग्रित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राचीन 9-8-1979

1908 (1908 का 16) के अधीन 9-8-1979
को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निमालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से किंचत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर्
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रस्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्तर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के, प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:— श्रीमती पान बाई पत्नी स्व० श्री सन्तोक सिंह, उपरेन गंज, जबलपूर।

(भ्रन्तरक)

 श्री बसन्त लाल पुत्र श्री हुब्बी लाल निवासी 644, भरतीपुर, जबलपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य उपिकत द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्धी करण:-इनमें प्रगुक्त सन्दों ग्रीर नदों का, जो उक्त सिधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकाम न ० 69, 70, व 71 का भाग स्थित प्लाट न ० 5/12, प्रेमनगर, जबलपुर।

कृ० को० राय सक्षम मधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, मोपास

तारीख: 18-4-1980

त्रकप साई• टी• एत• एस•-----

बायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

निर्देश सं० माई० ऐ० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1543

— मृत: मुझे कु० को० राय आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्वात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिनिय सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृश्य 25,000/- ४० से भिन्न है

और जिसकी स॰ फैक्ट्री शेड है, तथा जो देवास में स्थित है (भौर इससे उपबद्ध अनुसूची में और पुर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1979

को पूर्वोशन सम्पन्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के वृष्यमः न प्रतिक्रण के सिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिक्रत अजिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (यन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया नया प्रतिफल, निम्नकिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाकाविक रूप से किखत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरच ते हुई किसी आय जी वावत क्वत विधि-मियम के सबीन कर देने के सम्तरक के तायित्व में कमी करने या सससे वचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधनियम या धन-कर अखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था, या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिसे;

अतः ध्रव, उकतं अधितियमं की घारा 269-गं के धनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं, की धारा 269-गं की खनवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री शिशिर कुमार पुत्र श्री किशन राव विदवई निवासी 18, खारी बावड़ी मार्ग, न० 1, देवास ।

(मन्तरक)

2. मेससे चमुन्डा लीक्सीड भाइल मिल द्वारा प्रो० श्री प्रभाकर पुत्रश्री दामोदर माहोतकर निवासी 1, बरकत ग्रली मेन्शन, मिलारोड, देवास।

(भन्तरिती)

को यह भ्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

खनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाय र की तारी खा से 4.5 विन की अविधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, सक्षीह-नाक्षरी के पास विश्वित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के घड़पाय 20-क में परिभावित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला फैक्ट्री शेड क्षेत्रफल 7600 वर्गेफुट स्थित ऐ० बी० रोड, देवास।

> कृ• को० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त, (निरीक्षण) घर्जन रेंज, घोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्रक्र आई० टी० एन० एस० ----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1980

निर्देश स० श्राई० ऎ० सी०/एम्बी/भोपाल 80-81/1544---श्रतः मुझे कृ० कां० राय

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 31-8-1979 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन छहेश्य मे उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या जिमी धन या त्राय्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, ग्रंब, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-ग के झनुसरण में में, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत्:—

- 1. श्री परमानन्द पुत्र श्री सुमेरमल कुकरेजा निवासी 132-वी, सिन्धी कालोनी, उज्जैन।
 - (ग्रन्तरक)
- श्री श्रवण कुमार पुत्र श्री राधा किशन हिन्दुजा 162, पालसीकर कालोनी, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवता जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की प्रविध या तरसबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त धिवितयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, त्रो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 31 का भाग क्षेत्रफल 3760 वर्गफुट स्थित पाल-सीकर कालोनी, इन्दौर।

> क्ट्र० कां ० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 18-4-1980

प्रकप भाई० टी० एत० एस०-------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, विनांक 18 श्रश्रैल 1980

निर्देश सं० प्राई० ऐ० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1545----मतः मुझे कृ० कां० राय

ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

ष्मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम मंगलिया में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 10-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रीर मुग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से ग्रधिक है भ्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई िकमी आय की वाबन, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 289-ग के ग्रनुमरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्रर्थीन :-- डॉ॰ (श्रीमती) हरबाला पत्नी श्री मदन लाल घई, निवासी 40/2, न्यू पलासिया, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

 (1) श्रीमती प्रेमलता पत्नी श्री मनमोहन चन्द मेहता
 (2) श्रीमती शोभा पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार मेहता निवासी "दीप", 4, डॉ॰ रोशन सिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्रावीप:--

- (क) इप पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्मिक्तयों पर पूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्ही करण:--इमर्ने प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा न० 276 रक्खा 10.12 एकड़ साथ दो कुएं स्थित ग्राम मांगलिया तहसील सविर जिला— इन्दौर।

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्रकप साई० टी०एन० एस०~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 मप्रैल 1980

निवेश स॰ माई॰ ऐ॰ सी॰/एक्बी/भीपाल 80-81/1546 ---मतः मुझे, इ॰ कां॰ राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंछे इसमें इस हे पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-चा के प्रवीत सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उच्छि बाजार मूख्य 25,000/-य० से पश्चिक है

गौर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (शौर इससे उपबंद प्रमुख्नी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के रिता बाचार मूहण से कम में बुण्णजान जरिकल के जिल पर्निति की गई है और मुझे यह बिक्वास करने का कारण है कि पंचापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूहण, उसके बुक्यमान प्रतिकल में, ऐसे दुष्यमान प्रतिकल का पण्यह प्रतिश्व अधिक है और प्रतर्क (अगरकों) और प्रकरिती (अन्दिर्शियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रतिक का निम्निजिब्द उद्देश्य से जन्द प्रस्तरण लिखन में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की नावत उपत सकि-नियम, के सधीन कर देने के सन्तरक के पाबित्व में कमी काले पा उपसे प्रवी घें मृतिया के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण वा या किया जाना चाहिए या, क्रियाने में सुविधा के शिष्ट:

श्रतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, अधीत्।—

- 1. श्रीमती कलावती देवी पत्नी श्री कल्लू प्रसाद मार्गव निवासी 6/143 घरेश कालोनीय, भोपाल, इन्दौर। (ग्रन्सरक)
- श्रीमती दादम बाई पत्नी श्री बसन्ती लाल जैन निवासी 48/1, बजाज खाना इन्दौर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियों करता है।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविधि, को भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इत मूचना के राजर व में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

क्पक्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, हो उक्त अधिनियम के घड़याय 20-क में परिमाणित है, बढ़ी अर्थ होगा, जो उस घड़याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिले मकान का भाग स्थित प्लाट नं० 2/7, महेश नगर, इन्दौर।

> क्व० को० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 श्चर्पेल 1980

आ। वकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रीधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (स्रोर इससे उपाब अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 29-8-1979 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रश्वरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पश्तह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरल (भग्तरकों) भीर भग्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में धास्तियक हम में क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्त सिवित्यम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उका मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अम्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: →-8---56GI/80

1 श्रीनती हन वनी देनी पनी श्री भल्लू प्राप्त पार्व तिनसी 6/143, प्ररेश हालोनी, भोगाल ।

(ग्रन्तरवः)

2 श्रीनिती पुत्र राज बार्ड पत्नी श्री निर्मलकुमार निष्ठामी 44/1, बनाज खाना, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबना के रावपन में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, सधो रूस्ताक्षरों के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पब्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जबत प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी बर्ष होगा, को उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दो मंजिले महान का भाग स्थित प्लाट नं० 2/7, महेश नगर, इन्दीर।

> छु० वा० राग सक्षय प्रधिकारी, स**हा**यक श्रायक**र श्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंज, भोषाल ।

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-------

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारा सरकार

कार्यालय, सहायक आयहर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्बी/भोपाल 80-81/1548 म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरूय 25,000/-रुपये से श्राधिक है श्रौर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे खपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पुर्ण ने वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ये: श्रधीन 29-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह त्रिश्ताम करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्यति का उचित बानार मूल्य, उनके दुश्रमान प्रतिफन से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है स्पीर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के धीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िक्सी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधितियम, या धतकर श्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छियाने में सुविधा के लिए;!

भ्राः, अत्र, उक्त प्रतिनिष्ण की धारा 269-ग के भ्रतु-सरण में, में, उक्त भ्रतिनिष्ण की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रतीत निम्तिनोजा व्यक्तियों, प्रशीन :--

- 1 श्रीमती कलावती देवी पत्नीश्री कल्लू प्रसाद भार्गव निवासी ई-6/483 ग्रारण कालोनी, भोपाल (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राजेन्द्र सुमार पुत्रश्री बसन्ती लाल निवासी 48/1, बनाज खाना, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.ग सूवना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-रु में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

दो मंजिले मधान का भाग स्थित प्लाट नं० 2/7, महेश नगर, इन्दौर।

> हु० कां० राय सञ्जम प्राधिकारी, सहाय रु आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, भोपाल

तारीखाः 18-4-1980

मोहर.

प्रकृप धाई• ही• एत• एस•----

ग्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269-च (1) ने ग्राप्तीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल,दिनांक 18 श्वप्रैल 1980

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्बी/भोपाल/80-81/1549 —-भ्रतः मुझे, क्व० कां० राय,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रूपये से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (भीर इससे जपाबदा अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरित अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिला है जोर मुक्य से कम के दृश्यकान अतिकल के लिए भग्तरित की नई है भीर मुझे सह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मूक्य, जसके दृश्यमान अतिकल से, ऐसे दृश्यमान अतिकल के पग्दह अतिशत से मधिक है और मन्तरक (भग्तरकीं) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकल, निम्तलिखित उद्देश्य के उक्त भग्दरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उनत भ्रिष्ठितयम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर धांधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धांधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः स्वतं, स्वतं प्रधिनियमं भी धारा 269-म के धनुसरन में, में, उनतं प्रधिनियमं की घारा 269-म की उपदारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पिन्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री चन्द्रकान्त वीं विनचुरवर पुन्न श्री विश्व नाथ विनचरकर, बीं विशेष एफ० स्टेट, जबलपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विनोद कुमार व्यास पुत्र श्री सालिगराम व्यास निवासी सिविल लाइन, जबलपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध म कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध. जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा घष्ठोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हपड्टीफरण: - इसमें प्रयुक्त गन्वों भौर पदों का, जो उक्स प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रथं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 377 व 377/1 स्थित पार्ट ग्राफ प्लाट नं० 7/1 बनाक नं० 23, साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

स्रायक्तर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-घ (1) के स्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोगाल, दिनाक 18 म्रप्रैल, 1980

निदेश सं० भ्राई० ऐ० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1550--

श्रतः मुझे कु०कां० राय ब्रायहर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें डनके पश्वान् 'उका प्रश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्**थावर सम्पत्ति, जिसका उचित** मूल्य 25,000/- रुपए से भाधिक है ग्रीरजिसकी सं० मकान है, तथा जो विलासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय विलासपुर मे रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 23-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमात प्रतिफल से, ऐसे दण्यमान अतिकत का पन्द्रह प्रशिशन से प्रधिक है भीर अनरह (प्रतारहों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशा से उका अन्तरण निज्जित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गना है।

- (क) अनारण य हुई कियी स्नान की बावन उक्त स्निध-नियम के अधीन कर देने के सन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

ग्रतः श्रव, उसत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-नरण में, भैं, उसत प्रधिनियम की ग्रारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :--- श्री (1) सोहन लाल (2) राधेश्याम (3) सीताराम सभी श्री पूरन मल श्रग्रवाल (4) श्रीमती श्रशरफी बाई विधवा पत्नी श्री पूरन मल श्रग्रवाल सभी निवासी ग्राम बैहल गाना, विलासपुर।

(श्रन्तरकः)

 श्री नरेश कुमार वश्री राजेश कुमार दोनों पुत्र श्री द्वोरका प्रसाद निवासी सदर बाजार, विलासपुर। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेत्र:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सुवना के राजग्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धी हरण: --इनमें प्रयुक्त गाव्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान माथ भूमि स्थित मसान गंज लिक रोड, बिलासपुर

कृष्ण कांण राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीखा: 18-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 प्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ग्राई०ऐं०सी०/एक्की/भोपाल 80-81/1547---ग्रंतः मुझे, कु० कां० राय

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्ष्पए से भ्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान है, तथा जो बिला सपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्व अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बिला सपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 3-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिन मियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः भ्रम, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के म्रानुसरण में, मैं, उन्त मधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के धिमान, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत्:--- 1. सर्वश्री (1) सोहन लाल (2) राधे क्याम (3) सीता राम सभी पुत्र श्री पूरन मल अग्रवाल (4) श्रीमती श्रगरफी बाई विधवा पत्नी श्री पूरनमल अग्रवाल निवासी ग्राम~-बेहलगाना, बिलासपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री नरेण कुमार व श्री राजेण कुमार वोनों पुत्र श्री द्वारका प्रमाद निवासी सवर बाजार, बिलासपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त अब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महान माथ भूमि स्थित ममान गंज लिंक रोड, बिलासपुर ।

कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

तारीब: 18-4-1980

प्रकृष माई• टी• एन• एस०----

थायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मार्च 1980

निर्देश नं० ए० सी० नं० 2079—यतः मुझे बी० एस० विह्या आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका चित्रत बाजार

म्र**ल्य 25,000/- व० से प्रधिक है**

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामा मन्डी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय तलवन्डी साबो में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16) के अधीन तारीख 4-9-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृथ्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृथ्यमान प्रतिफल का पत्थह प्रतिश्वत से ग्राजिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्त-रितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निजिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त शिवितियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना आहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः, अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् ।—-

- 1. श्री कुन्यन लाल, हंस राज दुनी चन्द सपुत्र शम्बु राय सपुत्र तुलसी राम वासी, राजा मंडी जिला भटिंडा। (ध्रन्तरक)
- 2. श्री राज फुमार पुत्र हनत राम पुत्र गंगा राम 2. मनसा देवी पत्नी हनत राम 3. नन्द लाल हनत राम निवास देवकी नन्दन सपुत्र विशम्बर लाल पुत्र श्री राम रतन वासी रामन मण्डी जिला भटिंडा

(ग्रन्सरिती)

- जैसा कि नं० 2 में है
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूत्रोक्त समाति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता है।

वक्त सम्पान के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की धारोख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से .30 दिन की श्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से
 45 दिन के भीतर छन्त स्थावर संपत्ति में हितक क
 किसी अन्य व्यक्ति कारा श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 म किए जा सकेंगे।

रपब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त गर्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित्रहै, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2141 दिनांक 4-2-79 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी तलवन्डी साबो में लिखा है।

> बी० एस० वहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-3-1980

प्ररूप आइ र . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 मार्च 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2080—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियक 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूधी में लिखा है तथा जो मकान बी 12-182 हरिन्द्र नगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीवकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, सारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, वा धनकर अधिनियस, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

 श्री रनजीत सिंह पुत्र ग्रमर सिंह वासी गांव झरीवाला जिला फरीदकोट।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती हरप्रीत कौर श्रौर गुरप्रीत कौर पुत्री श्री दलजीत सिंह वासी 21-बी० सराभा नगर लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

3. जसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके भाधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखताहो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जयिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्ष्री के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जैसा कि विलेख नं०: 2718 दिनांक 30-11-79 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स, (निरक्षिण) भर्जनरेंज, जालन्धर

तारीख: 19-3-80

प्रकृप आई, दी. एन. एस.~--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 मार्च 1980

निवेश नं० ए० पी० नं० 2081—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोठी नं०: 577-एल माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 31-8-1979

को प्रांवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथतु नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुण्यिश के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 न के अनुसरण. में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- श्री तरलोक सिंह बिन्वरा पुत्र ध्रतर सिंह बिन्वरा वासी मकान नं० 577-एल० माडल टाऊन जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रमर जीत सिंह पैनटल पुत्र मरवन सिंह वासी मकान नं० 577-एल० माडल टाऊन जालन्धर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भा आक्षपं:----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक⁷गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्यी

जैसा कि बिलेख ने० 4408 दिनांक 31-8-79 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> बी० एल० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, जालन्धर

लारीखाः 31-3-1980

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भिर्मियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भयीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 5 म्रप्रैल 1980

निकेस नंग ए० पी० नं०: 2082—यतः मुझे बी० एस० दक्षिया

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित व जार मूह्य 25,000/- क से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० जैसा कि मनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाऊन फगवाड़ा में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में मौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा घिषकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 16-10-79

कों पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, इसकें दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और भन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तर पाथा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका धन्तरण निखा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है : --

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या निसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाष-कर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग सर्व प्रतिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः भव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

9—56GI/80

1 श्री ज्ञान सिंह पुत्र शेरसिंह फगवाड़ा

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री ग्रविनाश चन्द्र पुत्न श्री केंवल कृष्ण, जगदीश राय पुत्र केंवल कृष्ण, केंवल कृष्ण पुत्र गुरदास मल वासी ए/2 भाडल टाऊन फगवाड़ा। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पक्षि में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रशासन की तारी का ले 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीखर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षणे के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधितियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं ः 1343 दिनांक 16-10-79 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5-4-1980

प्ररूप आर्ड. टी. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर,दिनां ह अप्रैल 1980

निवेश नं ० ए० सी० नं ०: 2083---यत मुझे, बी० एस० दहिया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की जार 269- इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित् शिन्यका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो 3-बी० माडल टाऊन फगवाडा में स्थित है (भीर इससे उपावह भ्रनसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), पिरट्रीय ती श्रीधवारी के वार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीव रण श्रीधनियम, 1908 (1908 वा 16) के भ्राधीन, तारीख 28-9-1979

को पृष्णिकत संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) यो प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने मो स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उण्धारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

- 1 श्री निरजनिमिह पुत्र श्राम। मिह 3-वी, माङल टाऊन फगवाङ्ग (श्रन्तरक)
 - 2 श्री मरजीत सिंह पुत्र ारनैल सिंह सिमर कौर पत्नी जरनैल सिंह वासी गांव नंगल खेड़ा फगवाड़ा। (ग्रन्तरिक्षी)
 - 3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह ष्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी जाक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निलित में किए जा सकरेंगे।

स्थम्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं०: 1243 दिनांक 28-9-79 को राजस्टीतार्ना ग्रधिकारी फगवाडा ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया **सक्षम प्राधिकारी** सहासक द्यायकर द्या<mark>युक्त (निरीक्षण)</mark> श्रुजैन रेंज, जो लन्ध र

तारीख: 5-4-1980

प्ररूप आई ० टी ० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांकः ८ मप्रैल 1980

निदेश नं० ए० सी० नं०: 2084---यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जैसा कि सनुसूची में लिखा है तथा जो गल्ली बागवाली मुक्तसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिवरी के

कार्यालय मुकतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके रृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखितु व्यक्तियों अर्थातु:—— 1 श्री जसराज पुत्र तुनशी राय पुत्र हीरा सिंह द्वारा सुदर्शन कुमार पुत्र जसराज पुत्र गोपी राम वासी मुक्तसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री खरैती लाल पुत्र कौर चन्द पुत्र वसी लाल, 1543, गल्ली बागवाली मुक्तसर

(ग्रन्तरिती)

3 जैमा कि सूची नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिस श्रिधभोग में सम्पत्ति है

4. कोई व्यक्ति जो जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

जायदाद जैसापिक विलेख नं०: 1652 तिथि 20-8-79 जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) श्र**जं**न रेज, जालन्धर

तारीख: 8-4-80

प्ररूप आर्घ. 'टी. एन. एस. --

भासम्बद्धः मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रेर्णन रेंज, जॉलन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 म्रप्रैल 1980

निदेश नं० ए०पी० नं० 2085—यतः मुझे बी० एस० चंहिया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ह

ग्रोर जिनकी सं जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गवर्नमेंट कालेज रोड होणियारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपादड़ अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजर्स्ट्रील अधिकारी के कार्यालय होणियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिकिरम 18(8 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 23-8-80

को पूर्वाकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्धेरिय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कि बत में ही किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 'या धन-कर अधिनियम, '1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियाँ अर्थात्:—

- श्रीमती हैंशर कीर विश्ववा गरदित सिंह पुत्र शिव दयाल अनिस वजीरा नासी प्रेम गढ़ स्ववृत्ती हो जिल्हारपुर (भ्रन्तरक)
- श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी महगांसित पुत्र हरी राम गांव नंगल फरीइशीष्ट पी० एस० टाङा (अंतरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं में है (वह व्यक्ति, जिनसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पक्ति में इचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हित्तबढ़ है)

को चह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध को लाहि भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती -हो, को असितर अपूर्णका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्रक्ताः
- (ख) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख को 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में शिक्त- क्व्य विसी अन्य स्थावत वृतारा अधनेक्स्ताकारी को पास लिखित में फिए जा सकीये।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उपछ जीशिनसमा है आध्याय 20-क-मों पद्मिशाविक ्है, अही-अर्थ-होना जो उस-अध्यक्ष्य-मों विया नयान्है।

अनुसूची

जायदाद जैमा कि विलेख नं० 2423 तिथि 23-8-79 जो कि रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी होशियारपुर ने खिला है।

बी० एस• दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-4-80

प्रक्य वार्ह . टी. एस. एस.-----

बायकर अपितियस, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक १ म्रप्रैल, 1980

निदेण नं० ए०पी० 2086—यतः मुझे बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दूसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम आधिकारी को, यह विश्वस करने का कारण हैं कि स्थायर संपंतित जिसका उंचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं व जैसा कि अनुसूत्री-में विखा है- तथा जो-सवर्नमेंट कालेग रोड-होशा तस्पुर में स्थित है (बौर इससे उपावत अनुसूत्री में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, तारीख 21-8-1979

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कह के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे ग्रह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क्त) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेंसी 'किसी जाय या किसी धन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय जनपकर जनिवित्यण, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा उक्ते लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः--- ा श्रीमिती क्रियार काँर विधवा मुख्दीत सिंह पुत्र शिव दयाल उर्फ बाजीरा वासी गड़ मृतिहरी होशियारपुर

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री सुखजिन्दर सिंह जसविन्दर सिंह हरविन्दर सिंह सपुत्र महिंगा सिंह वासी नंगल फरीद तहसील होशियारपुर (ग्रन्सरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

जो ब्यंक्ति सम्पत्ति मैं कचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्पना आपरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्फन के चिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोपः ल−

- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध . बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुनर्ज़का व्यक्तियों में से किसी क्यक्तित: दूकारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स्ये 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

र जैसा कि विलेख नं० 2393 दिनां र 21-8-79 को रजिस्ट्री-कर्ता ऋधिकारी जासन्धरने सिखा है।

> बी० एस० दिह्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जनरेंज, जासन्धर

,ता**रीख** : 9-4-80

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मप्रैल 1980

निदेश नं० ए०पी० नं० 2087—यतः मुझे, बी० एस० ब्रह्मिया

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिनकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा लो गवर्नमेंट कालिज रोड होशिया रपुर में स्थित है (श्रौर इनसे उपादक अनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याचय होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1868 (1908 का 16) के अधीन, 10-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्सह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवय से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. श्रीमती ईशर कौर विधव। गुरिक्त सिंह पुत्र किय दयाल उर्फ वजीरा वासी, प्रेमगढ़ सुतीहरी होशिया २पुर । (अन्तरक)
- श्रो गाँगा सिंहपुत्र हरी राम गांव नंगल फरीद तहसील होशियारपुर। (भ्रन्तिरती)
- 3. औसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 - (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बड काकित जिलके लारे में सम्पेस

(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हाझील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2241 दिनांक 8-8-1979 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी होणियारपुर ने लिखा है।

बी० एस० दिह्या सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-4-1980

माहेर:

प्रकार भाईक ही। एस। एस।---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय जालन्धर, विनांक 10 भन्नेल 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2088—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्वात् 'उना अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जमासि, जिसका उनित्र आजार मुख्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (भ्रौर इससे उपायन भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27 भगस्त 1979

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाल करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके र यमान प्रतिफल सं, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल के प्रम्बह प्रतिक्ष में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रान्तरिक्षी (अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राज गया प्रतिकल, निम्नविखा उद्देश्य प उका प्रत्यम्ण विश्वित में अपन-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) ग्रम्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिप्त-नियम के ग्रश्नीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिख में कबी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स्) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अस्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या प्रनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनाथ अन्तरिती कारा प्रकट नहां किया गया या प्राफ्तया जाना चाहिएया, क्रिस्त में मुकिस

पत सक, उबत अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम को घारा 209-व की उपधारा .(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत:--- भी मनोहर लाल उर्फ मनोहर सिंह पुत्र सरबान सिंह सी०-6/127-श्री लाग्नेस रोड नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री बाल कृष्ण पुत्र भोला राम मार्फत भोला राम परमा नन्द रेलवे बाजार भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भंपत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त अम्पन्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपात में प्रकाण की तारीख से 45 दिन की अविधि का तस्यंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वांध, जो भी धर्वांध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्यक्तीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के श्रव्याय 20-क में रिस्थाधित है बही प्रयं **होषा जा उ**स शब्दाय में दिया गया है ।

(गुस्च)

जैसा कि विलेख नं० 2753 दिनांक 27-8-1979 का रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी, भटिण्डा में लिखा है।

> बी० ए**स**० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहाय र श्रायक र श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-4-1980

प्ररूप आर्द्द. टी: एम: एसः -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज, जालन्त्रर

जालन्धर, विनाक 10 मर्त्रैल 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2089---यतः, मुझे बीक एसक

दहिया

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावस ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में, विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिप्टिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिप्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राघीन, तारीखा 30 ग्रास्त 1979

को पृथांकतं संपित्तं के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षतं कि निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दखने में सृविधा के लिए; और/या
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधः के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुक्रारण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री मनोहर लाल जर्फ मनोहर सिंह पुत्र सरवन सिंह सी०-6/127-सी लारेंस रोड, नई दिल्ली।

(धन्तरक)

 श्री शाम सुन्दर पुत्र भोला राम मार्फत मैसर्स भोला राम परमा नन्द, रेलवे बाजार, भटिण्डा।

(ग्रन्तरिती)

3. श्री /श्रीमती/कुमारी जैसा कि उत्तर मं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री शिमती कुमारी औं व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पर्कि में हितवद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.---

- हत सूचका को राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पद सूच्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्परहोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची-

जैसा कि विलेख नं० 2799 दिनोक 30-8-79 की रजिस्ट्री-कर्ता भिक्षकारी भटिण्डा में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) अर्जन र्रेज, जालन्धर

तारीच: 10-4-80

माहरः

मक्स बाई० ही। एवं। एकः

पायकर प्रजितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ध्रजीत सूचता धारत सरकार

नधमीयम, सहायक अ।यक्तर मानुनत (निमीक्रण)

मर्जन रेंज जालन्वर कार्यालय

जालन्बर, दिनांक 10 भ्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2090—यतः मुझे बी० एस० व्यक्तिमा

आएक इक्क किनियम, 1941 (1961 तम 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्हें अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मंत्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर बंपति जिपका उवित जाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो नाम देव नगर भटिण्डा में स्थित है (भौर इससे उपावस अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भविकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, सारीखा 29 भगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपन्ति के उजिला माजार मुख्य से सम्य के बृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रकारित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है जि यद्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार सृश्य, उसके कृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह मिलात से मध्यक है और क्ष्यारक (अग्वरकों) धीर प्रन्तरिती (प्रश्वरितिषीं) के बीप ऐसे उन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकत तन निन्ति में वास्तविक स्व निन्ति में वास्तविक स्व ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सम्बन्ध वे हुई क्रिक्री मान की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के शायिएक में क्रमी करने या उसमे बचने में नुविधा के तिए; प्रौर/मा
- (ख) ऐसी किती आय या किसी घत या अन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिविवयम, 1922 (1922 का 11) स्त उन्त धिविवयम, या धन-मंग श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए का, कियाबे में ग्रिक्श के लिए;

श्रव, क्रव, क्रव, यश्चितियम, क्षी आरा 269-व ने धनुसरण में, औं, जरन प्रश्चितियम की बारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्निजिकित व्यक्तियों, प्रचीत्। क्रव 10—56GI/80 श्री हरनेस सिंह मुत्र धर्म सिंह टैलर मास्टर वासी नाम देव मगर भटिण्डा।

(ग्रन्सरक)

- श्री बुटा सिंह पुत्र राम सिंह सपैसल ए० ग्रेड डराईवर रेलवे मकान नं० 627 बी० माम देव नगर भटिण्डा। (श्रन्तरिती)
- श्री/श्रीमती/जुमारी जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह क्यक्ति, जिसके प्रतिक्षतेण में सम्पत्ति है)
- श्री/श्रीमती/कृमारी क्रो व्यक्ति सम्पति में कृषि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में झश्चोहस्ताक्षाश्चारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसकत है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मन्ति के कर्जन के तन्त्रभव में कोई भी कासीप:---

- (ह) दम श्रुवना के राजातक में प्रकाशन की तारी का है 45 दिन की भवित्र या तक्शन्वन्छी स्थानित में पर सूक्त का की तामीन में 30 दिन की प्रवित्र, जो भी भवित्र का के ने नमान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्या कि नमों में से किसी क्यांकित कारा;
- (ख) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मीतृर तक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-त्रह किसी ग्रम्य क्यक्ति द्वारा श्रक्तोझ्ट्वाक्षकी के पाम निकात में किए जा सकेंगे।

श्ववद्योत्तरगः ---इसर्ने प्रश्नुस्त शब्दों भीर पर्दो का, जो खक्त अधिमिश्रम के भव्याय 20-क में पश्चिमाचित हैं. बही सर्व होमा मो उस शब्दाय में दिया स्था है।

धनुसूऋी

जैसा कि विलेख गं० 2683 दिनांक 2.0-8-79 को स्टिक्ट्रोकर्ता स्रिकारी अटिक्ट्रा में लिखा है।

बी० **एस० दहिया** सक्तम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

कारीब : 10-4-1980

प्ररूप् आइरैं० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज, जालन्धर

जालम्बर, दिनांक 14 मप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2091---यतः, मुझे, बी० एस० विद्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रू० से अधिक है।

भौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरयला में स्थित है (भौर इससे उपावद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कपूरयला में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 6 धगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (-1) के अधीन निम्नितिस्त व्यक्तियों अर्थातः --

 श्री कंवलजीत सिंह पुत्र जसवंत सिंह बावा द्वारा जसंवत सिंह माफ कपूरथला।

(प्रन्तरक)

- 2. मैसर्स महाराज स्टील मिल्ज प्राईवेट लिमिटेड इंडस्ट्रीयल एरिया कपूरयला द्वारा सतपाल वर्मा भकाऊटैंट कपूरथला। (भ्रम्तरिती)
- 3 श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में क्वि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवस है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनस्ची

जैसा कि विलेख नं० 1537 दिनांक 6-8-1979 की रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी कपूरथला ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया धक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जासन्बर

तारीख: 14-4-1980

प्ररूप भाई ० टी ० एन० एस०-

भायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालस्थर कार्यालय

जालन्धर, विनांक 14 मप्रैल 1980

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 2092,--यतः मुझे भी० एस० वहिया भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **छ**चित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये भौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपायद प्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भश्चिकारी के कार्यालय कपूरवला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2 प्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरम के निर्त्ता गया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (सा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: धव, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के धनुतरव में, मैं, उक्त घिधनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री कनवलजीत सिंह पुत्र जसवंत सिंह बावा द्वारा जमवंत सिंह खुद कपूरथला।

(भन्तरक)

 श्री महाराज स्टील मिल्ज प्राईवेट लिमिटेड इन्बस्ट्रीयल एरिया कपूरयला द्वारा सतपाल वर्मा प्रकाऊटैट कपूरयला।

(पन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कृमारी जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

 श्री/श्रीमती/कृमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीरपदों का, जो उक्त भिन्न-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भन्न्याय में वियागया है।

अनुसची

जैसा कि विलेख नं 0 1515 विनांक 2-8-79 को राजिस्ट्रीन कर्ता ग्राधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> बी. एस० वहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालकार ।

तारीख: 14-4-80

प्रकृष याई • ही • एप • एस • ----

जायकर प्रक्रिनियमें, 1961 (1961 की 43) की छारा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

भारत सस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (मिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिलांक 14 अंत्रैल 1080

निर्देश सं० ए०पी० नं० 2093---यैत: मुझे नी० एस० दह्यि

कांगकर मौंधनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिमियम' कहा कथा है), की धारा 16% के अधीन मजन प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द॰ से गैंधिक हैं

मौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव ककराली में स्थित है (भीर इससे उपावक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुगा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 अगस्त 1979

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रम्तिरित की गई है और नृक्ष यह विश्वास कण्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पण्डह प्रतिशत प्रतिक है योर प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तम पामा ग्रमा प्रतिकत, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त प्रमारण निश्चित में बास्तिक कप से क्षित नहीं किया गर्या है 1000

- (०) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, धंक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धक्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हे भारतीय मायकर भिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रवित्यम, या धन-कर प्रवित्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती हारा प्रकट नहीं किया प्रवासी किया जीनी भाहिए बा, क्षिपान में सुविधा के लिए।

विर्धः विवा विविधितियम की घारा 269-ग के मन्तरण में, में, उनत विविधित्यम की घारा 269व की उपधारा (1) के अवीष, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--

- श्री सरूप सिंह पुत्र शाम सिंह पुत्र चड़ सिंह गाव ककराली पुलीस स्टेशन हरियाणा तहसील जिला हुशियारपुर। (ध्रान्तरण)
- श्री संवर्षन कौर पहली अमर सिंह पुत्र अंग्रेज सिंह पुत राजन सिंह पत्र बीर सिंह, लखा सिंह, विरसा सिंह सपुत्र अमर सिंह पुत्र अग्रेज सिंह गाँव ककराली पुंलीस स्टेग्नेन हॅरियाणा जिला व तहि ० हुणिया रपुर। (अन्तरिती)
- 3 श्री/श्रीमती/कमारी जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बंह व्यक्ति, जिसके ग्रीधिभींग में सम्पत्ति है)
- 4 जो अपिक्त सम्पत्ति में इंचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रघोहस्तीकरी
 रखता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है)

बीं यह सूचना जारी करके पूर्वीवंत सम्पति के अर्बन के भिए कार्यश्रीहियां करता है।

सन्त सन्ति है बर्भन के संबंध में कोई भी भरभेर :--

- (क) इस नूचना के राजानत में श्रक्षाशन की तारीख ने 15 कि वित्त की अवधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 36 दिन की धवधि, को भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वीक्त क्यंक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (क) इस सूर्वमा के राजपत में प्रकाबन को तिरिश्व है 48 विने के भीतर छन्त स्वावर सम्बंति में हितवेद किसी जन्म न्यक्त द्वारा, श्रधोस्थ्ताक्षरी के पान लिखिए में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को सक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परि ाषित है, बड़ी धर्म होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1123 विनोक 17-8-79 को रिजस्ट्री-कर्ती क्रंधिकारी मुंगा में लिखा है।

> धी० एस० दहिया समस प्राधिकारी सहायक म्रायकर घायुक्त, (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, जालस्घर

तारीख: 14-4-80

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालम्बर, विनांक 14 भन्नेल 1080

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2094—यसः मुझे बी० एस० दक्षिया

बाबकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्बंदि, जिसका उचित बांबर मूल्य 25,000/-वपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मैहतपुर में स्थित हैं (भौर इससे उपावत अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्सी श्रिष्ठकारी के कार्याक्षय मुकिरीयां में रिजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिष्ठीन तारीख 22 भगस्त 1979

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास कर्कन का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती (अन्तर्गरितयों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यसी ह क्ये से कथित नहीं क्रिया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी पींथ की बाबत उक्त प्रक्रियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधितियम, या धन-कर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तिरिती द्वार्थ अंकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, क्रियोंने में सुविधा के किए ;

भेत । भंद, उंदर्त भौतिनियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, में, उंदर भौतिनियम की भारा 269-व की उपवारा (1) के अजीन निम्नजिखित न्यक्तियों, अर्थात् :---

- शी मंगता सिंह पुत्र खुगहाल सिंह गांव खौजपूर तिह् व जिला जलन्धर मुखनयार-ए-श्राम जगीर सिंह पुत्र खुगाल सिंह गांव मैहतपुर जिला हुशियारपुर। (श्रन्तरक)
- 2 श्री मंगल सिंह पुत्र खुशाल सिंह गांव मैहतपुर जिला हुशियारपुर।

(ग्रन्तरिती)

- 3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिनके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में म्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हिसवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सार्यवाहियां करता हूं।

उंका नमाति हे प्रजी के सम्बन्ध में कोई भी खाओप:--

- (ह) दा मूचना हे रानात में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिने की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इरं सूजना के राजरत ने नकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखंड विसी जन्य व्यक्ति द्वारा, भंधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्दोक्तरगः ---इसमें त्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जी उक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भये होगा, जो उस्र भ्रध्याय में दिया गया है।

अमु सूची

जैन। कि विलेख नं० 1176 दिनांक 22-8-79 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी मुकिरीयां में लिखा है।

> बी०एस० दक्षिया सक्षम प्राधिकारी, सद्धापक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखः 14.4-1980

मीहर ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०→---

भायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज जालन्घर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 14 मप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2095—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है सथा जो गांव भगवान पुर में स्थित है (और इससे उपावदा अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखा 17 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरिक (अन्तरिकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरन लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिध-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत भिधिनियम वा धनकर भिधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सता, सब, उक्त समितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निस्निजित व्यक्तियों, धर्यात:— शी चरन सिंह पुत्र शामा भगवान पुर मुखत्यार, झाम सत पाल धरम पाल श्रीमती विमला देवी विधवा शेखुपुरा तहसील कपूरथला।

(मन्तरक)

2 श्री दास पुत्र शामा गांव भगवानपुर सहसील कपूर-थला।

(बन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रक्रिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्तिसम्पत्ति में दिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में झझोह

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में **धर्घोहस्ताक्षरी** जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की प्रविधि जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं 1605 दिनांक 17-8-1979 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्राप्तकारी क्यूरणला में लिखा है।

> बीं० एस० दक्षिया, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-4-1980

मोहर !

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

माय कर ऋधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षायनिय, पहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीनरोज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 घप्रैल 1980

निर्वेश सं० ए० पी० 2096—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

माय हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका छित बाज (र मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो दुकान नं० 2 इन्द्रा मार्कीट न्यू रेलवे रोड़ जलंधर में स्थित है (भीर इमसे उपावद्ध प्रनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 अगस्त 1979को

पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबन, उक्त भिंध-नियम के भंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रम्थ भाक्तियों को, जिम्हें भारतीय आयक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, याधन-कर भिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः घव, उक्त घिनियम की धारा 269-म के प्रनुपरण में, में, उक्त घिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)के घधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :→→ श्री मोहन लाल पुत्र भगत राम वासी सुलतान पुर लोधी जिला कपूरथला।

(ग्रन्तरक)

- 2 मैसर्स कमला ग्रसीश द्वारा बलवंत वालिया पुल खुशहाल सिंह वालिया न्यु रेलवे रोड़ जलन्धर। (ग्रन्सरक)
- 3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ध्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में ग्रंचि रखता हो।
 (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रंघोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील थे 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकामन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर पमात्ति में हिसबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे!

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20 हु में परिभाषित हैं वही श्रियं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं 3975 विनोक 10-8-79 को रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख: 14-4-1980

मोहर्ः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, जालन्धर

जलनधर, दिनाक 14 भ्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० नं० पी० 2097—यत मुझे, बी० एस० दक्षिया

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- दे से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा की ग्रनुस्ची में लिखा है तथा जो राहों रोड पास ग्रामं कालेज नवांगहर में स्थित है (ग्रीर इससे उनावद्ध प्रतुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नवांग्रहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-8-1979 की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिधक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के खिए तय पाया गया प्रविकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धंन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुकिक्ष के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जै, उक्त श्रिष्टिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--- श्री बलविन्दर सिह पुक्र भजमेर सिंह वासी गाव भौर तहसील नवाशहर।

(भन्तरक)

2 श्री प्यारा सिंह, निर्मल सिंह, हरभजन सिंह, जलमन सिंह जोगिन्द्र सिंह, कक्ष्मीर सिंह, सुपुत रुलीय। राम पुत्र ईक्षर सिंह वासी नवाक्षहर।

(भ्रन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति से रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितवळ है)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्सवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण:---

- (क) इस सूचना के राजपंत में प्रकासन की नारीय से 45 दिन की प्रविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लागील से 30 विष की प्रविध, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतद सूचीं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हाता;
- (सा) इस सूचना के राजपक्ष में अकारणन की सारीता से 45 दिन के श्रीक्षर प्रका स्थावर सम्माति में दिक्का का किसी अन्य क्यांक्ति साथा अधिकृत्वाक्षासी के सहस विकास में किए जा करोंगे।

स्यब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सक्तें सीर पदों का जो 'खनस ग्रंधिनियम', के अब्बाय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अब्याग वें विका गया है।

अनुसूची

जैसा कि चिलेख बं० 28.6.6 दिवाक 21-8-79 को रुजिस्ट्रीकर्का अधिकारी नवांगहर में जिखा है।

> बी०एस०दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैनर्रेण जालन्धर

ता**'रीख**: 14-4-1960

मोहरः

प्ररूप घाई • टी • एन • एस • ---

आयक्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंख, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2098—यतः मुझे, बी० एस० दिह्या आयकर प्रिधिनयम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्। प्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रिधिकारी को यह निण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छनित बाजार मूह्य 25,000/- च० से अधिक है

ध्रीर जिसकी सं० जैसा कि ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो महां रोड़ नेडे ध्रायं कालिज नवांगहर में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय नवांगहर में रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख 22 ध्रगस्त 1979

(1908 का 16) के प्रधीन, तरिख 22 प्रगस्त 1979 को पूर्वांक्त प्रकारित के उचिन राजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम फरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) रिस् अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर डेने के अन्तरक ने दायिस्त्र में कभी करने मा अससे अजने में मुविधा के लिए; मौर/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी वन या प्रम्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उस्त प्रधिनियम, या धन-कर भिर्धानयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया लामा भादिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उल-जारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---10—56GI/80 श्री हरजीत सिंह पुत्र श्रजामेर सिंह वासी गांव श्रीर तहसील नवांशहर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्यारा सिंह, निर्मेल सिंह, हरभाजन मिंह जलमत सिंह जोगिन्द्र सिंह , कश्मीर सिंह सुपुत्र सलीया राम पुत्र ईशर सिंह वासी नवांशहर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियो गर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी अविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्राप्य व्यक्ति द्वारा अधीहरूताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों ओर पदों का, जो उक्त प्रिधिनियम के भक्ष्माय 20-क में परिभाषित है, वहीं भवें होगा, जो इस मक्स्य में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2877 दिनांक 22-8-1979 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी नवांशहर में लिखा है।

बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 14-4-80

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन∙ एस•-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के मिनि सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 14 श्रप्रैल 1980

निर्वेश सं० ए० पी० 2099— यतः, मझे, बी० एस० विहिया
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पनि, जिसका एचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से श्रधिक है, ग्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहों रोड़ श्रार्य कालिज नजदोक नवाशहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवाशहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24 श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रम्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उयित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में युविधा के लिये; बोर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धात्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-! श्री श्रजमेर सिंह पुत्र ईणर सिंह वासी गांव श्रौर तहसील नवांशहर।

(भ्रन्तरक)

 प्यारा सिंह, निर्मेल सिंह, हरभजन सिंह, जलमन सिंह, जोगिन्द्र सिंह, कश्मीर सिंह सुपुत्र क्लीया राम वासी नवांशहर।

(श्रम्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के पस्पत्व में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूलना के राजपत में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 पिखित में किये जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2913 दिनांक 24-8-1979 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, नियागहर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्स (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख्ः 14-4-1980

म्रइप भाई• टी• एन• एस०----

आयकर भिवितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के भीतन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जलन्धर जलन्धर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2100--यत. मुझे बी० एस० दहिया

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिनि सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचिन नाजार मूक्त 25,000/-च्या से मिकि है

श्रीर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो राहों रोड, नजदीक आर्यकालिज, नवां शहर में स्थित है (श्रीर क्ष्मसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उवित बाआर मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए घम्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिजन से अधिक है भौर बम्तर्क (प्रनारकों) प्रौर प्रनारिती (प्रनारितिया) के बीच ऐसे घम्तर्क के लिए तय पाया प्रया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तर्क लिखित में बास्नविक कप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो भाय की बाबत, उकत अधिनयम के मधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त गविनियम को जन्म 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269 प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत् :--- श्रीमती चरन कौर पत्नी श्रजमेर सिंह वासी गांव ग्रौर तहसील नवांशहर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री 'यारा सिंह, निर्मेल सिंह, हरभजन सिंह, जलमन सिंह, जोगिन्द्र सिंह, कश्मीर सिंह ,सुपुत्र चलीया राम वासी नवांशहर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिनके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यहसूचना त्रारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इप सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वों बन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2981 दिनांक 29-8-1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नवांशहर ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, जलन्धर

तारीख: 14-4-1980

मोहरः

प्ररूप पाईक टी • एन • एत • ----

आयकर बिश्विम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भंजीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनाक 15 म्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2101—; यतः मुझे बी० एस० पहिया आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिण्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- वपए

से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा की श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव जौहल में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विगा है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रमस्त 1979

को पूर्वोका निर्मात के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्क्षल के असे अस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतियात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय रापा यया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्कित में वास्तिक का में किया नहीं किया गया है:→→

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्त एक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
 - (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उस्त अधिनियन को धारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं उक्त अधिनियन की धारा 259-च की उपश्वारा (1) के अधीन, निम्निविक व्यक्तियों, अर्थांत् !-- श्री मिनवा निहपुत धुतः निहवाती गाव जोहत तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्री गुबबन सिंह, रतन सिंह प्रीतम सिंह ससुत्र मिलखा सिंह वासी जौहल तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिनके ऋधिमोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवढ़ है)
को यह सुचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पनि के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता है।

उपासम्यत्ति त अर्थन क सम्बन्ध में कोई नो धाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धां व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो का भविष्ठ याद में समाप्त होतो हा, के जोतर पूर्वोका व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ज) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबह कियी ग्रस्य ध्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्यक्षरी व पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसनें अयुक्त शब्दां प्रीर त्वाका, जो उक्त मिस-नियम के सक्याय 20-क में परिवाणित है, बही अर्थगोगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसची

जैसा कि विलेख नं० 4067 दिनों क श्रगस्त 1979 को रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 15-4-1980

प्ररूप ग्राई० टी∙ एन० एस∙----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन घुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय र भायकर भायुक्त (भिरीक्षण)

श्रर्जन रेज जन्लाधर कार्यालय

जालस्वर, दिनाक 15 श्राप्तैल 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2102--यतः मुझे बी० एस० दिह्या आयकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके रस्तात् 'उस्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-खंक ग्रिधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य

25,000/- ४० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाव गाजीपुर (जालन्धर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ६प से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के स्प्रीत नारीक स्पापन 1909 को

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के तृष्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान अतिफत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्त के पन्द्र मृतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्निचित छह्ण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबन रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अग्तरण से तुई किसी शाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिकम के श्रशीन कर देने के अग्तरक के दासिश्व में कभी करने या उससे वचने में सुविश्वा के शिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी बन या भन्य भास्तियों को,
 जिन्हें पारतीर श्राय कर श्रीविनयम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त श्रीविनयम,
 या धन-कर भिविनयम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया या सिया जाना चाहिए था,
 खिनाने में सुनिधा के सिए;

श्रातः प्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:-- 1. श्रीमती श्रजन कोर पत्नी गुलजार सिंह नासी गाजीपुर तहसील जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री चरन जी। पिंह पुत्र गुनजार पिंह, सुरजीत सिंह पुत्र गुलजार पिंह, श्रिजोि कुमार, विजय कमार, सुरे द्व कुमार सुपुत्र नानक चन्द्र वासी डब्ल्यू० ई० एम० 50 बस्ती नौ जालन्धर। (श्रम्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यिति, जिनके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4 जो व्यक्तिंय सम्पत्ति में ट्रचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव**ड है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे !

स्पढटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्तों भौर पर्दो का, जो उक्त भ्रिधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

मनुसूचो

जैसा कि विलेख नं० 3923 दिनाक अगस्त 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एम० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालधर

तारीख: 15-4-1980

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 16 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2103—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

श्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकान नं० 570-श्रार० माडल टाऊन जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्नी श्रिधियारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के पंधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपदारा (1) अधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, श्रयीत्:---

- शीमती गुरमेज कौर पत्नी मोहिन्द्र सिंह जी०ए० बाबा सिंह गांव मिठापुर तहसील जालन्धर । (भ्रन्तरक)
- 2 श्री बनत्रंत सिंह पुत्र मेहर सिंह वासी नूरपुर तहसील जालन्धर श्रव वासी मकान नं० 570-प्रार० साडल टाउन जालन्धर।

(श्रन्तरिती)

- 3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनंद में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडीहरण: --इममें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसािक विलेख नं० 4289 दिनांक 27-8-1979 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एम० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-4-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 ग्राप्रैल 1980

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 2104----यतः, मुझे, बी० ए.स० दक्षिया,

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती मिठो माहिब, जलन्धर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्णेस्प से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रीति तारीख श्रास्त 1979

को पूर्वीकत संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफत के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरक से हुई किसी स्नाय की बाबत उक्त श्रघि-नियम के भ्रघीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः थव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- अशि मुरेन्द्र पाल सिह् पुत्र करनैल सिंह पुत्र गुरमीत सिह वासी बस्ती मिठो साहिब, जलन्धर।

(ग्रन्सरवः)

- 2. श्री श्रणवनी कुमार, विपन कुमार सुपुत्र श्रोम प्रकाण डब्ल्यू राएफर-70 गली बैंच्णो, जालन्धर। (श्रन्सरिती)
- उ. जैसा के उपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह् व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रजैन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उका सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी त्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास निखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैमा कि विलेख नं० 4058 दिनांक ग्रगस्त 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जलन्धर

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 श्रप्रैल 1980

निर्देण सं० ए०पी० नं० 2105---यतः, मुझे, बी० एस० दिवया,

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-र० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो प्लाट नं० 711 मोता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिष्ट्रिक्ती श्रीधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख अक्तूबर 1979 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पृष्ठे पर विश्वाप करने का कारण है कि प्रथाप्त्रों का प्रवित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती में (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीत कर देते के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचते में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातः :---

(1) श्रीमती जसबीर कौर पत्नी महेन्द्र सिंह वासी गाव जंडियाला जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरघः)

- (2) श्री कर्नल वेद प्रकाश पुत्र शिव दक्त, वासी 16, है ध्ववार्टर इनफैन्टरी मार्फत 56 ए० पी० श्रो०। (श्वन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके: बारे में श्रधोहस्त क्ररी जानता है कि: वह सम्पत्ति में हिस्क्ट है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त राम्यत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भी र उक्त स्थावर सम्पति में दिनबद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधी हस्ताक्षरी के पास तिखिन में किए जा सकरें।

श्यवदोकरण:--इपमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची '

जैमा कि विलेख नं० 5103 दिनांक श्रम्तूबर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> बी० एम० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीखा: 19-4-1980 •

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भागकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ुंझर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 19 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए०पी० नं० 2106----यतः मुझे, बी० एस० दक्तिया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ र० से अधिक है

मौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दुतान नं० XXX-113 बांगा बाला बजार, जालन्धर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण क्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 किंद्रस्थर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्व के लिए खन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्यह प्रतिशत से खाँधक है और अन्तरक (अन्तरकों) गौर जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सक पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीविन्यिन, के भ्रीवीन कर देने के ग्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/पा
- (वा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कृतः अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं. उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थातः—— 12—56GI/80 अो विलोग कुमार पुत्र कैलाश चन्द्र जैन, वासी लुधियाना मार्फत दुहान नं० XXX-113 बजार भांसा वाला, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरबन्स लाल पुत्र सुन्दर मल मार्फत राज कुमार चुसबन्स लाल, बाजार बांमा वाला, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति,जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके ब≀रे में श्रश्चोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है**)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर पम्मित में हिनबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैमा कि विलेख नं० 4991 दिनांक 26-9-1979 को रजिस्ट्री हर्ती प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रोज जालन्धर

तारीख: 19-4-1980

भारत जरमार

कार्यालय, सर्वित ग्रानित ग्रावुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनॉक 1 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/80-81/1——यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

भायकर भिवित्यम, 1931 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् जिन प्रवितितन हो पत्रा है), की धारा 269-ख के प्रवित्त मजन प्राधिकानी की, यह विश्वास करने का करण है कि स्वानर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी, जी० टी० रोड़ अमृतसर में सामने बस स्टैड है तथा जो अमृतसर में रिश्त है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णां रूप से वर्णित है), रिजर्ट्री-कर्ता अधि गरी के पार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीवरण इधि-नियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख इगस्स 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे बाहादिक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रनारण से हुई किसी आय की बाबल, प्रक्स प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमारक के शिवस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भाग भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या भन-कर शिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र उस्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

- श्रीमती जगजीत कौर पत्नी सुरीन्द्र सिंह, क्याप०/ क कूपर रोड, श्रमुससर।
 - (धन्तरक)
- श्री जतवन्त सिंह पुत्र श्राटमा सिंह, श्राट० श्रो० शरीफपुरा, श्रम् तसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 श्रीर किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि भौर कोई सम्पत्ति में रुची रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ऋघोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिटबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्रिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चता की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जनत अधिनियम, के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस भ्रष्ट्याय म दिया गया है।

अमुसृची

एक प्रापर्टी नं० 1605 शरीफपुरा, श्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1345 दिनांक 3 श्रगस्त 1979 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी, श्रमृतसर में लिखा दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख:: 1-4-80

प्ररूप भाई • टी • एत • एस • -----

नायकर प्रोधिनान, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ(1) के प्रधीन भूचना

धारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमतसर, दिनांक 1 ध्रप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसआर/80-81/2----पतः मझे, एम० एल० महाजन, आयकर श्रिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'जकत प्रश्वित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी जी० टी० रोड़ सामने बस स्टेंड है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपावस प्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रमतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रमस 1979 को पूर्वोक्त कार्यात के अधिन कार्यात के वृश्यमान श्रतिकल के निष्धानित को गई है और मुझ यह विश्वास करने का कार्य है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्थह प्रतिक्रत अधिक ् और दन्तरक (अन्तरकों) और श्रम्वरिती (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के तिए तय प्रया गया प्रतिकल, निम्निचित्रन उद्देश्य से उश्त अन्तरण लिखित में नास्त्रिक रूप से जिल्त नहीं हिया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐंसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तिगों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातः— श्रीमती जगजीत कौर पत्नी सुरिन्द्र सिंह ग्रार०ग्रो० कृपर रोड ग्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जरनैल सिंह पुत्र मखन सिंह श्रार०/ग्रो० छोटे नाग तहसील श्रीर जिला श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा की सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 यदि भ्रौर कोई सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उस्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना ह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की ध्रविध था तत्पंत्रका व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इरा मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी गन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पब्बीशरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ जनत अधि-लियम के अध्याय 20-क में परिकाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी नं० 1605 (1/3 भाग) जी० टी० रोड़ शरीफ-पुरा सामने बस स्टैंड जैसा कि सेल डीड नं० 1346/I दिनांक 3-8-1979 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी श्रमतसर में दर्ज हैं।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमतसर

तारीख: 1-4-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तमर, दिनांक 1 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसम्रार/80-81/3---यतः मुझे, एम० एल० महाजन, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन प्रश्नम प्राधिहारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित 25,000/- घरए से अधिक है बाजार मृल्य भीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी शरीफपुरा सामने बस स्टैंड अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध है तथा जो ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,तारीख सितम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफत निम्नलिखिन उद्देश्य ने उना प्रतारम निकात में वास्ततिक ख्या से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ट-नियम, के श्रधीन कर देने के शन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी ितसी आय या किसी धन या घन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः अञ्च, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निष्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्रीमती जक्षणीत कौर पत्नी सुरिन्द्र सिंह भार/भो क्पर रोड़ भम्तसर।

(मन्तरक)

 श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी जसवन्त सिंह भार/श्रो छोटे नाग श्रमतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा की नं० 2 में और कोई किराये दार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि धौर कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी शन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण ---इसमें प्रयुक्त एक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त मित्र-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी 1/3 हिस्सा नं० 1605 जी० टी० रोड़ गारीफपुरा में जैसा की सेल डीड नं० 1791/I दिनांक 12-9-1979 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रम्तसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आवकर ग्राभुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेज **ग्रम्**तसर

तारीख: 1-4-1980

प्रकप नाई • टी • एन • एस • -

आ।यकर अग्नितियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रम्तसर

श्रमतसर, दिनांक 3 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसम्रार/80-81/बी-4---यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

त्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन संभ्रम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु• से मिक है

भौर जिसकी सं० ए० प्लाट शास्त्री नगर में है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त 1979
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह्
प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती
(धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में
वास्त्वित हम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वाबत अन्त अग्रिनियम के प्रभीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किनो प्राय या किनो धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सक-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया अद्याना वाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उस्त अधिनियम की खारा 269-ग के अनुसरण में, में, बका अधिनियन को धारा 269-च की छपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत् :---- श्री तेजा सिंह पुत्र ग्रासा सिंह वासी मकबूल रोड़ राही सत प्रकाश पुत्र चमन लाज 276/किशना नगर ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीचमन लाल पुत्र धन्नामल बासी 276 कृष्णा नगर धन्तसर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार हो।
 (वह स्थक्ति, जिसके क्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यवि भौर कोई व्यक्ति इस में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्कन के लिए कार्वेवाहियां मुक्त करता हूं।

उपन सम्पति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी ग्राक्षा:---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकामन को नाराख से 45 दिन की संज्ञिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रत्रित, जो भी ग्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उनस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य भ्यक्ति द्वारा, घषोहस्ताकारी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

रपच्छीकरण:---इसमें प्रमुक्त कम्बों भीर पर्दो का, जो उपत अभिनियम के अध्याय 20ज में परिभाषित है, नहीं सर्व होगा, को उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुतूची

एक प्लाट 600 वर्ग गजशास्त्री नगरमें (प्लाट नं० 317) जसा कि सेल डीड नं० 1596/I दिनांक 24-8-1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन स्थाम प्राधिकारी सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 3-4-1980

भोहर:

प्रश्य आई० टा० एत० एस०----

आयकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अर्धान मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महा १६ थायरर आयुरन (निरीक्षण) ऋजैन रेज, ख्रमतसर

श्रमृत्तवर, दिनाक 3 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० टी०टी०/80-81/5---यतः मुझे, एम० एल० वहाजन

भायकर मिनिना, 1001 (1961 हा 43) (जिते इसमें इपके प्रवाद जित्त राज राज हार जाता 3), को बारा 269-ख क सधीत समस्य जानस्य जानस्य कार्य की, य विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर तानस्य, जिता जिता जिता जीता वातार भूव्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रोर जिसकी स० एक प्रापर्टी झादान रोड समत्वर है तथा जो तरननारन में स्थित है (और इसने उपाबद सनुसूचा में गैर पूर्ण रूप में विधान है), रिम्ट्रीकर्ता अधिकारी ने पार्थास्य लग्न तारन में रिजर्ट्राहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगरत

को पूर्वोकत सम्पत्तिक उचित ताजार क्या ते तम ते दृश्यपात प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुख यह विभाग करने का कारण है। हिंदा होते के हिंदा के का कारण है। हिंदा होते के हिंदा के किया प्रतिफल का प्रति अकार अहित के किया किया है। अकार हिंदा है। अकार हिंदा है। भीर अन्तरिती (अकिश्वासी) के बीच ऐसे अन्तरित हिंदा सम्पर्ण तय पाया गान अवाह दिन्दा किया गया है.——

- (क) करा से हुई कसी आय की वाबन उपस कशित्यम के के⊋)न कर देने के प्रन्तरक के दाधित्व भे कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐतो किसी आप पा ित्यी प्रत्या अन्य आस्त्रियों को, ति हैं भारतीय प्रत्याहर अधिनियम, 1922 (1922 व 11) प उन्न पर्धिनाम प्रवन्तर संस्तित्य, 1957 (1957 का 47) के प्रयोगार्थ अन्तर्भती हान प्रकट नहीं विद्या गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपत्ने में स्विधा के लिए,

यतः प्रव, इन्त अभित्या हो गरा 269-ग है पनुभरण में, में, उक्षा प्रितियम की शरा 269-य की खपवारा (1) के अधीन, निष्कितिकित विकित्यों, अर्थात उक्त

- श्री यधावा निह पुत्र सोदागर सिंह, तरन तारन। (भ्रन्तरक)
- 2 श्री श्रमरीक गिंह कुनवन्त सिंह, पुत्र सुरेन सिंह निवासी झाबाल रोड, तरन तारन।

(म्रन्तरिती)

- जना कि अतर 2 श्रीर कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)
- 4 यदि श्रौर कोई व्यक्ति इसमे रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवब है)

को यह सुजना जारी छटके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिता करता हू।

बका परमति ह प्रभेत के सम्बन्ध में कोई भा प्राक्षीर--

- (क) इन रचना है राजरन में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अन्ति या तत्सम्बन्ती व्यक्तिया हर कि की वानीन से 30 दिन की अवधि जो भी अन्ति बाद में रामा गरी हा, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों र से कि ते निकास हारा;
- (ख) हा १२ कराजान न प्रकाशत की तारीख से 45 दिन हे भी तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक कि हो। अन्य व्यक्ति के पास निक्रित ने किए न नहीं।

हराइदोक्तर गः --इपाँ प्रश्चन गण्या प्रांट पत्री का, जो उपत श्रिधितियम कं प्रध्याय 20 -- के में परिभाषित ैं, या प्रश्नेहीना जी उस ग्रष्टयाय में विया क्या है।

ध्युस् न

एक प्रापटी जोकि 520 वर्ग गज प्लाट जो कि झाबाल रोड, तरन तारन जैसा कि सेल डीड नं० 3774 दिनांक 6-8-1979 को रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रमुतसर

तारीख: 3-4-1980

प्ररूप ग्राई० टी० गन् गम् -----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 — 13) की प्रारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरतार

कार्यानय, महायक आयकर आयुक्त (निरीतन)

श्चर्जन रेज, श्रमृतसर श्चमृतसर, दिनांक ३ श्चर्यैल 1980

निर्देश सं॰ एएसग्रार/80-81/6----यन मुझे एम॰ एल॰ महाजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार् 'उता निर्वात' का गर्या है), की धारा 269- व के ब्रियो ति स्वार्ग कि स्वार्ग हैं कि स्वार्ग कि को, या विश्वास करने का कारण हैं कि स्वार्ग कि प्रधिक हैं भीर जिसकी सं० एक प्लाट तुंगवाला सामने जैस रोड अमतसर है तथा जो में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतरण में पिरट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्न समिति के उचित ब नार मृत्य से क्षम के दृष्यमान पतिकत के लिए पनारा का गई है और मुझे यह विष्वाम करते का जारण है कि प्रभार्गोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत है। पन्त्रह प्रक्रिया प्रधिक है और घनतरक (प्रनिर्देश) और प्रकारित (निर्ित्यो) के बीच ऐसे ग्रनारण के निर्देश ताला है। किंत, निर्निखिन उद्देश्य ने उका ग्रनारण कि कि कि विदेश में जाला प्रकारण कि विदेश कि नालाविक ला प्रकारण कि विदेश किया ग्राह्म हैं किया ग्राह्म है किया ग्रा

- (क) अन्तरण में हुई किसी पाय की बाबन उक्त अधि-निर्मा के गोरा उर हो के ब्रह्मण के शियरत में कभी करने या उठा बचने में पुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी ियी प्राय या हमी ति । उन्न आस्तियों को, जिन्हें यातार प्रीयताम, 1922 (1922 कि 11) से उस्त बरोगिम, या का-दर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के समागर्भ पराहत कि उद्धार्ग दिस गया ना प्राक्तिस जाता ताहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, म्रज, उका मिशिनाम ही धारा 269-ग हे स्रगु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्रीमनी सत्या वती विधवा गोरी लाल मेहरा श्रार/श्रो जेत रोड ग्रमुतार।

(श्रन्तरक)

- 2 श्री नरेण कुमार परोवा पत्र जोगिन पाल श्ररोडा शार/शे १७००-१ भेन्द्रत एवेन्यू तशोली लारेस रोड, स्रम् । र। (धन्तरिती)
- 4 यदि और कोई व्यक्ति इसमें रची रखता हो। (यह क्यतिय, जिनके दारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानवा है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को गर्भुतार ताले जाति भूति तालानि के **अर्जन के** विष्ठालिसपुरासुक जनाई।

इसा तथात हे पां। हे तत-ा नें होई भी प्राक्षेप:→~

- (ह) इस पूजना है पना में । हागा ने नारीख से 45 दिन ही प्रकृति । जन मंग्री व्यक्ति में पर सूचना की से तो राउ) देन हो सी कि जा शास ध बाद में सार से ती के ने कि ने स्टिप्स व्यक्ति में से हिसी व्यक्ति झाटा;
- (ख) डा सूत्रक की रतात्र में प्रपणन की नारीख के 45 दिन के भोग उका प्राप्त पर्णाल में हिन्दा किसी पता के शाप की प्रस्ताती के पास लिखित में कि जा पति

स्बद्धोक्तरण. -- विष्युवारण सेष्यात्यः, लो उत्तनं श्रिधि-विष्युवार स्वयं अन्ते से प्रश्लायन **है व**ि व्यक्ति । उत्तयन से दिया गया **है**।

अनुसुची

एक प्याट 500 वर्गया तुंग्यभा पासने जेल रोड़ (एन० 5 प्राइनेट नं० 495) भैगा को सेन होड़ नं० 1612/1 दिशाह 27-8-79 रिजर्द्र कर्मी अधिकारी श्रमतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सझम प्राधिकारी सड्यिक अधिकर प्राधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, श्रमृतसर

तारीख: 3-4-80

भारत सरकार

कार्योलय, महाजन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्र**ांग रेंज** श्रम्प्तसर कार्यालय ग्रमृतसर, दिनांक 5 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० एस॰श्रार/80-81/7—यतः मुझे एम० एल० महाजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यान 'उन्न मधिनियम' कहा गया है), की घारा 289-ख के अशीन मक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि श्वावर मन्यति, जिसका उचित वाजार मन्य 25,000/-

वपये न शक्तिम है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट सुलतान विंड रोड़ पर है तथा जो अमृतसर......में स्थित है (भौर इससे उपावस भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय धमृतसर में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के खनित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंजाइ प्रतिश्वत प्रविक्त है और भन्तरक (भन्तरकों) और पन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरक से लिड़ तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कर से किंवत नहीं किया गया है।——

- (क) चन्तरण से हुई किसी माय की बाबत जक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविबा के किए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, वा धन-कर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं खिला गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनिवम की घारा 269-ॄंग के बनुसरण में, में, उन्त प्रधिनिवम की घारा 269-च की क्पबारा (1) अजीन निस्तिखित व्यक्तियों सर्वात्।—— श्रीमली सविन्त्र कौर पत्नी ग्रजीत सिंह श्राश्रीम/श्रो महावा तहसील व जिला ग्रमृतसर राही सरब-जीत कौर मुखसार श्राम।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स के० बी० फोंडरी वर्कस सुलतान विक रोड़ ग्रमतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर और कोई किरायेदार हो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्प्रति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के धर्जन के सध्यन्य में क्रोई भी भाषीय:---

- (क) इस मूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्वनिध या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्वनिध, जो भी श्वनिध बाद में समाध्य होनी हो, के भी र पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्मति में हितबब किसी अस्य स्थित द्वारा, श्रवीहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्वम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उन श्रष्टवाय में दिया गया है।

धनुसूची

एक प्लाट 530 वर्ग गज जो कि सुलतान विंड रोड़ पर जैसे कि सेल डीड नं० 2223/I दिनांक 5-11-1979 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी ममृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम पाधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 5-4-80

नोहर:

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एन०----

अरयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक श्रीयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 5 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ग्रमृतसर/80-81/8—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25000/- र॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक प्लाट सुलतान विंड रोड पर है तथा जो अमृतसर में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निज्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त स्रिध-नियम के श्रेष्ठधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उस से बचने में मुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः स्रवं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, धक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्निलिख व्यक्तियों, श्रर्थात् :--13-56G1/80

 श्रीमती सविन्द्र कौर पत्नी प्रजीत सिंह वासी गांव डाऊके तहसील व जिला श्रमृतखर

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स के० बी० फोंडरी वर्क्स, सुलतान विंड रोड, ग्रम्तसर।

(भ्रन्तरिती)

जैसाकि नं० 2 पर श्रौर कोई किराये हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि श्रौर कोई इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रज़न के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रमुसुघी

एक प्लाट 500 वर्ग गज सुलतान विंड रोड अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1471/I दिनांक 13-8-1979 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी, [सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

ता**रीख**ृः 5-4-1980

प्ररूप धाई । टी । एन । एन ।

आयकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269 **घ** (1) के अधीन सृ**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ध्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 श्रप्रैल 1980

निर्वेश सं० एएसग्रार/80-81/9—यतः मुझे, एम० एल० महाजन आयकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके नश्चान् 'उक्न मिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अभीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/-२० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रमृतसर एक घर लोगड़ में है तथा जोमें स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन.

श्रधीन, श्रमस्त 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, चसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का प्रमृद्ध प्रतिखत प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरितो (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण किखित में वास्त्विक रूप से कथित नहां किया गया है ा—

- (क) अन्तरण सं हुई किंगो माय की बाबत उक्त पश्चित्यम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, जिलाने में सुविधा के लिए;

अनः घव, उक्त मर्किनियम नी द्वारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 269-म की जनधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--- पद्मा वती पत्नी बोध राज ब्रार/म्रो श्राई/एस लोगड़ गट, गली पीरेमल ब्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री रतन चन्द पुत्र मोती राम व श्रीमती सतोख रानी पत्नी रतनचन्द श्रार/श्री लोगड़ गेट, गली पीरेमल मकान नं० 3209/II श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर भौर किरायेदार:

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सप्मपत्ति है)

4. यदि भ्रौर कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में झधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अप्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की प्रावधि या तस्त्र-भवन्छी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को ग्रवछि, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ता करी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कार्धक नियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक घरनं० 3209/II गेट लोगड़ गली पीरेमल में जैसा कि सेलडीड नं० 1444/1 विनांक 10-8-1979 रिजस्ट्रीकर्ता भ्रष्टिकारी भमृतसर में दर्ज है।

> एम० ए**ल० महाजन** महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्जन रेंज, ग्रमृतसर**

तारीख: 8-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मिस्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 8 भप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसम्रार/80-81/10---यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनियम मिनियम के मिनियम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मिनिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिध के नियम के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनयम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात्:— श्रीमती बलवन्त कोर पत्नी प्रीतम सिंह नागपाल वासी 7, बरहम नगर श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सवरना पत्नी कमलजीत निवासी चौक दरबार साहिब गली तरखाना श्रमृतसर।

(भन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर भौर कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसकी अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उन्त स्थानर सम्मित में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रजोहस्तान्नरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्वब्दोक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रंथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी बाजार काठीयां श्रमृतसर (45 वर्ग गज) जैसे जाकि सेल श्रीष्ठ नं ० 1625/I दिनोक 29-8-1979 रिजस्ट्री श्रिष्ठकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 8-4-1980

प्रकप भाई० टी० एन० एस०.---

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सार्यालय, संहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 8 श्वर्पेल 1980

निर्वेश सं० एएसभार/80-81/11---थतः मुझे, एम० एल० महाजन श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रुपये बाजार मूल्य 25,000/- से भौर जिसकी सं० एक प्लाट नं० 91 होरी कालोनी भमृतसर जो, हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, **ध्रग**स्त 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथातूर्वोकत समात्ति का उवित बाजार मूल्य, उतक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है धौर धन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरम किवा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उसत ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर वेने के ग्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रज, उन्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उन्त श्रविनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के श्रभीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों। प्रथीत्:— श्री प्रेम सागर पुत्र रूप लाल ग्रार/भ्रोकटरा धनिआ
छज् मिसर ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 बिअए कुमार पुत्र रिखीराम मेहता झार/भ्रो राम बाग झमृतसर।

(प्रसरिती)

- जैसा कि नं० 2 भीर कोई किारायेदार।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. भीर कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में झधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचता के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 वित की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति से हितबह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्तीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त घिः नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

एक प्लाटनं० 91, 254 वर्ग मीटर जो कि होरी कालोमी प्रमृतसरहै जैसाकि सेल डीड नं० 1467/1 दिनांक 13-8-1979 रजिस्ट्रीकर्ती धिकारी प्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एस० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर बुंधायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज अभृतसर

तारीख: 8 म्रप्रैल 1980 ----

प्रकल पाई०टी०एन०एस०:-

भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के भाषीत सूचना भारत सरकार

> कार्जालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन, रेंज भ्रमृतसर

> > श्रम्तमर, विनांक 5 श्रमेल 1980

निविंशि सं०ए० एस० श्रार०/80-81/12---यतः, मुझे, एम० **एल० महा**जन

भारतकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संयति जिसका उमित बाजार मूल्म 25,000/- ६० से मिनिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट नं० 91, जोशी कालोनी में है तथा असृत्या में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तम पामा गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रत्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

भ्रतः, भ्रम, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अभ्रीत जिल्लीकित व्यक्तियों अर्थीत्:— श्री प्रेम सागर पुत्र रूप सिंह निवासी कटरा धनियां कुचा छअह मिसर ग्रम्तसर ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री श्रशोक कुमार पुत्र रिखीराम महिता एण्ड सन्ज चौकराम बाजार, श्रमृतसर।

(मन्तरिती)

3 जैसाकि गं० 2 द्यौरकोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके द्राधिभोग में सम्पत्ति है)

4 यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रुधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के आर्जन के क्रिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घ्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप : -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तहरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त ग्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रषं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 प्लाट नं० 91 जोशी कालोनी नं० $(305\frac{1}{2}$ वर्ग गज) जैसा कि सेल डीड नं० 1974/I दिनांक 10-10-1979रजिस्ट्री हर्ता ग्रिधिकारी श्रम्तसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारी**ख** 5-4-80 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ग्रमृतसर श्रमृतसर,दिनांक 8 मप्रैल 1980

निर्वेश सं० एएसम्रार/80-81/13—यतः मुझे, एम० एल० महाजन

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाटरेस कोर्स रोड़ पर श्रमृतसर है तथा जोमें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत अधिक है यौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर वेने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घ्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का '27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः स्रव, उरत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—— 1. श्री राजीव सडाना पुत्र डा० एस० धार० सडाना रेस कोर्स रोड श्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

 सुनील कुमार पुत्र हंसराज निवासी 14-ए०, बेरहम नगर लारेंस रोड भ्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3 जैसाकि नं० 2 पर और कोई किरायेदार हो। (वह क्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4 यदि ग्रीर कोई व्यक्ति इसमें रिच रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में अकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 121.34 वर्ग मीटर रेस कोर्स रोड पर अनृतनर जैमाकि सेल डीड नं० 1392/1 दिनांक 8-8-1979 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी श्रम्तसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, अमृतसर

तारीख: 8-4-1980

मीहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर,दिनांक 8 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसग्रार/80-81/15--यतः मुझे,एम०एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चप्त 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एक प्लाट रेस कोसे रोड़ पर है तथा जोमें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमुतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख इ.गस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः— श्री राजीव मड़ाना पुत्र डा० एस० श्रार० सडाना रेस कोर्स रोड़ श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार पुत्र हंसराज निवासी 14-ग बण्हम नगर लारेन्स रोड़ भ्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई भ्रौर व्यक्ति इसमें एचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**ब** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रज़न के सम्बन्ध में कोई भी भ ।क्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितवब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधौहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 121.34 वर्ग गज रेस कोर्स दिरोड़ ग्रमृतसर जैसा सं० नं० 1415/1 दिनांक 9-8-1979 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, श्रमृतसर

तारीख: 8-4-1980

प्ररूप श्राई० डी० एन० एस०-----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 8 श्वर्प्रैल 1980

निर्देश सं० एएसआर/80-81/14---यतः मुझे, एम० एल०

महाजन भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रुपये से श्रिधिक है ब्रौर जिसकी सं० एक प्लाट रेस के र्स रोड़ पर है तथा जोमें स्थित है (भौरइससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिष्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,तारीख **भगस्त** 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उनत ग्रन्तरण तिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया नवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः, श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म के भनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमीत्:— श्री एस० श्रार० सङ्गाना व शकुन्तला सङ्गाना निवासी
 430 रेस कोर्स रोड़ श्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री वितोदकुमार पुत्र हंसराज निवासी 14-ए बरहम नगर लारंस रोड़ ग्रमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसाकिनं० 2 ग्रीरकोई किरायेटार।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 ग्रीर कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जातना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के धर्चन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ऋजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (त) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनक्ष स्वायर सम्मत्ति में हितबड़ किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सर्वोगे।

हरव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पर्यों का, जो उच्च प्रक्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिशाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 246 वर्ग मीटर रेस कोर्स रोड़ पर जसाकि सेल डीड नं० 1393/1 दिनांक 8-8-1979 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज हैं।

> एम०एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भ्रिजन रेंज, प्रमृतसर

तारीख 8-4-1980] मोहर: प्ररूप आई o टी o एन o एस o ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतमर

भ्रम्तसर, दिनांक 8 भ्रप्रैल 1980

निर्देश सं० गण्यश्चार/80-81/16—यतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट रेम कोर्स रोड श्रमृतसर है तथा
.....में स्थित है (ग्रौर इससे
उपावड श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है)
रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) प्रेसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन नियनितिस्त व्यक्तियों अर्थात् ——
14—56GI/80

1. डा॰ एम॰ आर॰ मडाना शकुन्तला मङाना निवासी 430 रेस कोर्स रोड अमृतमर।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री सुनील कुमार पुत्न हंग राज निवासी लारेंगरोड श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर स्त्रीर कोई किरायेदार हो। (वह ध्यक्ति, जिसके ग्राधभोग में सम्पक्ति है)

4. ग्रीर कोई व्यक्ति इसमे रुचि ग्छता हो। (वह व्यक्ति,जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^व, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में **दिया** गया ह^व।

अनुसूची

एक प्लाट 246 वर्ग मीटर रेस कोर्स रोड पर जैसा कि सेल डीड नं 1416/I दिनांक 9-8-1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रम्तसर में वर्ज हैं।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 8-4-80

प्ररूप आई• टी• एन• एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

धमृतसर, दिनांक 9 धप्रैल 1980

निर्देश स० एएस्फ्राप्/ ϵ 0-81/17--यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के ग्रिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका खिंकत आजार मृल्य 25,000/- क्यमें से प्रधिक है और जिसकी सं० एक प्रापर्टी कटरा कर्म सिंह है तथा हैं जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रमुससर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कृष्यमान प्रतिकल के लिए अग्तरित की गई है भीर मुझे यह विभ्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अग्तरक (भन्तरको) धौर अग्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:—

- (क) अम्मरण से हुई किसी प्रायकी वाबत उन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अम्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी िमी आय या किसी बनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ध्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिप.ने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के सनु-सरण में मैं, उन्हर श्रीष्टिक्यम की आरा 269-च की उनवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यविसमों, मर्थात् !--- अर्थी रतन सिंह पुत्र खेमचन्द्र निवासी गेट भक्तांवाला और श्रीमती जीवन बाई विश्ववा ईन्द्र सिंह निवासी लांकड बाजार, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती प्रवनाश रानी पत्नी चरनजीत लाल व श्रीमती राम प्यारी पत्नी राम रखा मल निवासी कटरा खजाना गली घोबीयां वाली, घमृतसर। (ग्रम्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति जिसके ग्रीधभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्त में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूत्रता के राजात में प्रकाणन की तारी से 45 दिन की घर्यां या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूत्रता की तामील से 30 दिन की घर्यां जो भी घरां बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज में 45 दिन के भीतर उक्त क्यांत्रर सम्पन्ति में हिनवड़ किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

हरवडी तरण :--इसमें प्रयुक्त मध्यों और पर्यो का, जो जनत प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिचाचित हैं, वहीं अर्च होगा, जो उस मध्याय में विया गरा है।

धनस्यी

एक दुकान और तबेला कटरा कमें सिंह जैसा कि सेल डीड नं॰ 1373/I दिनांक 6-8-1979 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी प्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 9-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, ग्रमृतसर भमृतसर, दिनांक 14 भग्नेल 1980

निर्देश सं॰ एएसमार/80-81/18--यतः मुझे एम० एस॰ महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन 1 कताल 5 1/2 मरला ममहता रोड है जो अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकरी श्रीधकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मृंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिस्ति व्यक्तियों अधीन, निस्निसिस्ति व्यक्तियों अधीन,

1. श्री दलजीत सिंह पुत्र राम सिंह निशासी वल्ला जिला भगतसर।

(अन्तरक)

1. श्री सुवर्शन भूमार पुत्र शिव दयाल निवासी लठमन सरचौक म० नं० 2812/13 श्रम्तसर।

(अन्तरितो)

3. जैसाकि स० 2, भीर कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति जिसके मिश्रिमोग में श्रश्रोहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि भौर कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रशोहस्तालरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन का अविधि या तत्सम्बन्धी न्याक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बमुसूची

एक प्रारटीं जिसपर थैंड है रक्ष्वा 437.5 वर्ग गज जो कि मैहता रोड, अमृतसर पर है जैसा कि सेत डोड नं० 3248/दिनांक 2-8-1979 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी अमृतसर में वर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, ग्रमुतसर

सारीख: 14-4-80

मोहरः

प्ररूप ग्राई०टी०एन० एस०---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) कं ग्रजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निराक्षण)

धर्जन रेज, प्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 14 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसम्रार/80-81/19—यतः मुझे एम० एल० महाजन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन प्रश्निनियम' कहा गना है) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्रायित। री का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

का 16) के प्रधीन, तारीख अन्तूबर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति क जीनत बाजार मूल्य क जम के दृश्यमान
प्रतिफल क लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन सं, एस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्
प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती
(अन्तरित्यां) क बोन एस अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नालिका उद्देश्य स उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
रूप संकथित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त म्रधि-नियम क ग्रधीन कर देन के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रग्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त यधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

1. श्री दलजीत सिंह पुन राम सिंह निवासी वाला जिला भामतसर ।

(भन्तरक)

2. श्री धनवारी लाल पुत्र शिव दयाल निवासी मकान नं० 917/5 लछमन सर चौक श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)

जैसा कि सं० 2 पर भौर कोई किरायेवार हो ।
 (बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्मत्ति हैं) ।

4. यदि भौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में देहतबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियीं करता हूं।

उनत सम्यत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जोभी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी जिसपर शेंड प्लाट 2 के 0 11 एम 0 महता रोड पर प्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं 0 4418 दिनांक 30-10-79 रजिस्ट्री ग्रिधकारी ग्रम्तसर में दर्ज है।

> एम० एम० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्णन रेंज, ध्रमृतसर

तारीख: 14-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयुकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मनृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसभ्रार/80-81/20—यतः मुझे एम० एल० महाजन

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यवात् 'उन्त प्रजितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षा प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० शैंड, मोहकमपुरा अमृतसर है, जो ग्राम्य क्षेत्र पूर्ण रूप से विणित हैं।, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सपित्त के जांचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत सं, ऐमें दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उष्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीन :---

 श्री कान्ति कुमार पुत्र मुख दयाल खुद श्रीर तिजाय कुमार पुत्र सुखादयाल वासने कोन्ति कुमार मुखतार श्राम।

(ग्रनारक)

 श्री निरमल सिंह श्रमरीक सिंह पुत्र जीवन सिंह निवासी महासिंह गेट श्रमृतसर।

(ब्रन्तिरती)

3. जैसा कि सं० 2 पर श्रौर कोई किरायेदार। (बह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सन्यत्ति है)

4. यदि धीर कोई। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवढ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मेंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सनाष्त्र होनो हो, के मोतर पूर्वानन व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इत सूबना के राज्यत्र में प्रकासन को नारी व प 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा स्रबोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्दिश्वरण: --इसर्ने प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो छक्त ग्रिश्चित्तयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

एक ग्रैंड रक्बा 250 वर्ग मोटर तुंगगई में चालीस खुंग्रा मोह कमपुरा जैसाकि सेल डीड नं० 3537 दिनांक 22-8-1979 रजिस्ट्री मधिकारी श्रमुतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, म्रमृतसर

तारीख: 14-4-1980

प्रकप भाई० टी० एन० एन०----

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 14 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए०एस०म्रार०/80-81/21---यतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इस (जिसे में इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मबीन गक्षन गांविसारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मंति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से धिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक शैंड मोहकमपुरा ग्रमुतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमुतसर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रमस्त 1979

की पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक इं और अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निमालिखित उद्देश्य से जन्त धम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िडसी घाष की वाबत, उक्त ग्रीधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के जिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम, बी बारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवत् !--

- 2. भी कान्ति कुमार पुत्र सुख दयाल ग्राप श्रीर (मखत्यार भाम) विजय कुमार पुत्र सुखदयाल मुखतार ग्राम । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरनाम सिंह पुत्र जीवन सिंह वासी महासिंह गेट ग्रम् तसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसाकि सं० 2 पर भीर कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति ग्राथोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. यदि भीर कोई है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह पूर्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के यम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---.

- (क) इस सूबता के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्ति यों पर
 सूचना की नामोज से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास किखिल किए जा सकोंगे।

स्वष्टी करण .--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अख्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भीड रक्बा 250 वर्ग गज तुंग पाई , में कोट हरी सिंह चालीस कुन्ना (मोहकमपुरा) जैसाकि सेल डीड नै॰ 3692 दिनांक 30-8-1979 रजिस्ट्रीकर्ता न्नधिकारी ममृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रॉज, भ्रमुत्तसर

सारी**ख:** 14-4-1980

प्ररूप आई• डी॰ एन• एसः ------

आयकर अधितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के बधीत भ्रता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, धमृततर

म्रम्तसर, विनोक 14 मप्रैल 1980

निर्वेश सं० एएसम्रार/80-81/22—यतः मुझे, एम०एस० महाजन,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सन्मति जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा घर ढान खटी का है, जो में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रनस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृब्यमान प्रतिकृत है लिए अन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्यक्ष प्रतिशत से अधिक है घोर भन्तरक (भन्तरकों) घोर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त धन्तरच लिखत में पास्ट- जिक कप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जबत अधि-जियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसते वक्तों में युविधा े लिए; और/भा
- (व) ऐसी किसी श्राय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पश्चितिहम, 1922 (1922 जा 11) या छक्त पश्चितियम, या अन-कट प्रवितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क यन्त्रस्ति हारा प्रकट नहीं किया गया था या किहा जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिष के लिए;

भतः अव, उक्त पशितियम की भारा 269-ए के अन्-सरकामें, मैं, उक्त अधितियन की पारा 269-व की उपधारा (1) के अभीत, निक्तिवित व्यक्तियों, अधीत्:--- श्री नन्द किशोर पुत्र सोहन लाल वासी ढाव खटीका श्रम्तसर ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती प्रेमवती पत्नी दवारका दास खन्ना वासी कटरा गली मोती रानी जिला स्रमृतसर।

(भ्रन्तिरतीः)

3. जैसा कि सं० 2 पर है भ्रौर कोई किरायेवार। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4 यदि भौर कोई
(वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत पंत्रति के धर्मन के संबंध में कोई भी घालीप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीज से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत प्रक्षितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभागित है वहीं जब होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्यो

एक घर (1/2 हिस्सा) नं० 317/10, 1009/ -7 हाब खटीका) श्रमृतसर में सेल डीड नं० 1859/1 दिनांक 31-8-1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीत: 14-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रम्तमर

श्रमृतसर, दिनांकः 14 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/80-81/23—यतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा ढाब खटीवा है, जो ध्रमृतसर

प्राप्त के स्थान है (भ्रौर इसके उपाबद्ध
भ्रतुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप के विणित है), रिजर्ट्रीवर्ता
भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में भारतीय रिजर्ट्रीवरण
भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में भारतीय रिजर्ट्रीवरण
भ्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख
भ्रयस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

 श्री पाली राए पुत्र सोहन लाल निवासी ढाबबस्ती राम ग्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

2 श्री देव:रका दास पुत्र नागीन चन्द निवासी कटरा नोती राम गली विकरम दवारका प्रमृतसर । (श्रन्तरिती)

- जैसाकि नं० 2 पर भौर कोई कि रायेदार ।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है)
- 4 यदि भ्रौर कोई है

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहरताकरी जानता है कि वह राम्पत्ति में हित्बड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्अन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीखंसे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- के प्रकाश किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक⁷गे।

स्फब्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा घर नं० 317/10, 1009/एमस-7 ढः ब खटीकां ग्रमृतसर गली गुजरां जैसा कि सेल डीड नं० 1660/डी दिनांक 31-8-1979 ग्राफ रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन सक्षम प्राप्यकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) ऋर्जनरेंज, श्रमृतसर

ता**रीख:** 14-4-1980

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रृतसर, दिनांक 14 भ्रप्रेल 1980

निर्देश सं० बीटीए/80-81/24---यतः मुझे, एम० एन० महाजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं०..................है, जो जमीन जी० टी० रोड बटाला में स्थित है (ग्रौर इमगे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों अर्थात्:—

 गंगारा तित् दिलार हिंद अवतार सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह गांव गोखू वाल बटाला।

(भ्रन्तरक)

 मैं० बटाला श्रार्डन सिल्म ढेरा रोड बटाला रिजन्द्र सिंह पार्टनर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति जिलके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त रशावर संपत्ति मो हित- दद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा राजगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि 5 कनाल ढेरा रोड बटाला पर जैसाकि सेल डीड न० 4356/सिम्तम्बर 1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी बटाला में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त, (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज,श्रमृतसर

न(रीख: 14-4-1980

मोहरः

5—5\$G^{-1/J}

प्ररूप धाई• टी• एन• एस•-

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा, 269-घ (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर,दिनांक 14 भ्रप्रैल 1980

निर्देश सं० बो टो ए/80-81/25---यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख क अधोन नक्षन प्राधिकारों को, यह विषवास करने का कारण है कि न्यावर गन्भति जिनका उचित बाबार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० भूमि है, जो जी० टी० रोड़, बटाला पर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध ग्रानुमूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सपमित के उचित वाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मति का उचित वाजार सूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रवह प्रतिगत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नितिधित उद्देश्य से उचत अन्तरण, निश्चित में वास्तरिक क्यों। अधित नहीं किया गया है:—

- (क) पन्तरण से हुई किसी प्रायकी बाबन, उक्त प्रधि-नियम के भावान कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को जिन्हें भाय-कर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्षिप्तियम, या भन-कर मिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रंथा या या किया जीना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए

यतः प्रव, उकत अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुपरण में, म उक्त प्रधिनियण की घारा 269-श की उपन्नारा (1) के यथीन, निक्निसिंगित व्यक्तियों, प्रयोत:—

- श्री सुरेन्द्र पाल सिंह पुत्र प्यारा सिंह, करतार सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह वासी गोखन्वाल तहसील बटाला। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं वटाला वैजीबिल मिल्ज बटाला राही रिजन्द्र सिंह पार्टनर।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि सं० 2 स्प्रौरिकरायेदार।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है।)
- 4 यदि ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रष्टोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोनत सम्पत्ति के प्रबंत के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी घाकोप:---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन नियम, के अध्याय 20% में परिमाणित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 3 कनाल 2 मरला मेन जी० टी० रोड़ बटाला और जैसा कि सेल डीड नं० 4372/सित० 79 राजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी ग्रमतसर में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, श्रम्ससर

तारीख: 14-4-1980

प्रक्प आईं• डी• एत• एत•⊸⊶-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ध्रमृतसर

धमृतसर, दिनांक 14 भप्रैल 1980

निर्वेश सं० एएसम्रार/80-81/26—यतः मुझे एम० एस० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मबीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- व० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी श्री/एस.............है, जो हाल बाजार श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमृस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से चम के बृश्यमान प्रतिकत के लिये अन्तरित की गई है मोर मुझे वह विश्वास करने का सारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पण्टह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित्वी (अन्तरित्वों) के बीच हेसे अन्तरण के सिएतय पाया गया प्रतिकल, निभ्नलिखन उद्देश्य से इक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिक इप वे क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आध की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रशीन कर देने के पन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर मिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिबेया, छिपाने में सुविश्वा के जिए;

श्रतः अब, उन्त पश्चिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उन्त ग्रीबिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत :--- श्री रामचन्द पुत्र वजीरी मल निवासी मेवा मन्धं हाल बाजार, श्रम्तसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री जानकी दास पुत्र किशान चन्द निवासी 229-शास्री नगर, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिश)

3. जैसा कि सं० 2 पर झौर कोई किराएदार ।
(वह व्यक्ति जिसके ध्रिधिभोग में
ध्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि और कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसक्द है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबन यम्पन्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृश्वन की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब है किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास निकात में किसे जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: - इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर नदां का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

भ्रमुसूची

1/2 हिस्सा दुकान नं० 50 थ्रो/एस हाल गेट मेवा मन्छी श्रमृतसर जैसा कि डीड नं० 2435 दिनांक 28-11-79 रजिस्ट्री ग्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन **सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रजन रेज, श्रमृतसर

तारीख: 14-4-1980

मोहरः

शरूप आई• टी० एन∙ एस•-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज श्रमतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 14 भ्रप्रैल 1980

निर्देश मं० एएसग्रार/80-81/27-स्तः मुझे, एम० एल० महाजन आयकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिधम' कहा गया है), को धारा 289 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- २० से अधिक है श्रीर जिसकी सं०......है, जो एक प्रापर्टी हाल बाजार में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय ग्रमृतमर,में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार भून्य स कम के दृश्यमान प्रतिकान के जिए प्रस्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यदापूर्वीन्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृह्य, असके दुर्भमात प्रतिफत्त सं, एते दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् विशान से प्रधिक है, भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) सौर कारतिहाँ , अन्तरितिको) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया भवा प्रात्रह्म, निम्नलिथित उद्देश्य से उस्त अन्तरक लिखित में बारतिक इस्प संक्षित नहीं किया गया है 🧺

- (क) सम्लर्ख से हुई फिली प्राय की वाबत, जनत अधि-ानयम, के अपीन कर देने के सन्तरक कथायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविसा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या घरण धास्तिओं को जिस्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

श्रप्त: अ.ज उक्त ग्रांशिनियल की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त ग्रांशिनियम की घारा 269-म की उपज्ञारा (1) के अधीन, निम्निज्ञित व्यक्तियों, ज्ञानित ।——

- श्री रामचन्द पुत्र वजीरी मल वासी 50, मेवा मन्द्री
 8/S हाल गेट अमृतमर (ध्रन्तरक)
- श्रोम प्रकाश पुत्र किशन चन्द बासी 29-ए रेन कोर्स श्रमतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि सं० 2 पर फ्रौर कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- यदि भ्रौर कोई न्यक्ति हो
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

की यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्यति * ग्रजंन के लिए कार्थवाहिया शरता हूं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन क सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (अ) इस सूपता के राज्यक्त में प्रकातन की तारी के से 45 दिन की प्रविध्या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर प्रवित्त की कामील से 30 दिन की भवित्त, की भी भविद्य बाद में धमाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब द किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, उधोहस्ताक्षरी के पाम जिख्या में किए का सकेंगे।

स्परदीकर आक्नम प्रयुक्त मन्दी धोर पदी का, जो उक्त श्रक्षितयम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो अस भव्याय में विधालया है।

धमुतुची

1/2 हिस्सा दुकान नं० 50 में जो मेवा मन्डी एप/9 हाल गेट ग्रमृतसर में है जैंगा कि सेल डीड नं० 1378/1 दिनांक 8-8-1979 रजिस्ट्री श्रिधकारी श्रमतसर में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीखा: 14-4-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सड़ायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण)

श्रजन रज, भ्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनां र 15 श्रप्रल 1980

निर्देश सं० एएमग्रार/80-81/28—यतः मुझे, एम० एल०। हाजन

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन मक्षत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीधक है

- (क) ग्रन्तरण में हुई कियो प्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के प्रधीन कर देते के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ग्रन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ब्राय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनिर्नो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ा, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अर्वः, उत्त प्रधितियनः, को प्रारा 209-ए के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपभारा (1) के अ<mark>धीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांत:---</mark> 1. श्री किशोरी लाल पुत्र मुन्शी राम वासी 45/2 असमल गंज शिवाला भाईयां श्रमतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती यश रानी पत्नी बल राज देव निवासी 45/2 अस्मल गंज श्रमतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर श्रीर किरायेदार है। (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस भूवता के राजपत्र में प्रकाशित को तारीख से 45 दित की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता को तामीन से 30 दित को श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में असाब्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्थब्दोकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिक्ष-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जमीन 400 वर्ग मीटर हष्ना सकेयर में बटाला रोड भ्रमृतसरजैसा कि सेल डीड नं० 1658/1 दिनांक 31-8-1979 रजिस्ट्री भ्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, म्रम्तसर

न(रीख: 15-4-1980

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज ममृतसर

धम्तसर, दिनोक 16 धप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसम्रार/80-81/29—यतः मुझे, एम० एल० महाजन मायकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त भ्रिक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से श्रिधक है

श्रीर जिसकी संहै, जो एक प्लाट मकबूल रोड पर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्राप्त 1979 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान

को पूर्वोक्त सम्मिक उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या धन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धनकर भ्रिष्ठियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उम्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्:—

- 1. श्री सरदूल सिंह निवासी 15 खालसा कालेज ग्रामृतसर। (ग्रान्तरक)
- 2. श्री हरबंस सिंह पुत्र दिवार सिंह, सुखबन्त कौर पत्नी हरबंस सिंह निवासी वबरित जिला ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि भौर कोई....।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकोंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टयाय-20क में परिभाषित है, वही ग्रर्ण होगा जो उम श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 438 वर्ग मीटरतुंगबाला (मकबल रोड पर) जैसा कि सेल श्रीड नं० 1348/I दिनांक 3-8-1979 रिजस्ट्री श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

एम०एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 16-4-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भ्रम्तसर

श्रम्तसर, दिनांकः 16 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसम्रार/80-81/30—यतः मुझे, एम० एल० महाजन मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्गत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से मधिक है

छद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उत्तरे बचने में मुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिताने में ∦सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधितियम की धारा 269म के श्रनुसरण में। में, उक्त श्रधितियम को धारा 269व की उपधारा (1) के श्रधीन। निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्रीमती पुष्पा वती पुत्नी घुर्गा दास वासी क्रमत रू केट, कोठी नं ० 15।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के० सी० शर्मा पुत्र लाल चन्द नियासी हरीपुर। श्रमृतसर राही मदन मोहन नियासी 53 हुकम सिंह रोड, श्रमतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर ग्रीर कोई किरायेदार। (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह क्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप}---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रशुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का जो उक्त प्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं वही ग्रंथ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका नं० 3243/930 माल रोड, बटाला में श्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1641/1 दिनांक 29-8-79 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्भ है।

एम०एल०महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 16-4-1980

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भदीन मूचना

भारत यरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 16 ग्रप्रैल 1980

ं निर्देश सं० एएसम्रार/80-81/31—यतः मुझे एम०

एल० महाजन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त यिश्वनियम' कहा गया है), की छारा 269-का के अधीत सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु० में अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी ना की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्थ में कती करने या उससे सचने में पुनिष्ठा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती अरा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 209-भ के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः !--- श्रीमती पुष्पा वती विधवा दुर्गा दास निवासी 15-ए० कैंट श्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के० सी० शर्मा पुत्र लाल चन्द शर्मा नित्रासी हरीपुरा राही एम० एम० महाजन निवासी 53 हुकम चन्द रोड श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर श्रौर कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि भौर कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितग्रद्ध है)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्षत सम्भक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्मत्ति के अर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नार्त य से 45 दिन की अवधि या तस्माध्यन्ती क्यतियों पर सूचना की तामील से 3) दिन को अवित, जा मा धवाले बाद में समध्य होती हो, के भीता प्रविक्त व्यक्तियों में से कि के व्यक्ति होना ;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्भित्त में हितबद्ध किसी अन्य अपिक द्वारा, अधोहस्त्रक्षरी के अस्य लिखित में किये जा सकेंगे।

हराधी करण :---इसमें प्रयुक्त एडिंदों और गरों का, जो उक्त पछि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 205.5 वर्ग मीटर साल रोड़ पर है जैसा कि सेल डीड नं० 1896 $^{\mid I}$ दिनांक 26-9-79 श्राफ रजिस्ट्री ग्रिधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

एम०एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्गन रेंज, अमृतसर

तारीख: 16-4-1980

प्रस्प साई० टो० एन० एन० - ----

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के **अधीन सूच**ना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक प्रायकर प्रायुक्स (निरीक्षण) प्रजून रेंज, प्रामृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 16 श्रप्रैल 1980 निर्देश सं० एएसग्रार/80-81/32—यतः मुझे, एम० एल०

को पूर्वीक्ष सम्पत्ति के उभित्र माजार भूरू से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त अम्बति का उभित बाजार मूर्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल स, एस दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रम्यरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पामा गया प्रतिकत, निम्तलिक्ति उद्देश्य से नक्त अन्तरण निक्ति में वासनिक रूप से कथित नहीं किया गया ने :---

- (ह) अन्तरम में इई हिनी आधार**ी बाबन उक्त** सर्वितिस के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक क सर्वित्व य कमी करने **या उससे बजने में सुविधा** के विष्टा धौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या ध्रम्य ध्रास्तयों को जिल्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या ध्रन-कर अक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं जन्मरिनी द्वारा पंकट नहीं किया गया था या किया जाना जातिए था, छिपाने में मुविक्षा के लिए।

अतः यन, उन्त यमिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग की उत्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री धर्म पाल पुत्र बुर्गा दास निवासी 15-ए कैंट ग्रम्तसर ।

(भ्रतरक)

2. श्री के० सी० गर्मा पुत्र लाल चन्द वासी हरीपुरा ग्रमृतसर राही एम० एम० महाजन निवासी 53 हुकम सिंह रोड़ ग्रमृतसर।

(अन्तरिती)

जैसा कि सं० 2 पर भौर कोई किरायेवार ।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
 यदि भौर कोई व्यक्ति इसमें उचि रखता हो।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करना है।

खबत सन्याम संअर्वन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :----

- (क) इस सूबना कं राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की क्षामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;]
- (अ) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिल के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अंत्र व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए भा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, तो नक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-म में परिमाधित [है, वही अर्थ होगा, तो उस अठरार में विवासिंग है।

वसुसूची

एक प्लाट बटाला माल रोड़ पर जैसा कि सेल डीड नं॰ 1895/I दिनांक 26-9-79 रिजस्ट्री ग्रिधकारी अभृतसर में वर्ण है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 16-4-1980

गेहर:

प्रकप शरहे की **एस** एस ० ----

म्रायकर म्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भमृतसर

बम्तसर, विगांक 16 ग्राप्रैस 1980

निर्वेश सं० एसघार/80-81/33—यतः मुझे एघ० एल० महाजान, धायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्यावर सम्बद्धि, जिसका स्वित बाजार मृक्य 25,000/- ६पये से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० एक प्लाट बटाला रोड़ पर है तथा....में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है धौर श्रन्तरकों) घौर ग्रन्तरित (ग्रन्तरिवयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रविक्त अप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की मामत उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के सक्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय जा किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सम्मा या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रतु-सरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-म की स्वधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राचीत:→- 1, भी धर्म पाल पुत्र दुर्गी दास वासी कोठी नं० 18 कोंट ममुतसर।

(मन्तरक)

2. श्री के० सी० शर्मा पुन्न लाल चन्द वासी हरी पुरा राही मदन मोहन महाजन निवासी 53 हुकम सिंह रौड़ भ्रमृतसर।

जैसा कि सं० 2 पर ग्रीर कोई किरायेदार।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रीधिभीण में सम्प्रति है)

4. यवि श्रीर कोई व्यक्ति ठाँच रखता ही। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)

को यह सुवमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्थम के विक्ष अप्रयोगिहियां करता हूं 4

उनत सन्पति के अर्थन के सन्धन्य में कोई भी बासीप:---

- (क) इस धूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताचील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मार्थः :---इसमें प्रपुद्धः शब्दों भीर पदों का, जो उस्त प्रिष्ठि-नियम के ग्रह्मार्थ 20-क्त में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा, जो उस ग्रह्माय म विया गया है।

अनुसूची

प्लाट 137 वर्ग मीटर मकान नं० 3240/1930 माल बटाखा रोड़ धमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1639/I दिनांक 29-8-1979 रजिस्ट्री प्रधिकारी धमृतसर में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, ग्र**मृदस**र

तारीख: 16-4-1980

त्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भर्णन रेंज, ममूतसर

धन्तसर, दिनांक 16 कप्रैस 1980

निर्देश सं० एएसम्रार/80-81/34---यतः मुझे, एम० एल० महाजम

धायकर प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत श्रिवित्यम' कहा गया है), की धररा 269-इक के भ्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से पश्चिक है

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिं। की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार सूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया ग्रंग है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की काबत, उक्त धर्षि-नियम के प्रधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922- का 11) या उत्तः प्रकिनिक्क, या ग्रन-कर प्रधिनियम, 1967 (1987 का 25) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती ग्रारा जनक सहीं विकास प्रया था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रम, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुत्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् :— धर्म पाल पुत्र दुर्गा दास निवासी कोठी नं० 15 केंट प्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० सी० शर्मा पुत्र लाल चन्द शर्मा निवासी हरी पुरा राहो मदन मोहन महाजन कोठी नम्बर 53 गली नं० 6 हुकम सिंह रोड़ श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)

3. जैसा की सं० 2 पर ग्रीर कोई किरायेदार। (अह व्यक्ति, जिसके ग्रव्धिभोग में सम्पत्ति है)

 यदि कोई व्यक्ति इसमें दिश्व रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूबना नारो करके पूर्वीका तस्त्रति के प्रजैन के लिएं कार्क्वार्मियां करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्रान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तिस्वी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवना के राजरत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पॅक्पीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक प्लाट 131 वर्ग मीटर खसरा नंo 3240/1930 माल रोड़ बटाका पर जैसा कि सेल डीड नंo 1640/I दिनांक 29-8-19879 स्थिस्ट्री प्रक्षिकारी समृतकर में वर्ज है।

एस० ६ल० महाजन सक्कम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, म्रमृतसर

सहरीचा: 16-4-1980

प्ररूप आइंे. टी. एन. एस.——-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, धमृतसर

धमुतसर, दिनांक 18 धप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसम्बार/80-81/35—यतः मुझे, एम० एल० महाजस

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक प्लाट जमीन गरीन एवेन्यू/37 है, जोमें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1979

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्फल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धर्न- कर अधिनियम, या धर्न- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत्:— 1. मैसर्स प्रमृतसर इन्प्रवमेन्ट ट्रस्ट प्रमृतसर।

(भन्तरकः)

 श्रीमती लाजवन्ती विधवा दीमा नाय, गोपाल नगर, धारीवाल, गुरदासपुर।

(भन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 ग्रौर कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति जिसके भिधभोग म श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि भौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 36, गरीन एवेन्यू ग्रमृतसर 580 वर्ग मीटर जैसा कि सेल बीड नं० 1365/I विनांक 4-5-1979 रजिस्ट्री मधिकारी ममुससर में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, प्रमृतसर

तारीख: 18-4-80

माहरः

प्रसप आई० टी० एन० एस०--

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

म्रमतसर, दिनांक 18 म्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए०एस०म्रार०/80-81/36—यतः मुझे एम० एल० महाजन

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दें से मधिक है

भौर जसकी सं० एक दुकान गुरु बाजार में है, जो मे स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (2908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य के कम के पृथ्यमात प्रतिकल के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण हे कि प्रयापूर्वाका तम्मति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐमे, दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गरा अतिकल, निम्नलिखिन उद्देश से उक्त अनरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ⊶-

- (क) अन्तरम से हुई किसो आप को वावत उना प्रधितियम, के अधीन कर देने के अध्यारक के धायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुक्तिया के लिए। और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या प्राप्त प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रतिनयम, 1957 (1957 क 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया कवा या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के निए;

जतः, मब, उक्त मिश्रिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त मधिनियम की बारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निम्सिनिया गिक्तियों अर्थात् 1-- श्रीमती संवरन लंता पत्नी रोशन लाल वासी बाजार व कचा टोकरियां ग्रमतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती क्रिज बाला पत्नी विजय कमार वासी जसमल बिल्डिंग लारन्स रोध श्रमतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जसा कि सं० 2 ग्रौर कोई किरायेषार (वह व्यक्ति जिसके ग्रक्षिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि भौर कोई है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवक्क है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति **के धर्जन के** लिए कार्यवा**हि**यां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में सभाष्त्र होनी हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियो प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रत्योहस्ताक्षरी के पास निखान में किए जा सकेंगे।

स्नब्दी करण: --इसर्न प्रयुक्त शक्यों ग्रीट पदों का, जो 'उक्त ग्रीधितियम', के प्रष्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक तीन मजला दुकान नं० 17/4, 8/4 गुरु बाजार श्रमतसर में रक्बा 40 वर्ग मीटर जैंगा कि सेल डीड नं० $1372/\mathbb{I}$ दिनांक 6-8-1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रज ग्रमतसर

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर **पांध**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ममससर

श्रमृतसर, विनांक 22 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसम्बार/80-81/37---यतः मुझे, एम० एल० महाजन

मासकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सक्सित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है धौर जिसकी सं० जमीन का दुकड़ा है, जो शास्त्री नगर प्रमृतसर में स्थित है (धौर इससे उपाबद धनसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16') के प्रधीन, तारीख सितम्बर 1979 को

पूर्वोकत सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वतः करने का कारण है कि यमापूर्वोकत सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐते प्रन्तरम के लिए तम पाम गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश हे उहा अन्तरम निख्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ले हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी माय या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मत:, मब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त मिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के मकीन निम्निखित व्यक्तियों, मर्थात्।——

- श्रीमती कुनुम सूरी फली एत० सी० सूरी पुत्री इन्दरसेन 30 रेस कोर्स रोड़ धमृतसर। (धन्तरक)
- 2. श्री कमल जैन पुत्र लक्ष्मन वास मार्फत लोहरी मल लीला राम कटरा ग्रह्मलुवालिया श्रमृतसर। (स्रन्तरिती)
- जैसाकि नं० 2 में है।यदि कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिमिगेग में सम्पत्ति है।)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलका है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तम्मीन से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबढ़ किसी चन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताकरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वष्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग जमीन का टुकशा नं० 41 मेन शासी नगर ध्रुक्तसर रक्का 140.6 वर्ग गज रजिस्ट्री क्रुत नं० 1720 विनोक 5-9-1979 रजिस्ट्री अधिकारी समृतसर शहर में है।

> एम० एस० महाजन सक्तम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

ता**रीख** :22-4-80

प्रस्प भाई० टी० एन० एन०-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्वर्णन रेंज, श्रमृतसर

धम्लसर, दिनांक 22 धप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसमार/80-81/38——यतः मुझे एम० एल०

म्बानिकर मिलिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिलियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मिलियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से मिलिक है

भौर जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है जो शास्त्री नगर ध्रमतसर में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबब धनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोच्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतियत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिकों (अन्तरिवयों) के बीच ऐसे अन्तरण के खिए ता ग्राशा ग्रा अश्विकन, निम्नितिबाद उद्देश पे उनत पन्तरण लिखित में बास्त्रविक कर से कथित नहीं किया सवा है:---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी घाय की बाबत, उक्क प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घरतरक के दायित्व म काफ़ी करने या उससे बक्कों में सुविधा के लिए; धौर/या
- (व) ऐसी िनमी पाय या किसी धन या मध्य भारितयों को जिस्हें भारतीय प्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त संधिनियम, या सन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थोनगार्थ प्रश्निती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुमिक्षा के लिए;

धतः श्राप्त, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-प की उपधारा (1) के सप्तीम निक्नजिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- 1. श्रीमती मधु चावला पत्नी के० सी० चावला 30 रेस कोर्स रोड़ श्रमृतसर ध्यू जोगिन्दर सिंह। (श्रन्तरक)
- श्री कमल नैन पुत्र लक्ष्मन दास मार्फत लोहरीमल लीलाराय कटरा ग्रहुवालिया ग्रमृतसर।

(मन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरादार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्तरी जानता है)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी अपितायों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से
 45 दिन के धीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्वाक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

हराब्दोक्तरगः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदौं का, जो उक्त ग्रिवितयम के ग्राव्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्राव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग जमीन का टुकड़ा नं० 41 मिन शास्त्री नगर ग्रमतक्षर 140.6 वर्ग गज जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1721 दिनांक 5-9-79 रजिस्ट्री ग्रिधकारी ग्रमतसर शहर में है।

> एम• एकः महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भ्रम्तसर।

तारीख: 22-4-1980

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

प्राथकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 24 श्रप्रैल 1980

निर्वेष सं० एएसम्रार/80-81/39—यतः मझे, एम० एल महाजन,

प्रायकर धिर्मियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिर्धात सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/— ४० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन का दुकड़ा है, जो शास्त्री नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1979

प्रधान श्रगस्त 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुशे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंणित का उचित बाजार
मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्रह
प्रतिशान श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर भन्तरिती
(श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से ज्वेत श्रन्तरण लिखित में वास्तिक
क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत खक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे बचने में मृतिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या जिसी धन या प्रश्य ग्रास्तियों को, जिल्हें श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत श्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त श्रधितियम की घारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :-- श्रीमती णीता राय पुत्र जगवन्त राय 30 रेस कोर्स रोड भ्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री कमना नैन पुत्र लक्षमन दास जैन कटरा श्रहवालिया मकान नं० 1180 श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में किच रखता होतो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवन सम्पत्ति के **मर्ज**न के निए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ६म स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टी करणे '--इपेमें प्रयुक्त मध्यों और पर्दों का, जो उचल अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है बड़ी पर्यं दोगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

भ्रनुमुची

1/3 भाग जमीन का टुकड़ा नं० 41 मिन शास्त्री नगर ग्रमृतसर 140.6 वर्ग गज रजिस्ट्रीकृत नं० 1473 दिनांक 13-3-1979 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर शहर में है।

> एम० एल० महाजन ॄैपक्षम प्राधिकारी यर्ष्यक प्रापकर ग्रापुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमतसर

नारीख: 24-4-1980

प्रकप बाई • टी • एम • एस •----

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के भ्रमीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर ग्रमतसर, विनोक 24 ग्रंपील 1980

निर्देश सं० एएसग्रार/80-81/40---यतः मझे, एम० एल० महाजन

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्कात् 'उका अधिनियम' नहां गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभाम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- अगर से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट जो शास्त्री नगर ग्रम्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नानार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) मोर पन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उचन अन्तरण लिखिन ग्रें तस्ता गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर देते के अन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा क लिए शौग/या;
- (ख) ऐसी किसी आज या किसी घन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें मारतीय प्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ प्रन्तिरिती कारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना बाहिए या, छिपार में प्रविधा के लिए;

भनः, यब, उना प्रधिनियम की भारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपक्षारा (1) अग्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थाना -17—56GI/80 श्रीमती शीला राय पुत्नी, श्री जसवन्त राय निवासी 30, रेस कोर्स रोड, श्रम्तसर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रिजन्द्र सिंह पुत्र श्री सुजान सिंह निवासी 2641, शहीद भगत सिंह रोड, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर भ्रौर किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रधोहरूताक्षरी जातनता है)

4. यदि भ्रौर कोई हो तो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

जनत सम्पत्ति के अर्जैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तहसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति कारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भोतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य क्यांत्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

क्यब्दीक्करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, को उक्त श्रीक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ्रेहै, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया ्रीगया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा प्लाट शास्त्री नगर नं०-41 (मिन 139.3 वर्ग गज) शास्त्री नगर जैसा कि सेल डीड नं० 1472 दिनांक 13-8-1979 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्रा<mark>धिकारी</mark> सहायक <mark>घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रजैन रेंज, घ्रम्तसर।

तारीख: 29-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, प्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 22 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० एएसम्रार/80-81/41—यतः मुझे एम० एल० महाजन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट जो शास्त्री नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); जिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रीमती कुसम सूरी परनी क्रिगे० एस० प्सी० सूरी पुत्री इन्द्र सेन वासी 30- रेस कोर्सरोड़ प्रमृतसर द्वारा जोगन्द्र सिंह पुत्र सवरन सिंह वासी गेट मक्तावाला प्रमृतसर ।

(म्रन्तरक)

2. भी राजिन्द्र सिंह पुत्र सुजान सिंह निवासी 2614 शहीद भगत सिंह रोड़ भ्रमृतसर।

(घन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिमीग में ग्रिधीहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके दारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितदब है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकोंगे।

स्यख्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्तं, विधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1/3 हिस्सा प्लाट नं० 41िमन एरिया (139.3 वर्ग गज) शास्त्री नगर में जैसा कि सेल छीड नं० 1718/दिनांक 5-9-1979 रजिस्ट्री झिंखकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयक्त (निरोक्षण) मर्जन रॅज, धमतसर

तारीख: 22-4-1980

मोहर 📭

प्रहर ग्राई० टी० एन० एन०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

मन्तर, दिनांक 2 मनैल 1980

निर्देश सं॰ एएसम्रार/80-81/42--यतः मुझे एम॰ एल॰ महाजन

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

भीर जिसकी में एक प्लाट जो शास्त्री नगर में स्थित है (भीर इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूस्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भीर मझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी जिसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर अवितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरतो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए जा, जियाने में सुविधा के सिए;

अतः वन, उक्त प्रधितियम, को घारा 269-ग के अनु-बरण मे, में, उक्त अधिनियम की चारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- श्रीमती माघो चावला पत्नी श्री के० सी० चावला पुत्री ईन्द्र सेन निजासी 30 रेत कोर्त रोड, श्रम् नसर जोगिन्द्र सिंह पुत्र सबरत सिंह वासी गेट भक्तावाला, श्रम्तसर।

(श्रन्तरक)

2. श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र सुजान सिंह निवासी 2614, शहीव भगत सिंह रोड, मृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में
ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि और कोई होतो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में म्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत अग्नि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रामं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

1/3 हिस्सा प्लाट नं० 41 (139.3 वर्ग गज) शास्त्री नगर, ग्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1719/1 दिनांक 5-9-1979 रजिस्ट्री भ्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, ग्रमुतसर

तारीख : 22-4-1980

प्रक्रप साई• ही • एम• एस•⊶-

आवकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 म्रप्रल 1980

निर्देश सं० के०-91/प्रार्जन क्ल्प्यतः मुझे अमरसिंह बिसेन भागसर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त धिश्वनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सभाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उनित्त बाबार मूल्य 25,000/- रुपए से घणिक हैं,

श्रौर जिसकी सं दी लक्ष्मी सिनेमा विल्डिंग है तथा जो हरदोई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से धर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24 सितम्बर 1979

को विकित ने गील के अधित बाजार मृहय से कप के दूष्यमान पतिकत का अप प्रस्तिति की गई है और पृष्ठे यह विक्तान कर के का का उपित बाजार मृहय, का का उपित बाजार मृहय, उसके दृष्ट पान प्रतिकत से, ऐक दृष्टमान पतिकल का पत्रह प्रतिशत प्रधिक है पोर मन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (पन्तिवाध) के बीच ऐ। पन्ति के निस्तय पाया गया प्रतिकत,। (वनिवाधत उद्देष्य से अन्तर गिर्मा त्रिकत में अन्तर कि ना ना कि ना कि

- (क) अन्तरण से हुई। इसी धायकी बाबत, खक्त पश्चितियम, के बधी तकर इन है उन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या तिसी धन या अन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर क्षिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रश्चिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्धं सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना च्याहिए द्या, ियामे में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त भिक्षितियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मै, उन्त अधितियम की धारा 259-घ की उपकारा (1) के बनीअ, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थांत्:— श्री रामेम्बर वास, भ्रोमप्रकाश, रतन भन्द, बुज मोहन सेठ रामगोपाल, महाबीर प्रसाद हेमन्त व श्रीमती दुर्गा देवी द्वारा ऐजेन्ट सेठ रोमगोपाल

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स के० एन० मुंकी एम्ड सन्स हरवोई व दि काशीनाथ सेठ बैंक लि० हरदोई।

(ब्रन्तरिती)

 उपरोक्त विकेता, केता 1/2 भागव किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री दया विनोद व सरन विनोद (ग्राधा भाग)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजेन के लिए कार्निशाह्यां करता हूं।

उक्त सन्। ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारी आ से 4.5 दिन की अवधि मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविश्व साद में समाप्त होती हो, के भीतरपूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी क्यांकत कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए खा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षित्तियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, बहो अर्थ होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

दि लक्ष्मी सनीमा बिल्डिंग स्थित मोहल्ला बेहरा सौदागर परगना-बाँगर तहसील व जिला हरदोई गय प्लान्ट मशीनरी फर्नीचर, फिटिंग 17 दुकानें व भूमि प्लाट नं० 3162 मिन-जुमला दो बीधा खाध इत्यादि का झाधा भाग व वह सारी सम्पत्ति जो फार्म 37-जी संख्या 2813 व सेलझीड में बणित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार हरदोई के कार्यालय में दिनांक 24-9-1979 को हो चुका है।

श्रमरसिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैंक रेंज, लखक्तक

तारी**ख**: 18-4-1980

प्रकार काई • ठी • एन • एस • —

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक पायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे

पूना-41004, दिनांक 16 भ्राप्रैल 1980

निर्देश सं० एसी 3/भ्र-नगर/ 80-81----यतः भुझे एस० के० स्यागी

कायकर किकिनियम, 1931 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के क्षधीन मक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृष्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० सी०टी० एस० नं० 3576 है तथा जो भ० नगर में स्थित है (भीर इससे उपाबड भ्रनुसूची में भीर पूर्यण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय यम निबंधक भ्र-नगर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 23 नवम्बर 1979

को पूर्विकत सम्पत्ति के उतित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्मति का उचित बाजार पूरा, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यान प्रतिफल के एन्ट्रह पिश्वत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, तिस्तिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरन लिखित में वास्तिबक क्य से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) भग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनिया के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें मारतीय अप्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिख;

जतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त मिंकिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्घातः— 1. वी अहमदनगर इमारत कंपनी लिमिटेड ग्रहमद नगर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हेमचंद ताराचंद भंडारी म्रहमदनगर। (अन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त मन्पति के अर्जन के मन्द्रस्य में कोई भी पाछेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवस्ता पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजान में प्रकारा की लारोख से 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्मित में हित बढ़ हिभी अन्य क्यांच्त द्वारा, श्योर्श्ताक्षरी के पास निखित में हिए जा महोंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रवृत्त गम्दों और पदों का जो उत्त प्रितिया के अञ्चाय 20क में परिभाषित है, वही पर्व होगा, जो उस प्रध्याय में विया मया है।

अमुसूधी

हाऊस प्रापर्टी एण्ड सी॰टी॰ एस॰ नं॰ 3576 (पी) भ्रहमदनगर सिटी।

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2174 23 नवम्बर 1979 को दुम्बम निबंधक ग्रहमदनगर दक्तर में लिखा है)।

> एस० के० स्थागी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, पूना

तारी**ज**: 16-4-1980

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानम, पहामक अध्यक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ध्रहमदाबाद

ध्रहमदाबाद, दिनांक 23 भ्रप्रैल 1980

निर्देश संव पीव प्रारव नंव 1012 एवं नोव मृत्व 23-1/79-80—यत: मुझे, एसव सीव परीख,

भायकर श्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसर्ने इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियन' कहा गया है) को धारा 269-व के अधीर नजा याधिकारी को, यह त्रिस्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिनका उत्तिर बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० एस० नं० 401 प्लाट नं० 11 है तथा जो राजकोट मे स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिष्ठकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 10 श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित प्राजार मूल्य से लग्न के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनक दृश्यमान अतिकत स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (प्रनरका) श्रीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बोच ऐसे प्रन्तरण के निर् ता पाया गया प्रतिकत निम्नलिवित उद्देश से उनत प्रनरण निश्चित में बास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है —

- (क) ग्रन्तरण ने हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी िनमा श्राम शा किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्निजिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:—- 1. मैसर्स श्रीकांत बेलडींग वर्स्स 16, भक्ती नगर उद्योगनगर, राजकोट।

(ग्रन्तरक)

- 2. मैससै सायन्टीफिक एन्जीनियरिंग वक्सै भागीदार
 - (1) मोहनलाल गोरधरनभाई
 - (2) श्रीतिभोवन गोरधनभाई राजपुट पुरा राजकोट। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूवना के राजरत मे प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भी र उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कितो अन्त्र व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्व**ण्डी कर**ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्राधि-नियम, के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ ोगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भ्रौर मकान एस० नं० 401 फ्लॅंट नं० है जो राजकोट में नं० 5002 से 10-8-79 के रोज रजिस्टर्ड की राजकोट में स्थित है श्रौर रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गई है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, महमदाबाद

तारीख: 23-4-1980

मोहर

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-ा, स्रहमदाक्षाव

ग्रहमदाबाष, दिनांक 23 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1015 ए० सी० क्य० 23-1/79-80---यतः मझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 57 है तथा जो हजूर पैलेस रोड राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30 ग्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों सुधृतिः--- श्री हरगोन्धिदभार मगनलाल कराडीच्रा भगाडी बजार राजकोट।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नारारभार पोपटभाई, सत्यराज प्लोट राजकोट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन धौर मकान प्लाट नं० नं० 57 है जो हजूर पैलेस रोड राजकोट में स्थित है धौर रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 2740 से दिनांक 30-8-1979 के रोज रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-, श्रहमदाबाद

सारीख: 23-4-1980

माहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर द्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 🛚 ग्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1016 एसीक्यू० 23-I/79-80 — यतः मुझे, एस० सी० परीख, ग्रायकर ग्रिबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

पश्चात 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269 ज के श्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रिक है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य अपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखन उद्देश्य से उच्त भ्रन्तरण लिखिन में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) घरतरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः, श्रवः, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अत्रीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री बाबलाल लखमीचन्द भांडवी चौक राजकोट। (श्रन्तरक)
- 2. श्री धीरजलाल छगनलाल ब्रह्मखन्नी भांडवा चौक राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध्या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी थन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: --इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पत्ती का, जो उक्त मधिनियम के ग्रम्याय 20-क में परिमाणित है, वही ग्रर्थ होगा जी सस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रौर मकान पुराना गायावाड सोनीबाजार राजकोट में स्थित है श्रौर राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 5263 से रिनांक 29-78-1979 के रोज रजिस्टड की गई है।

ए०स सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 23-4-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के भिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णनरेंज-1, श्रष्टमवाबाव श्रष्टमवाबाव, विनाक 23 श्रप्रैल 1980

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से भिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 एस० न० 885 है तथा जो मनी मकान के पास राजकोट में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 धगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रष्टिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बावर, उक्त श्रीविषम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विख्याने में सुविधा के लिए।

1. श्री ह्समृज्यभाई जीवाराजभाई पोबारू 7 सदगुरु नगर, राजकोट।

(म्रन्सरक)

 श्री उमेवभाई प्राणशंकर पंड्या 2-10 गायकवाडी, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो
 भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का हिस्सा प्लाट नं० 7 एस० नं० 885 हैं जो मोराबी हाउस के पास राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्री-कर्ता ग्राधकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 5034 से दिनांक 16-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायन ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण), ग्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

तारीख: 23-54-1980

प्ररूप माई० टी• एन• एस•----

आयकर यश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बिहार पटना

पटना, दिनांक 19 अप्रैल 1980

सं० III 388/म्रर्जन/1980-81---यतः मुझे, निदश ज्योतिनद्र नाथ, मायनर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मान, जिसक उचित बाजार मूख्य 25,000/- र॰ से मधिक है भ्रौर जिसकी सं० विवरण का ब्यौरा वसिका नं० 3844 दिनांक 21-8-79 के म्राधार पर है तथा जो म्रब्दल रहमानपुर थाना मालसलामी पटना में स्थित **है (औ**र इससे उपा**बद्ध** श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना सिटी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पनि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। विकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यपान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित ्रेम्य से सक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 209ना के बनुसरण में, मैं, उन्न अधिनियम की धारा 269च की उपधारा (1) के अधीन, नुम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री राय मथुरा प्रसाद वल्द स्व० राय महाबीर प्रसाद।
 - (2) श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री राय मणुरा प्रसाद।
 - (3) श्री राय विजय बहादुर खरे वरुद श्री राय मथरा प्रसाद।
 - (4) श्रीमती उषा खरे पहनी राय विजय बहादुर खरे निवासी मोहल्ला महाराज घाट थाना खाजकला पटमा सिटी।

(ग्रन्तरक)

 सरदार घरण जीत सिंह वल्द सरदार प्रीतम सिंह निवासी मोहल्ला हाजीगंज थाना चौक पटना सिटी जिला पटना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाता सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

छनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजाक्ष में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहरूताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो अस अध्याय में दिया गया है ।

धनुसूची

श्रमल सम्पत्ति जो वसिका नम्बर 3844 दिनांक 21-8-1979 में वर्णित है तथा जिसका निवेन्धीत श्रवर निवेन्धक पदाधिकारी पटना सिटी के द्वारा हुश्रा ।

> ज्योतीन्त्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, बिहार, पटन*

तारीख: 19-4-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० III 389/ग्रर्जन/1980-81---यतः, सुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० विवरण का क्योरा वसिका नं० 3922 दिनांक 27-8-79 के श्राधार पर है, तथा जो श्रक्टुन रहमान-पुर थाना मालसलामी पटना में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीवरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 27 श्रगस्त 1979

को 16) कथ्रधान, ताराख 27 ग्रंगस्त 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यपान प्रतिकत्त के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल हो, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,श्रथीत्:—

- (1) श्रो राय मथुरा प्रसाद वल्द स्व० राय महावीर प्रसाद।
 - (2) श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री राय मथुरा प्रसाद ।
 - (3) श्री राय जिय बहादुर खरे वस्त्व श्री राय मथुरा प्रसाद ।
 - (4) श्रीमती उषा खरे पत्नी राय बहादुर खरे निकासी मोहल्ला महाराज घाट थाना खाजेकला, पटना।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री सरदार त्निलोक सिंह वल्द सरदार करतार सिंह सा० मोहल्ला हाजीगंज थाना खौक पटना सीटी जिला पटना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वडिश हरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रजल सम्पत्ति जो वसिका नम्बर 3922 दिनांक 27-8-1979 में विणित है तथा जिसका निवेन्धत श्रवर निवेन्धक पदाधिकारी पटना सीटी के द्वारा हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 19-4-1980

प्ररूप आई० टी• एन० एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 19 स्प्रप्रैल 1980

निर्देश सं॰ III 390/प्रजैन/80-81—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र माथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं विवरण का ब्योरा विसका नं 3978 विनोक 18-8-79 के प्राधार पर है तथा जो अब्दुल रहमानपुर याना मालसलामी पटना में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुस्त्री में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ती का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के श्रायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए। सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राथ-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित स्विन्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री राय मधुरा प्रसाद वल्द स्व० राय महावीर प्रसाद।
 - (2) श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्रीप्राय मथरा प्रसाद ।
 - (3) राय विजय बहादुर खरे, वस्य राय मधरा प्रसाव।
 - (4) श्रीमती उषा खरे पत्नी श्री राय विजय बहातुर खरे निवासी महाराज बाट बाना खण्डला पटना सिटी।

(झन्तरक)

2. सरवार मुखजीत सिंह वल्द सरदार प्रीतम सिंह निकासी हाजीगंज थाना चौक पटना सिटी जिला पटना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवित्र या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्याबर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रक्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :--- इसमें प्रयुक्त मान्यों भीर पदों का, जो उत्तर अधि-नियम, के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

भवल सम्पत्ति जो वासिका नम्बर 3978 दिनांक 18-8-1979 में वर्णित है सथा जिसका निवेन्धीत भवर निवेन्धक पदाधिकारी पटना सीटी के द्वारा हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भायुक्त (निरीक्षण) सर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख 19-4-1980 मोहर: प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

वायकर व्यविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के व्यविन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज भिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 ध्रप्रेल 1980

निर्देश सं० III 391/धर्जन/1980-81---यतः, मुझे, ज्योतीन्त्र नाथ, आवकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

कायकर मिर्मिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिर्मिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित माजार मूल्य 25,000/- क्पमे से मिर्मिक है मीर जिसकी सं० विवरण का ब्योरा वसिका नं० 3955 दिनांक 30-8-79 के मधार पर है तथा जो मन्द्रल रहमान पुर थाना माजसवामी पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिन १२०॥ के कार्यालय पटना सिटी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन, सारीख 30 श्रगस्त 1979

(1908 का 16) के अधीन, सारीख 30 श्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पेस प्रतिफल के पग्द्रह प्रतिभात से प्रविक है भीर धन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (यन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाक्तिक रूप से बिकत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी बाव की बाबत उक्त, धिन नियम के सधीन कर वेने के सन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के बिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अभ्य आहितयों की, जिन्हें, भारतीय घायकर घंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घंधिनियम, या घन-कर घंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भ्रतः, ग्रब, उनत भिर्मितयम की बारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त भिर्मित्रम की बारा 269-थ की उपबारा-1 के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रषीत् :---

- (1) सरदारराय मथुरा प्रसाद वल्द स्व० राय महावीर प्रसाद ।
 - (2) श्रीमती सरस्वती वेवी पत्नी राय मथुरा प्रसाद।
 - (3) श्री राय विजय वहाषुर खरे विल्व श्री राय मथुरा प्रसाद।
 - (4) श्रीमती उषा खरे पत्नी राय विजय बहाबुर खरे निवासी महाराजभाट थाना खजकला पटना सिटी पोस्ट मछरहट्टा जिला पटना। (ग्रन्तरक)
- 2. सरदार जगतार सिंह बस्द सरदार न रतार सिंह सा० हाजीगंज आकखाना झाउगंज पटना सीटी जिला पटना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य श्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण :--इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भिविनयम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रषे होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

मनुसूची

ग्रवल सम्पत्ति जो वसिका नम्बर 3955 दिनांक 30-8-1979 में वर्णित है तथा जिसका निवेन्धीत भवर मिबेन्धक पर्याधिकारी पटना सिटी के द्वारा हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 19-4-80

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 श्रप्रैल 1980 निर्देश सं० III 392/ग्रर्जन/1980-81---यतः, मुझे, ज्योतीन्त्र नाथ.

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-से गजार मुख्य रुपए भिधिक है भौर जिसकी सं० विवरण का ब्योरा वसिका नम्बर 3965 विनांक 30-8-79 के फ्राधार पर है तथा जो अब्दुल रहमान पूर थाना माल सलामी पटना में स्थित है ग्रोर इससे उपाबढ़ इन्सूर्च में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय पटना सीटी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के भ्रधीन तारीख 30 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरिस की गई है और मृझे यह विश्वास करने का करिंग है कि यथापूर्वोक्त सम्पाल का उचिन बाजार मून्य, उसके कृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरात्राव्यों) के बीच ऐसे धन्तरणके लिए तय पाया गया। प्रतिकित निम्नलिखित उद्श्य से उस्त बन्तरण लिखित में शस्तिबिक सप से किथा नहीं किया गया है;

- (क) यन्तरम संदूर्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के धर्धीन कर देने के अन्तरक के वास्तरक में कमी करने या उसके बचने में सुविधा कासए; भीर/या
- (धा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त धिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ भन्तिकों। द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अता, अब, उक्त मिंदियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त श्रविनियम की जारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्।——

- (1) श्रो राय मथुरा प्रसाद वस्त स्व० राय महावीर प्रसाद।
 - (2) श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री राय मथुरा प्रसाद ।
 - (3) राय विजय बहाबुर खरे बल्व श्री राय मथुरा प्रसाव।
 - (4) श्रीमती उषा खरे पत्नी श्री राय विजय बहादुर खरे निवासी, महाराजवाट थाना, खाजेकला, पटना सिटी। (प्रन्तरक)
- सरवार बलविन्द्र सिंह वस्य सरदार भ्रयतार सिंह सा० हाजीगंज चौक थाना चौक पटना सीटी, जिला पटना।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूवता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति हे अर्गैत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस पूचना के राजनत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की मबधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नानीन से 30 दिन की मबधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस मूनना के राज्यत में प्रकाशन की नारीज से 45 दिन के मीतर जनन स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य अपनित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निजित्त ने किए आ सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित, है वही अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रकार मंदि जो वसिका नम्बर 3965 विनाक 308.79 में कांगत है तथा जिसका निवेन्सीत श्रवर निवेन्सन पदाधिकारी पटना सीटी के द्वारा हुश्रा है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिह्यर, पटना

तारीख: 19-4-1980

प्रकण माई • टी • एत • एस • ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 19 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० III 393/अर्जन/1980-81---म्रतः मुहो, ज्योतीन्त्र नाथ

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिसका सम्पत्ति मुख्य 25,000/- इपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० भ्रार० एस० प्लाट नं० 1554 भ्रार० एम० खाता नं० 59 नवीन प्लाट नं० 445 वार्ड नं० 6 इत्यादि हैं तथा जो जमशेदपुर में स्थित हैं (श्रीर इमसे उपाबड़ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालयजमशेदपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 27 श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के यूक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूक्यमान प्रतिफल के पन्त्र हु प्रतिमात से प्रधिक्त है और प्रम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिक उद्देश्य से उक्षत भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत उक्त भिक्तियम के भिक्ति कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिलिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलिनियम, या धन-कर मिलिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत अधिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जयन्ती लाल भागु भाई देसाई बल्द भागु भाई
 प्राण बल्लभ दास देसाई ।
 - (2) श्रीमती विद्यया जे० देसाई जौजे जयन्ती लाल भागुभाई देसाई सा० -26 सर्कीट हाउस ऐरीया थाना विस्टूपुर जमशेदपुर।

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री लक्ष्मी नारायण वंशल वल्द सुरजमल जी भोगेनिया।
 - (2) श्रीमती भगवती देवी जौजे श्री लक्ष्मी नारायण वंगल ।
 - (3) श्री राकेश कुमार बल्द लक्ष्मी नारायण दंशल सा० 33 राजेन्द्र नगर थाना साकची जम धेद-पुर जिला सिंधभूम ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी स्पिन्तयों पर सूचना की तारीख से 30 विन की अविध, जो भी अविध आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्पिन्तयों में से किसी स्पिन्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

जमीन का रकबा 16,160 वर्गफीट दो मंजीले पक्के मकान सहित जिसका प्लाट नं० 26, सर्कीट हाखस एरीया, भार एस प्लाट नं० 1554, श्रार० एस० खाता नम्बर 59 नवीन प्लाट नम्बर 445 वार्ड नम्बर 6 है तथा जो जमशेदपुर जिला सिंहभूम में स्थित है। जो पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 5529 दिनांक 27-8-79 में विणित है जिसका पंजीकरण जिला भ्रवर निबन्धक पदाधिकारी जमशेदपुर द्वारा हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 19-4-80

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, पटना

पटनः, विनांक 22 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं III -394/अर्जन/80-81---यतः मुझे ज्योतीन्त्र नाथ मायकर मधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वास 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित मृल्य 25,000/-रुपये से मौर जिमकी सं० थाना नं०-188, वार्ड नं० एन०-2 पुराना-1, होस्डिंग नं०-144 पुराना-2402 है, तथा जोग्राम रेडमा, थाना-डालटेन गंज जिला-पलामू में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पतामू में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1 प्रगस्त 1979

को 16) के अधान, ताराज 1 अगस्त 1979
को पूर्वोक्त सम्मिल के उचित बाजार मूह्य से कम के
बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल का
पिचत बाजार मूह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मौर
अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रवि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाम या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मत:, भव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयांत :---

- श्रीमती कमला कोहली परनी श्री बनारसी लाल कोह ली ग्राम—रेडमा, थाना डालटेन गंज, जिला पलामू। (श्रम्तरक)
- 2. श्री विलोचन सिंह पिता सरदार वर्शन सिंह ग्राम रेडमा, थाना डालटेनगंज, जिला पलामू। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिएकार्यवाहिया करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी ग्रन्य वाक्ति द्वारा, प्रजोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववद्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ध्रयें होगा,जो उप ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत का रक्बा 15 डिसमल जो ग्राम-रेडमा, थाना---डालटेनगंज, जिला पलामू में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 6935 दिनांक 1-8-1979 तथा जो जिला भवर निजंधक पदाधिकारी पलामू द्वारा पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राप्तिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 22-4-1980

प्रकृष भाई० टी• एत• एस•---

आयकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बिहार पटना

पटना, विनांक 22 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 11 -395/म्रर्जन/80-81 — यतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

आपकर माधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रथात् 'उक्त भिर्मिपम' कहा क्या है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से अधिक है

मौर जिसकी सं० एम० एस० प्लाट नं० 163 भौर भार० एम० प्लाट नं० 172, 173 का श्रंश, खाता नं० 116 वार्ड नं०-VI रांची म्यूनिस्पलटी है, तथा जो सी राम० स्टेशन रोड़ रांची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना राची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 अगस्ते 1979 की पूर्वोंकित सस्पत्ति

के एक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से मिष्ठक है और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-~

- (क) पन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्राधिक निमम, के भ्राधीन कर देने के भ्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रीर था
- (ख) ऐसी किसी आय या भिषी धन या भण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धवं, उन्त अधिनियम की घारा 26 क्रम के अनुसरण में, में, उन्त प्रक्षिनियम की बारा 26 क्रम की छश्चारा (1) के अश्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचाँत्ः— 14—553 (3)

- 1. (1) श्री मनबेन्द्र चौधरीं।
 - (2) श्री रवीन्द्र चौधरी।
 - (3) भी समरेन्द्र चौघरी।
 - (4) श्री ग्रारवीन्द चौधरी पिता स्व० कृष्ण मोहन चौथरी साकिन—कैलाश बाबू स्ट्रीट, हिन्दी पीरी, रांची।

(पन्तरक)

2. सरदार सजनाम सिंह एवं सरदार झोंकार सिंह पिता स्थ० सरदार गुरुमुख सिंह साकिन स्टेशन रोइ रोची।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप।---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवित्र या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवित्र, जो भी धवित्र कांच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किमी प्रत्य व्यक्ति बारा, अबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण 1--इसमें प्रयुक्त सन्तों भीर पदों का, जी उक्त प्रश्चित्रयम के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाजित है, वहीं भ्रषं होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छप्परबंदी जमीन का रकबा 7 कहू। 12 छंटाक भी एम० एस० प्लाट नं० 163, म्रार० एस० प्लाट नं० 172-173 का मंग, खाता नं० 116 रोची म्यूनिसिप्लटी के वार्ड नं० VI जो सीराम, स्टेशन रोड़, रोची में स्थित है सथा पूर्ण रूप से, दस्तावेज संख्या 7272 दिनांक 30-8-79 को जिला मवर निबंधक पदाधिकारी रोची द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीम्ब्रनाथ स्वयम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना ।

तारीख: 22-4-80

मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st May 1980

No. F.44/80-SCA(Genl.).—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1965 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has directed that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Monday, May 12, 1980 to Sunday, July 20, 1980 (both days inclusive) and will reopen on Monday, July 21, 1980.

Under rule 6 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended), the Honble Chief Justice of India has nominated Hon'ble Mr. Justice P. S. Kailasam, Hon'ble Mr. Justice E. S. Venkataramiah and Hon'ble Mr Justice S. Murtaza Fazal Ali to be vacation Judges to hear matters of an irragent nature, which under the above rules may be heard by a Judge sitting singly during the period shown against their names below:

Hon'ble Mr. Justice P.S.Kaliasam from May 12 to June 15, 1980 (both days inclusive). Hon'ble Mr. Justice E. S. Venkataramlah

from June 16 to June 19, 1980 (both days inclusive) and from July 1 to July 20, 1980 (both days inclusive). Hon'ble Mr. Justice S. Murtaza Fazal Ali

fro mJune 20 to June 30, 1980 (both days inclusive).

Hon'ble Mr. Justice P. S. Kailasam will sit in the Court on Tuesdays, May 27 and June 10, 1980, Hon'ble Mr. Justice S. Murtara Faral Ali on Tuesday, June 24, 1980 and Hon'ble Mr. Justice E. S. Venkataramiah on Tuesday, July 8, 1980. Sitting will, however, confinue on the next succeeding day(s) matters fixed for any day are not finished on that day.

During Summer Vacation the Office of the Court will remain open dily from 10.00 A.M. to 4.30 P.M. except on Saturdays, Holidays and Sundays. The offices of the Court will however, remain open on Saturday, July 19, 1980 from 10.30 A.M. to 1.30 P.M.

No plaints, appeals, petitions or other documents except those which are of an urgent nature will be filed or received No plaints, appeals, petitions or other documents excent veation. For the convenience of the parties, however, the Registry will receive all plaints, appeals, petition and other documents from July 14, 1980 onwards during office hours.

R. SUBBA RAO Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 19th March 1980

No. A.19014/79 Admn.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Dr. Ravi P. Bhatia, Lecturer in the National Council of Educational Research & Training, New Delhi to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of 2 years with effect from the forenoon of 4th March 1980 or until further orders, whichever is earlier, under proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulation. 1958.

S. BALACHANDRAN Under Secy.

for Chairman

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st March 1980

No. P/33-Admin I.—The President is pleased to permit Shri V S. Riat, a permanent Section Officer and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service, after attaining the age of superannuation with effect from 31st March, 1980 (AN).

No. P/271-Admn.I.—Consequent upon the expiry of his term of re-employment in the post of Officer on Special Duty (confidential) in the office of Union Public Service Commission Shri S. P. Chakraverty relinquished charge of the office of Officer on Special Duty (confidential), Union Public

Service Commission, with effect from the afternoon of 31st March, 1980.

S. BALACHANDRAN Under Secy. Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 18th April 1980

No. 10RCT3.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. A. Nankani, Executive Engineer, C.P.W.D. as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity, with effect from forenoon of 9th April 1980 until further orders.

N. L. LAKHANPAL Deputy Secretary For Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 19th April 1980

No. 2/46/75-EST.—In continuation of this Office Notification of even number dated October, 16, 1979, the Director is pleased to extend the ad hoc appointment of Shri K. C. Saxena as Librarian for a further period of six months with effect from 15-4-1980 or till a regular appointment is made whichever is barlier.

K. RANGARAJAN Deputy Director (Senior)

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

Now Delhi-110001, the 17th April 1980

No. O.II.667/71-ESTT.—Consequent on his retirement from Government service Shri Ganpat Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P. 13 Bn, CRPF, on the afternoon of 29-2-1980.

The 19th April 1980

No. O.H.1437/79-ESTT.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Umarani Narzaty as Indior Medical Officer in the C.R.P. Force on ad hoc basis with effect from the forenoon of 7-3-80 for a period of three months or till recruitment to the post is made on appliar basis, whichever is earlier.

No. O.II.2/70-ESTT.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRPF, Brig. S. B. Raza (Retd.) relinquished charge of the post of DIG, CRPF, Kohlma on the afternoon of 21-2-80.

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 18th April 1980

No. E-16013(1)/1/78-Pers.—On his appendment to the nost of Deputy Director, SVP. National Police Academy, Hyderabad, Shri B. R. Luthra, IPS (MP: 60), relinquished the charge of the post of Dy. Inspector-General (R&T). CISF HQrs. New Delhi with effect from the afternoon of the 7th April, 1980.

No E-16013(2)/2/79-Pers.—On transfer on deputation Shri Udaya Veer, IPS (WB: 69) assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit. MAMC Durgamur with effect from the afternoon of 18th March, 1980 vice Lt. Col. D. I. Malik who relimquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

(Sd.) ILLEGIBLE
Inspector-General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

No. 11/118/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Gangakhedkar, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 28th February, 1980, until further

New Delhi, the 19th April 1980

The headquarter of Shri Gangakhedkar will be at Pune.

No. 11/118/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. G. Deshpande, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation with effect from the forenoon of 27th March, 1980, until further orders. orders.

The headquarters of Shri Deshpande will be at Amravati.

No. 11/125/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Verma, an Officer belonging to the Rajasthan Cavil Service, as Deputy Director of Consus Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur by transfer on deputation with effect from the fore-noon of 15th March 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Verma will be at Jainur.

No. 11/125/79Ad I.—The President is pleased to appoint Shri J. N. Kalla, an Officer belonging to the Rajasthan Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jodhpur, by transfer on deputation with effect from the forenoon of 3rd March, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Kalla will be at Jodhpur.

The 21st April 1980

No. 10/8/80Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri N. G. Nag, Assistant Registrar General (Social Studies), in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Registrar General, (Social Studies) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 14 April, 1980, or, till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Nag will be at New Delhi.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 8th May 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Andustrial Workers on base 1960=100 increased by four points to reach 373 (three hundred and seventy three) during the month of March, 1980. Converted to base 1949= 100 the index for the month of March, 1980 works out to .453 (four hundred and fifty three).

> TRIBHUAN SINGH Dy. Director

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 20th April 1980

F. No. BNP/G/4/79.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 20-2-80, the appointment of Shri H. R. Sharma, as Dy. Control Officer in short term leave vacancy in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period upto 13-4-1980.

P. S. SIVARAM General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 11th April 1980

No. 7(36)/416.—On attaining the age of superannuation Shri S. T. Shirsat, Fire Officer is retired from service from the after-noon of 31st March 1980,

The 14th April 1980 CORRIGENDUM

No. PF-AD-4/376.—The period of *ud hoc* appointment of Shri P. K. Sharma as notified vide this office Notification No. PF-AD/4/9220 dated 5-12-1979 may be read as from OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

> S. R. PATHAK General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 18th April 1980

No. Admn.I/O.O.No.9.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri H. L. Nangia, a permanent Audit Officer of this office has retired from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-3-1980.

(Sd.) ILLEGIBLE Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-1 MADHYA PRADESH

Gwalior, the 8th April 1980

No. Ob.I/10.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each :-

Sarva Shri

- O. P. Bhardwaj (02/349), 20-3-80 Forenoon.
 K. L. Jain (02/257), 18-3-80 Forenoon.
 J. S. Ahuja (02/258), 17-3-80 Forenoon.
 Vasudeo Agrawal (02/260), 17-3-80 Forenoon.

The 11th April 1980

No. Admn.1/15.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to grant proforma promotion to Shri P. Ramakrishnan, a permanent Section Officer (02/259) as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—10—1000—EB 40—1200 with effect from 17-3-80 forenoon i.e. the date from which his next junior Shri Vasudeo Agrawal, Section Officer has been promoted as Accounts Officer. (Authority: Accountant General-I's orders dated 8-4-1980).

> D. C. SAHOO Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTING GENERAL MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 11th April 1980

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C-1/2.—The Accountant General, Maharashtra-1, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts/Audit Officers in this office with effect from the date mentioned against them until further orders.

- Shri S. P. Kalamkar—12-3-80 A.N.
- Shri S. C. Banerjee—24-3-1980 F.N.
 Shri G. K. Apte—24-3-1980 F.N.
- Shri K. S. Srinivasmurthy—13-3-1980 F.N.

S. R. MUKHERJEE Sr. Dy. Accountant General/M

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 10th April 1980

No. Admn-I/60(63)/80-81/89-91—The General Jammu and Kashmir has promoted Shri T. N. Raina (Date of birth 2-8-1942), a permanent Section Officer, of this office as Accounts Officer in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st April, 1980 till further orders.

> M. M. MUBARAKI Sr. Deputy Accountant General (A&E)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 14th April 1980

No. 21/80/G.—On the expiry of his leave preparatory to retirement Shri A. K. Bose, Offg. Dy. Manager Subst. & Permt. Foreman retired from service w.e.f. 31-8-79 (AN).

V. K. MEHIA
Assistant Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 27th March 1980

No. 12(573)/68-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri K. K. Saran Agarwai, Assistant Director (Gr. 1) (Glass/Ceramics), Extension Centre, Ferozabad as Deputy Director (Glass/Ceramics) in Small Industries Service Institute, Jaipur on ad hoc basis with effect from the forenoon of 9th January, 1980, until further orders.

The 16th April 1980

No. A.19018(436)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. D. Verghese, as Assistant Director (Gr. 1) (Food/Fruit Preservation) in the Branch Institute, Imphal with effect from the forenoon of 18th February, 1980, until further orders.

No. A.19018(479)/80-Adm.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri P. C. Bhavsar as Assistant Director (Gr. II) (Fruit Preservation) in the Small Industries Service Institute, Srinagar with effect from the forenoon of 27th February, 1980, until further orders.

The 19th April 1980

No. A-19018(428)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. M. Mustakim as Assistant Director (Gr. 1) (Metallurgy) in the Branch Small Industries Service Institute, Dhanbad, with effect from the forenoon of 14th March, 1980, until further orders.

No. A-19018/437/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri John Mathai as Asstt. Director (Gr. I) (Food/Fruit Preservation) in the Small Industries Service Institute, Trichur with effect from the forenoon of 25 February, 1980 until further orders.

No. A-19018(440)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. K. Srivastava as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in the Small Industrics Service Institute, Srinagar, with effect from the forenoon of 10th March, 1980, until further orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 14th April 1980

No. CLB.I/1/6-G/77.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6-G/71 dated the 13th January, 1972, namely:—

In the Table appended to the said notification, against S. No. 20, for the existing entries in columns 2, 3 and 4, the following shall be substituted namely:—

(2)	(3)	(4)	
"(I) All General Managers of Haryana District Industries Centres District Industries Officers		12(6) change of location only. 12(6A), 12 (7A), 12(7AA), 12(C)	
(ii) Joint Director Industries, Haryana	Do.	12(7AA), 12(C) 12(6), 12(6A)	

(2)	(3)	<u>(4)</u>
(ili) Director of Industries. Haryana.	Haryana. Do.	Acquisition and installation 12 (7A), 12(7AA) 12C and 12E. 12 (6), 12(6A) Acquisition and installation 12(7A), 12(7AA)
(IV) Textile Officer (Marketin & Development) Panipal.	g Do.	12C & 12C 12(7A) & 12(7A''

No. 18(1)/77/CLB.II.—In exercise of the powers conferted on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely 2—

In the Table appended to the said Notification, against serial No. 20(a) the existing entries under Columns 2, 3 and 4 shall be substituted by the following entries namely:—

2	3	4
District Indu	Managers, Haryana tries Centres; tries Officers.	6(Shifting only) 6B, 6C 7A & 8.

M. W. CHEMBURKAR

Joint Textile Commissioner

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 18th April 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, Under Class 3- Division 1, add "AMMONIUM GELATINE DYNAMILE-80% NITRO-GLY CERINE (Korean Make)" after the entry "AJAX "G"."

I. N. MURTY Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 15th April 1980

No. A-1/1(1157).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri M. D. Kulasekeran, Superintendent in D.I., Madras to officiate on ad hoc basis as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the same office with effect from the forenoon of 1-3-80 vice Shri Paul Xavier, AD (Admn.) (Gr. II) proceeded on leave.

The 16th April 1980

No. A-1/1(1146).—Shri K. L. Chopra, officiating Assistant Director (Sales Tax) (Grade I)in this Directorate General has retired on 31-3-80 (AN) on attaining the age of superannuation.

(Admn. Section A-6)

The 19th April 1980

No. A6, 247 (321).—The President is pleased to permit Shii T. R. Ramaswamy, Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engg. Branch) at Ernakulam under the Director of Inspection, Madras to voluntarily retire from service w.e.f. 13-3-1980. (A.N.)

K. KISHORE, Dy. Director (Admn.) For Director General of Supplies & Disposals.

MINISTRY OF STEEL MINES AND COAL (DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 18th April 1980

No. 3087B/2181(VPS)/19B.—The resignation tendered by Shri Vidya Prasad Sharma, Asstt. Chemist, Geological Survey

of India is accepted with effect from the afternoon of 31-5-79, as he opted for absorption in the Central Ground Water Board.

The 21st April 1980

No. 3218B/A-32013(4-Driller)/78-19B.—The following Senior Technical Assistant (Drilling) in the Geological Survey of India are appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the date as mentioned against each, until further orders.

Name and

Date of joining

- 1. Shri S. K. Prasad-29-1-1980 (FN).
- 2. Shri T. R. Sharma-5-2-1980 (FN).

V. S. KRISHNASWAMY,

Director General

(DEPARTMENT OF COAL)

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 21st January 1980

No. HB 18(4)73.—Whereas S/Shri O. Maheepathi, the then Director (Personnel) Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad and R. Verma, the then Mg. Director, Eastern Coalfield Ltd., Disergarh, have ceased to represent the interests for which they were nominated as members of the Coal Mines Labour Welfare Housing Board vide Notification No. U-23018/3/73-M.II/-MV dated 19-10-74, the undersigned as Chairman, Coal Mines Labour Housing Board in pursuance of subrule (e) of rule 12 of the CMLWF Rules, 1949 read with subrule (7) of Rule 5 of Rules, *Ibld* hereby declare the said Sharvashri O. Maheepathi and R. Verma to have vacated their office of the membership of the said Coal Mines Labour Welfare Housing Board from the date they ceased to be a member.

T. C. K. LOTHA
Chairman
Coal Mines Labour Housing Board and
Commissioner,

Coal Mines Welfare Organisation, Dhanbad.

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE (DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 5th April 1980

No. F.8-58/78-AE.I.—The term of appointment of Shri Santo Duta, Editor, National Council of Educational Research and Training and at present working on deputation as Deputy Director, in the Directorate of Adult Education, New Delhi, is extended for a further period of one year w.e.f. 1-1-1980 (F.N.) or till such time the post is filled on regular basis, whichever is earlier, on the existing terms and conditions.

P. S. BEDI, Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th April 1980

No. 2/26/61-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri M. P. Jain, Administrative Officer, Research Department, All India Radio, New Delhi to officiate as Sr. Administrative Officer, News Service Division, All India Radio, New Delhi with effect from 1-3--80.

S. V. SESHADRI, Dy. Director of Admn. for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi the 18th April 1980

No. A.12025/23/78-NMEP/Admn.I.—President is pleased to appoint Shri Bachna Ratn Thapar to the post of Deputy

Assistant Director Entomology) at the National Malaria Eradication Programme, Delhi with effect from forenoon of 27th February, 1980 in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA, Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 18th April 1980

No. A-310142/78-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Asstt. Marketing Officer (Group II) in the Dte. of Marketing & Inspection, with effect from the date indicated against each:—

S/Shri

- 1. M. R. Deshpande-26-4-1975
- 2. C. Radhakrishna-26-4-1975
- 3. K. S. Nishal-12-7-1976
- 4. Jaman Lal-12-7-1976
- 5. G. K. Pallan—25-11-1978
- 6. Smt. R. S. Nehete-26-9-1979
- R. K. S. Pillai—26-9-1979.
 Smt. S. L. Choudhary—26-9-1979.
- 2. The lien of the above-mentioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Asstt. Marketing Officer (Group II).

B. L. MANIHAR, Director of Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF FOOD) NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 21st April 1980

No. Estt. 3(1)/67-VI/880.—Shri Pitam Singh is appointed substantively to the permanent post of Lecturer in Sugar Engineering (GCS Group B Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 at the National Sugar Institute, Kanpur, with effect from 17-5-79.

N. A. RAMAIAH Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay, 400 085, the 12th March 1980

No. PA/73(8)/79-R.IV.—The Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Bappanand, Ramachandia Rao, as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 10, 1980 until further orders.

The 13th March 1980

No. PA/76(2)80-R-IV.—On transfer from the Department of Atomic Energy, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Gangadharan Panikker to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650-960) in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of February 29, 1980 until further orders.

A. S. DIKSHIT, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 16th April 1980

No. PPED/3 (262)/78-Adm./4263.—Director, Fower Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. G. Vaswani, a permanent Personal Assistant and officiating Stenographer-III of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity

with effect from the forenoon of April 14, 1980 to the aster-moon of June 7, 1980 vice Shri G. A. Kaulgud, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

No. PPED/3(262)/78-Adm./4461.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shrik. S. Talpade, a permanent Personal Assistant and officiating Stenographer-III of this Division as Private Secretary in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 21, 1980 to the afternoon of May 31, 1980 vice Shri V. V. Sabharwal, Private Secretary proceeding on leave.

B. V. THATTE, Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT Anushakti-323303, the 28th February 1980

CORRIGENDUM

No. RAPP/Rectt./7(9)/80/S/708.—In partial modification of this Department's Notification No. RAPP/Rectt./7(9)/79/S/681 dated 30-11-1979, the date of appointment of Shri R. K. Sharma as Assistant Accounts Officer may be read as 12-7-1979.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

DEPARTMENT OF SPACE SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 2nd April 1980

No. EST/PGA/5120/80.—The Director is pleased to appoint Shri C. M. Mani as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from forenoon of February 28, 1980 until further orders.

MPR PANICKER, Administrative Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th April 1980

No. A-32014/4/79-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers for a further period upto 30-9-1980 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

S. No.

Name.

Station of posting.

- 1. Shri C. B. Yadnaik. 2. Shri A. C. Des.
- Bombay (Santacruz)
 Mangalore
- Shri Inderjit Singh
 Shri G. B. Singh
 Shri J. P. Kapoor.

Kanpur Palam

Shri P. M. Dhanraj.

Name.

Palam Santacruz

The 15th April 1980

No. A-32014/1/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers for a further period of six months beyond the dates, indicated against each or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

- S. No.
- Period.
- Station of posting.
- 1. Shri K. C. Biswas, 8-4-80-Dum Dum
- 2. Shri V. V. Devekar, 8-4-80--Ahmedabad
- 3. Shri S. Manlan, 12-4-80-Tiruchlrapalli
- 4. Shri S. L. Biswas, 8-4-80-Dum Dum.

The 24st April 1980

No. A-38013/1/80EA.—Shri G. N. Moorthy, Aeroshamo Officer, Madras Airport, Madras retired from Government service with effect from the 31st March, 1980 AN on attaining the age of superannuation.

V. V. IOHRI, Dy. Director of Administration.

New Delhi, the 16th April 1980

No. A-32014/1/80-EL.—The Director General of Civil S. No. Name & Designation Stateton Date of retirement Officer (ad-hoc) Civil Aviation Department, on efficiating basis, in the same post w.e.f. the 8th April, 1980.

C. K. VATSA,
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 18th April 1980

No. A.38013/1/79-EC.—Shri P. C. Banerjee, Technical Officer, Central Radio Stores Depot, New Delhi relinquished charge of his office on the 31-3-80 (AN), on noticement from Government Service, on attaining the age of superannuation.

The 19th April 1980

No. A-32013/1/80-EC.—The undermentioned two officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on 31-8-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation:

S. No. Name & Designation Station Date of retirement

- Shri R. P. Burton, Asst. A.C.S., Madras 31-3-80(AN) Comm. Officer.
- C.'M. Arunachalam, A.C.S., Madras 31-3-80 (AN). Asst. Comm. Officer

The 21st April 1980

'No. A.31014/2/79-EC.—In modification serial number 24 of this Department Notification number A. 31014/2/79-EC, dated 22-3-80, please read and substitute as under:—

S. No. Name Station of posting

24. Shri M. P. Kulkarni A.C.S., Bombay

No. A. 38013/1/80-EC.—The undermentioned two officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on 31-3-80 (AM) on retirement on attaining the age of superannuation:—

S. No. Name & Designation Station

1. Shri Gopal Singh, Asstt.
Technical Officer Radio Constr. & Dev.
Units, New Delhi
2. Shri G. Bernard, Asstt.,
Communication Officer.

R. N. DAS, Assistant Director of Administration.

GOLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Indore, the 9th April 1980

No. 5/80.—Shri R. V. Suryanarayana, Pay and Accounts Officer, Group 'B', Central Excise, 'Hors. Office, Indore in 'Madhya Pradeth, Central Excise, 'Collectorate, Indore has voluntarily retired from Government Service in the after noon of 8th March, 1980.

S. K. DHAR, Callector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 46th April 1980

No. 10/80.—Shri Kamlesh Chopra, on being nominated by the Union Public Service Commission, has been appointed as Superintendent Central Excise Group 'B' (Expert-Textile Engr.) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Huadquarters office of the Directorate of Inspection & Audit (Customs & Central Excise) at New Dethi and semmed charge of the post on 1-4-1980 (Forenoon).

K. L. REKHI, Director of Inspection

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Karnataka Production Aid Manufacturers Private Ltd.

Bangalore, the 21st March 1980

No. 3103/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Karnataka Production Aid Manufacturers Private Ltd. unless cause I₈ shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI, Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of Modi Enterprises (Sales) Private Limited."

Kanpur, the 15th April 1980

No. 3561/3482 LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Modi Enterprises (Sales) (Pvt) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

"In the Matter of Companies Act, 1956 and of Veekay Engineering Private Limited."

Kanpur, the 15th April 1980

No. 3563/4161 LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Veekay Engineering (Pvt) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved

O. P. CHADHA.
Registrar of Companies U.P.,
Kanpur

In the matter of the Companies Act. 1956 as of Assam Accumulator Private Limited

Gauhati, the 10th April 1980

No 1091/560/(3)/212.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Assam Accumulator Private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Nowgong Electric Supply Corporation Limited

Gauhati, the 11th April 1980

No. 519/560(5)/249.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Nowgong Electric Supply Corporation Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 as of M/s Kamala Agency Private Limited

Sauhati, the 19th April 1980

No. TS/428/560(3)/355.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Kamala Agency Private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. BHATTACHARJEE.

Registrar of Companies,

Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Balasore Salt and Chemical Industries Private Limited

Cuttack, the 17th April 1980

No. T.S.-665-192(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Balasore Salt and Chemical Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the sald Company will be dissolved.

D. K. PAUL. Registrar of Companies, Orissa

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Messrs Thakur Ram Ganga Prasad Private Limited— Under section 445(2)

Patna-800001, the17th April 1980

No. (434)-/Liqn/298.—By an order dated 2-11-1979 of the High Court of Judicature at Patna in Company Petition No. 5 of 1977 it has been ordered to wind up Messrs Thakur Ram Ganga Prasad Private Limited.

P. K. CHATTERJEE Registrar of Companies Bihar

In the matter of the Companies Act, 1956 and of colombant Import & Export Private Limited

Pondicherry, the 18th April 1980

Co. No. 15.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of "Colombani Import & Export Private Limited" has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

B. KOTESWARA RAO Registrar of Companies Pondicherry

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

New Delhi, the 22nd March 1980

SUBJECT: -Establishment-Promotion of Income-tax Officer
(Group-B)

ORDER No. 150/60 1979-80

No. Fat.I/Promotions/ITOs./CL.II/1979-80/46545.—Shrl P. N. Kaira, Inspector is promoted to officiate as Income Tax

Officer (Group.'B') in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the forenoon of 1-4-80, or from the date Miss Gita H. Kriplani, ITO, (Group-'A') hands over charge on her posting as Under Secretary, C.B.D.T., whichever is later.

- 2. This promotion is subject to the final orders of the Delhi High Court in CMP 652/W of 1977 in CWP No. 341 of 1977 pending before the court.
- 3. Consequent upon his promotion, Shri P. N. Kalra is posted in the H. Qrs. as O.S.D. till further order.

M. W. A. KHAN, Commissioner of Income Tax, Delhi-I, New Delhi.

(CADRE CONTROL AUTHORITY) KANPUR

Kanpur, the 15th April 1980 ORDER

No. 2.—Shri M. P. Katiyar, Inspector of Incometax, Office of the Chief Auditor, Kanpur is hereby appointed to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810—EB -35-880-40-1000-EB-40-1200 with immediate effect and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that his appointment has been made in excess of the vacancies available.

On promotion his services are placed at the disposal of Commissioner of Income-tax, Kanpur.

B. GUPTA Commissioner of Income-tax Cadre Control Authority Kanpur

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 21st April 1980

Ref. No. AR-II/2831-4/Oct. '79.-Whereas, I A. H. TEJAKE,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 95-A of T.P.S. III, C.R.T.S. No. 1292, 1292(1) & (4) situated at Vilo Parle (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at at Bombay on 27-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--20-56GI/80

- (1) Shakuntala Kantilal Shakuntala Park View Co-op. Hag. Soc. Ltd. (Transferor)
- (2) 1. Seth Hiraben Somehand 2. Seth J. R. Patel 3. Seth V. Amritlal Chunilal 4. Seth Nandlal Khetan Ashok Popatlal Shah, Niranjan Popatlal Shah, Mistry Devshi Nanji & Khodidas Nanji (Confirming parties). (Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. \$-483/79 and registered on 27-9-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

> A. H. TEJALE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay,

Date: 21-4-1980

Smt. Padmadevi Shyamnarayanji Shrivastava and
 Shri Atul, Civil Lines, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Mohanlal Agarwal, 24, Chota Saiaia, Indore.
(Tiansfeice)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 2nd April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1502/80-81.—Whereas I, K. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing House on Plot No. 3

situated at VISHNUPURI, INDORE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27th August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 3, Vishnupuri, Indore.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 2-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 2nd April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1503/80-81.—Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. LAND situated at Dewas

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dewas on 10th August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aapparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mikdaruddin, S/o Masluddin Kâzl, Kharibawdi, Dewas.

(Transferor)

(2) Ms. Gajra Gears Pvt. Ltd., Station Road, Dewas (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.986 hectares at Dewas.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 2-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 2nd April 1980

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/1504/80-81.—Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of house on plot No. 19 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23rd August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Durgalai S/o Shri Narayanlalji Agrawal, 19, Sneh Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Chandabai, D/o Ramgopal, Agar Malwa Chhawni, M.P. (At present C/o Lalchand Agrawal, 52, Usha Ganj Maln Road, Indore) (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House on Plot No. 19 situated Trunk Route No. 6-7, Indorc.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 2-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 2nd April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1505/80-81.—Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bunglow No. 4-A, situated at Gwarighat Road, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 26th September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Sushila Diddi, W/o Lt. Col. C. P. Diddi & 2. Lt. Col. C. P. Diddi, 4-A, Gwarighat Road, Diddi Iabalour.

(Transferor)

(2) S. R. M. Foundation of India, through Shri Prafulla Shrivastava, Dy. Genl. Secretary, S. R. M. Foundation of India, Beoharbagh, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 4-A (Corpn. No. 1 B & 1B/1), Gwarighat Road, Jabalpur with open plot of 7000 sft.

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 2-4-80

(1) Shri Shivlal Bhai Devchand Bhai Patel, Gole Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxminarayan Kediya, Sheeth Grih Pvt. Ltd., Manmohan Nagar, Damoh Road, Jabalpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 2nd April 1980

Ref. No. LAC/ACQ/BPL/1506/80-81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 458 situated at South Civil Lines, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jabalpur on 28th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 458 situated on the part of Nazul Plot No. 2, Block No. 37 and 38, South Civil Lines, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 2-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 2nd April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1507/80-81.—Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House on Plot No. 2 & 3 situated at Maheshpur, Jabalpur
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Jabalpur on 26th September 1979
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri 1. Pritpal Singh; 2. Darshan Singh and 3. Kuldeep Singh, sons of Shri Mohan Singh Bhatia, Tent House, Gorakhpur. Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Dubey, W/o Vinayshanker Dubey; and 2. Shri Vinay Shanker, S/o Narayan Prasad Dubey, 607, Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 2 & 3 measuring 3500 sft, at Maheshpur, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-18x,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 2-4-80

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Virendr Lumar, S/o Shri Babulal Ghate, Anand Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shii Jagjiyanbhai, S/o Shri Desabhai Soni, 23-Palasia (2·C), Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 2nd April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1508/80-81.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 23 situated at New Palasia (2-C), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 27th August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 23 situated at New Palasia (2-C), Indore.

K. K ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 2-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 11th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1509.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 1st August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
21—56GI/80

 Shri Kishan Gupta S/o Shri Balikdas Gupta, Singhpur Road, Morar

(Transferor)

(2) Shri Mata Prasad Nayak S/o Shri Gangaram Nayak, Resident of Gram: Rampura, Teh. Gohad, Distt. Bhind.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed 'Pucca' house bearing No. 33/284 situated at Garam Sadak, Morar, Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 11-4-1980

(1) Shrimant Krishnaji Rao S/o Shi Vikramsingh Rao Pawar R/o Anand Bhavan Palace, Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMT-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Dhanraj S/o Shri Kishanchand Lakhmeni.
 Smt. Purji W/o Shri Jodharam Lakhmani
 R/o 4, Vasudeo Jura, Dewas,

(Transferee)

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 11th April 1980

Bhopal, the 11th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1510.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dewas on 2nd August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 storyed house bearing No 57 situated at Bada Bazar, Dewas.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 11-4-1980

 Smt. Kapoori Devi W/o Shri Narain Prasad Singhal R/o Hing-ki-Mandi, Agra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ashok Kumai S/o Shri Jamnadas Renwal R/o Sarafa Bazar, Lashkar, Gwalior

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 11th April 1980

Ref. No. IAC/ Λ CQ/BPL/80-81/1511.—Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 31st August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the laibility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 date of the publication of this notice in the Official persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7 Rakba 1580 sq. ft. situated at Tansen Road, Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 15th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1512.--Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House situated at Ratlam

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 4th August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Raj Rani Shukla W/o Shri Prahladji Shukla, 16, Anand Colony, Ratlam

(Transferor)

(2) Shri M. K. S. Panicker, M.P.E.D. Ratlam (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16 Anand Colony, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15th April 1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)
Bhopal, the 15th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1513.—Whereas I, K. K. ROY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ratlam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 2-8-1979 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narendra Kumar S/o Shri Hastimal, Kumath, Dilipnagar, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Anokhilal S/o Shri Kanhaiyalal Bothera, R/o Dilipnagar, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Dilip Nagar, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 15th April 1980

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/80-81/1514.--Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Mandsaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 17th August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kailashchand S/o Shri Ambalal Jaiswal, Jankhupura, Dhankutta Gali, Mandsaur. (Transferor)
- (2) Smt. Basanti Bai W/o Shri Ambalal R/o Jankhupura, Dhankutta Gali, Mandsaur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persoes within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 storeyed house—Mpl. bearing No. 52 situated at Jankhupura, Dhankutta Gali, Mandsaur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15th April 1980

(1) Shri Abdul Latif Khan S/o Abdul Rahman Khan, R/o 17/2, Bakshi Gali, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Shyamlal S/o Shri Nankram (2) Shri Suresh Kumar S/o Shri Shymalal Chourasia R/o 525, Pateh Bapulal Marg, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1515.—Whereas, I, K. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18th August 1979,

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: कार्य /का
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- interested in the said (b) by any other person immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatto

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house bearing No. 17, Bakshi Gali, Indore.

> K. K. ROY, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15th April 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shii Harvilas S/o Shri Pannalal (2) Smt. Indra alias Indtapiani wd/o late Shri Pannalal, Asopa, R/o Palskor Colony, Indore (Transferor)

(2) Shri Mahendra Singh s/o Shii Sundersingh Sachdova, Madhogani, Vidisha.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1516.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vidisha on 29th Aug. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house Ward No. 21, Madhoganj Vidisha.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15th April, 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Usha Bhargava W/o Late Shri M. P. Bhargava R/o E-2/315, Arera Colony, Bhopal. (Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Jain S/o Shri Babulal Jain R/o 178, Keshav Ganj, Sagar.

Objections, if any to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th April 1980

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/80-81/1517.--Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 14th September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—22—56GI/80

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. E-1/198, Arera Colony, Bhopal.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15th April, 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1518.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Bhopal

(and more, fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 28th September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vcena Ram Wd/o Shri Sushil Kumar Ram
 (2) Miss Anita Ram d/o Late Shri Sushil Ram
 (3) Smt. Vinita Bernard d/o late Shri Sushil Ram
 (4) Sanjoy Kumar Ram
 (Minor) son of late Shri Sushil Kumar all R/o 433, Napier Town, Jabalpur.
 (Transferor)
- (2) Smt. Tulsi Vasanta w/o.Shri B: M: Vasanta R/o 22, Balvihar Street, Bhopal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10, Idgah Hills, Bhopal.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15th April, 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1519.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwallor on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sakl instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Shrichand S/o Ghanshyamdas Sindhi, R/o Nava Buzar, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein was are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22 area 1925 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Gwallor.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1520.—Whereas, I K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Jagdishchand S/o Shri Ghanshyamdas, R/o Om Market, Naya Bazar, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23 area 1925 sq. ft., Sindhu Vihar Colony, Jaivilas Palace, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18th April 1980.

FORM TINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1521.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Bansidhar S/o Shri Dwarkadas, R/o Raisinghka-Bagh, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15 area 750 sq. ft., at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18th April 1980.

эсят

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1522.—Whereas, I. K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, Lashkar, Gwalior.
 (Transferor)
- (2) Shri Arjundas S/o Shri Rochaldas Ramthani, Lalaka-Bazar, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12—area 750 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Gwalior.

'K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18th April 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1523.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

Plot situated at Gwalier,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.
 - (Transferor)
- (2) Shri Vishandas S/o Shri Aşudhomal Sindhi, Naya Sarafa, Danaoli, Gwalior.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 31—area 2,035 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dato: 18th April 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1524.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Madanlal and Prakashchand both sons of Shri Parmanand R/o Sakkhar Colony, Nai Sarak, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3—area 1710 sq. ft at Sindhu Vihar Colony, Jal Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18th April 1980.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1525.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M. S. Sakkhar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, Lashkar, Gwalior. (Transferor)

(2) Shri Hotchand s/o Kothumal Sindhi, R/o Bala-bai-ka-Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 59—area 1700 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkai, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
23—56GI/80

Date: 18th April 1980,

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahkari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Sini Lalian'al Sio Shri Parmanand, R > Sikkhar Colony, Nai Sarak, Lashkar, Gwalior . (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1526.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property a_8 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2—area 2100 sq. ft. at Sindu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhopal,

Date: 18th April 1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1527,--Whereas, I. K. ROY,

weing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred p as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-ble property, having a fair market value exceeding ta. 25,000/- and bearing 'lot situated at Gwalior,

and more fully described in the Schedule Annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahkari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Laxmandas S/o Shri Sadhumal Sindhi, R/o 123, Gandhi Market, Lashkar, Gwalior. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 37—area 1845 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18th April 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1528.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahkari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Tikamdas, S/o Shri Hundermal R/o Chawri Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7-area 2170 sq. ft. at Sindu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18th April 1980.

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACO/BPL/80-81/1529.—Whereas, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Nirman Sahkari Sanstha Grib Sakkhar M /s. through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar S/o Shri Hotumal Sindhi, Balabaika-Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58-area 1700 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

> K. K. ROY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18th April 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1530.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Prabhudas s/o Shri Ramchand Sindhi R/o 62, Subhash Market, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17—area 1750 sq. ft. Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18th April 1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahkari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Govindram S/o Shri Mohandas Sindhi, R/o Raisingh-ka-Bagh, Kampoo, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1531.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42—area 2275 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18th April 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Sakkhar Grih Nırman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Devi w/o Shri Jagdish Kumar R/o Sarafa Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1532.—Whereas, I K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 33—area 1750 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwallor.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 18th April 1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMM TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAY, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1533.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule nanexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—24—56GI/80

(1) M/s. Sakkhar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwelior

(Transferor)

(2) Shri Naraindas S/o Shri Sawaldas, R/o 127, Gandhi Market, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11—area 1750 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18th April 1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th April 1980

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1534.---Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing No.

Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been o' which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi: notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M's, Sakkhar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Gopichand Kundanmal Sindhi, R/o 76, Gandhi Market, Lashkar, Gwalior

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10—area 1750 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony. Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18th April 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th April 1980

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1535.—Whereas, I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A.t., 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shaskar Griha Nirman Sahkari Sanstha Through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Dayaram S/o Shri Isardas Sindhi, R/o 22, Gandhi Market, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, area 1750 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

K. K. ROY.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1536.—Whereas, I, K. K ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trainferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2nd August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M.s Sakkhar Grih Nirman Sahkari Sanstha. Through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shi Moolchand S/o Shri Sugnamal Sindhi, R/o Kurjwala Mohalla, Daulatganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 35, area 1750 sq ft at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI '80-81/1537,—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 2nd August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Sakkhar Griha Nirman Sahkari Sanstha Through Secretary Shri Ghanshyamdas, R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Parmanand S/o Shri Udhavdas, Kirana Merchant, Madhoganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21 area 1924 sq ft, situated at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior,

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./80-81/1538.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwahor on 18th August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shi B. R. S. Kushwa, Office-incharge Basant Vihar, Griha Niiman, Sahkari Sanstha, Maryadit, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Saran S/o Shri Bhola Saran Dubey, C/o Surya Transport Co., Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot area 3998 sq. ft. at Scindia Kanya Vidyalaya, Lashkar, Gwallor.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No 1AC/ Λ CQ/BPI /80 81/1539 —Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Plot situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 18th August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri B R S Kushwa, Office incharge Basant Vihai, Griha Nirman Sahkari Sanstha, Maiyadit, Gwalior

(Transferor)

(2) Smt Premlata W/o Shri Virendra Singh Kothwali Centre, Morar, Gwalior

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 21B, area 6 000 sq. ft. at Seindia Kanya Vidyalaya Lashkar, Gwalior

K K ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income tax,
Acquisition Range Bhopal

Date 18 4 1980 Scal

FORM ITN ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1540 —Whereas, J, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House (Part) situated at Jabalpur

of transfer with the object of-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 9th August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Pan Bai
 W/o Late Shri Santok Singh,
 R/o Uparen Ganj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Km. RajKumari Jaiswal D/o Shri Basantilal, R/o 644, Bhartipur, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, of the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 69, 70 and 71 on plot No. 5/12, Prem Nagar, Jabalpur.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhoppl.

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1541.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House (Part) situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 9th August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Smt. Pan Bai
 W/o Late Shri Santok Singh,
 R/o Uparen Ganj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Subhadra Devi
 W/o Shri Basantilal Jaiswal,
 R/o 644, Bhartipur, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 69, 70 71 on plot No. 5/12. Prem Nagar, Jabalpur.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-4-1980

Seal:

25-56GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1542.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

House (Part) situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 9th August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said restrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Pan Bai W/o Late Shri Santok Singh, R/o Uparen Ganj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri BasantlalS/o Shrl Hubbilal,R/o 644, Bhartipur, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 69, 70 71 on plot No. 5/12, Prem Nagar, Jabalpur.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-4-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1543.--Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Factory Shed situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Dewas on 31st August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shishir Kumar s/o Shri Keshavrao Bidwai, R/o 18, Khari Bawadi Marg No. 1, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s. Chamunda Linseed Oll Mills, Through Prop. Shri Prabhakar S/o Shri Damodar Mahotkar, R/o 1 Barkatali Mention, Mill Road, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single-storeyed Factory shed area 9600 sq. ft. at A. B. Road, Dewas.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1544.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot (part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31st August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Parmanand S/o Shri Sumermal Kukereja, R/o 132-B Sindhi Colony, Ujjain.

(Transferor)

 Shri Shrawan Kumar S/o Shri Radhakishan Hinduja 162, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 31—area 3760 sq. ft. at Palsikar Colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Ispecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1545.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Gram Mangliya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 10th August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. (Mrs.) Harbala w/o Shri Madanlal Ghai, R/o 10/2, New Palasia, Indore.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Premlata w/o Shri Manmohanchand Mehta.
 - (2) Smt. Shobha w/o Shri Rajendra Kumar Mehta, R/o "DEEP", 4 Dr. Roshansingh Bhandarl Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land on Kh. No. 276 Rakba 10.12 acres with 2 wells, at village Mangliya, Teh. Sanwer Distt. Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Ispecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P. Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1546.—Whereas, I, K, K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Indoic

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7th August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kolawali Devi. W/o Shri Kalluprasad Bhargava, R/o 6/143, Arera Colony,

(Transferor)

(2) Smt. Dadam Bai w/o Shri Basantilal Jain. R/o 48/1, Bajaj Khana, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of 2 storeyed house situated on plot No. 2/7, Mahesh Nagar, Indoic.

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 18th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M./P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1547.—Whereas, I. K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29th August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kalwati Devi W/o Shri Kalluprasad Bhargava, R/o 6/143, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Pukhraj Bai w/o Shri Nirmal Kumar R/o 44/1, Bajaj Khana, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of 2 storeyed house situated on plot No. 2/7, Mahesh Nagar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18th April 1989

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1548.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 29th August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kalawati Devi W/o Shri Kalluprasad Bhargava, R/o E-6/143, Area Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar s/o Shri Basantilal, R/o 48/1, Bajaj Khana, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of 2 storeyed house situated on plot No. 2/7, Mahesh Nagar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1549 --Whereas, I, K K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearinfi No.

House (part) situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jabalpur on 231d August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
26—56GI/80

 Shri Chandra Kant V. Vinchurkar s/o Shri Vishwanath Vinchurkar, B C.F. Estate, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Vyas S/o Shri Saligram Vyas, R/o Civil Lines, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 377 & 377/1 situated on part of plot No. 7/1, Block No 23, South Civil Lines, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhopat

Date . 18th April 1980

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1550.--Whereas, I, K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bilaspur on 23rd August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) Sohanlal
 - (2) Radheshyam
 - (3) Sitaram
 - All sons of Shri Puranmal Agarwal
 - (4) Smt. Ashrafi Bai wd/o Shri Puranmal Agarwal All R/o Gram: Behalgana, Bilaspur.

(Transferor)

2. Shri Naresh Kumar and Rakesh Kumar Both sons of Shri Dwarakaprasad

R'o Sadar Bazar, Bilaspur. (Transfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House with open land situated at Masan Ganj, Link Road, Bilaspur.

K K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18th April 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1551.—Whereas, I, K, K, ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bilaspur on 3rd Sep. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) Sohanlal
- (2) Radheshyam

(3) Sitaram

All sons of Shri Puranmal Agarwal

(4) Smt. Ashrafi Bai wd/o Shri Puranmal Agarwal All R/o Gram: Behalgana, Bilaspur.

(Transferor)

 Shri Natesh Kumar and Rajesh Kumar Both sons of Shri Dwarkaprasad F/o Sadar Bazar, Bilaspur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House with open land situated at Masan Ganj, Link Road, Bilaspur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopai

Date: 18th April 1980

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th March 1980

Ref No AP No 2079—Whereas, I, B S DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No As per Schedule

situated at Raman Mandi,

(and more fully described in the Schedule annexed heleto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talward Saboo on 4 9 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1977 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the 1 sue of this notice under sub person (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Kundan Lal, Hans Raj, and Duni Chand Ss/o Shri Shambu Ram S/o Shri Tulsi Ram, R/o Raman Mandi, Disti Bhatinda

(Transferor)

(2) 1 Shi i Raj Kumar S/o Shri Hant Ram S/o Shri Ganga Ram 2 Smt Manso Devi

2 Smt Manso Devi W/o Shri Hant Ram

3 S/Shri Nand Lal, Ram Niwus Devki Nandan Ss/o Shri Bisheshar Lal S/o Shri Ram Rattan,

R/o Raman Mandi, Distt Bhatinda

(Transferce)

(3) As per Sr No 2 above [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned know to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No 2141 dated 4 9 1979 of the Registering Authority Talwandi Saboo.

B S DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range,
Juliundur

Date 14 3 1979 Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th March 1980

Ref No AP No 2080—Wherens, I, B S DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

As per Schedule

situated at H No BXII-182, Harinder Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ranjit Singh S/o Shii Amar Singh R/o Village Ihariwala, Disti, Faridkot.

(Transferor)

(2) Ms Harpreet Kaur and Gurpreet Kaur Ds/o Shri Daljit Singh R/o 21-B Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid petsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sple deed No. 2718 of 11/79 of the Registering Authority, Faridkot.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date 19-3-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JULILUNDUR

Jullundur, the 31st March 1980

Ref No. A.P. No. 2081.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per Schedule

situated at Ko hi No 577-I, Model Town, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on 31-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shii Tarlok Singh Bindra
 S/o Shri Attar Singh Bindra
 R/o H. No. 577-L, Model Town, Jullundur.
 (Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh Paintal S/o Shri Makhan Singh R/o II. No. 577-L, Model Town, Jullundur. (Trunsferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4408 of 31-8-1979 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31-3-1980

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th April 1980

Ref No AP No 2082—Whereas, I, B S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing

No As per Schedule

situated at Model Town, Phagwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 16 10-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Gian Singh S/o Shri Sher Singh R/o Phagwara

(Transferor)

(2) Shri Avinash Chander
S/o Shii Kewal Kiishan,
Shii Jagdish Rai
S/o Shri Kewal Krishan,
Shii Kewal Krishan
S/o Shri Gurdas Mal
R/o 20 A/2 Model Town, Phagwara

(Transferee)

(3) As per Si No 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registeration sale deed No 1343 of 16-10 1979 of the Registering Authority, Phagwara

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range,
Jullundur

Date 5 4-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2083.—Whereas, I, B S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule

situated at 3-B, Model Town, Phagwara,

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on 28-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Niranjan Singh
 S/o Shti Assa Singh,
 R/o 3-B, Model Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Sarjit Singh
 S/o Shri Jamail Singh
 Smt. Simar Kaur
 W/o Shri Jamail Singh
 R/o Vill. Nagal Khera, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1243 dated 28-9-1979 of the Registering Authority, Phagwarn

B. S. DEHIYA.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 5-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2984.—Whereas, I, B. S. DFHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedulo situated at Gali Baghwali, Muktar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on 20-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
27-56GI/80

Shri Jas Raj
 S/o Shri Munshi Ram
 S/o Shri Hira Singh
 Through Shri Sudarshan Kumar
 S/o Shri Jas Raj
 S/o Shri Gopi Ram
 R/o Muktsar

(Transferor)

(2) Shri Kharaiti Lal S/o Shri Kaur Chand S/o Shri Bansi Lal, R/o 1543, Gali Baghwali, Muktsar.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1652 dated 20-8-1979 of the registering Authority, Muktsar.

B. S. DFHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 8-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2085.—Whereas, I, B, S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Govt. College Road, Hoshiarpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on 23-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Isher Kaur Wd/o Shri Gurditt Singh S/o Shri Shiv Dayal alias Wazira R/o Premgarh Sutehri, Hoshlarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur W/o Shri Mehnga Singh S/o Shri Hari Ram R/o Vill. Nangal Fraid, P.S. Tanda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2423 dated 23-8-1979 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 9-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2086.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule

situated at Govt. College Road, Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on 21-8-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ishar Kaur Wd/o Shri Gurdit Singh S/o Shri Shiv Dayal alias Wazira R/o Premgarh Sutehri, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Sukhjinder Singh,
 Jaswinder Singh and Harvinder Singh
 Ss/o Shri Mehnga Singh
 R/o Vill. Nangal Farid, Teh. Hoshiarpur.
 (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2393 dated 21-8-1979 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 9-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April 1980

Ref. No. A. P. No. 2087.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule

situated at Govt. College Road, Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on 8-8-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Smt. Isher Kaur
 Wd/o Shri Gurdit Singh
 S/o Shrl Shiv Dayal alias Wazira
 R/o Premgarh Sutehri, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Mehnga Singh S/o Shri Hari Ram R/o Vill. Nangal Fraid, Teh. Hoshiarpur. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2241 of 8-8-1979 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Rance,
Jullundur.

Date: 9-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th April 1980

Ref No. A. P. No. 2089.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on 30-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manohar Lal alfas Shri Manohar Singh S/o Shri Sarwan Singh C-6/127-C, Lawrence Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sham Sunder S/o Shri Bhola Ram C/o M/s. Bhola Ram Perma Nand, Railway Bazar, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As pper Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2799 of 30-8-1979 of the Registering Authority, Bhatinda.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 10-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2090.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. as per Schedule

situated at Namdev Nagar, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda on 20-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harnek Singh S/o Shri Dharam Singh Tailor Master R/o Namdev Nagar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Buta Singh S/o Shri Ram Singh Special 'A' Grade Railway Driver R/o House No. 627-B, Namdev Nagar, Bhatinda. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2683 of 20-8-1979 of the Registering Authority, Bhatinda.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 10-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2092.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per Schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kapurthala on 2-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kanwaljit Singh S/o Shri Jaswant Singh Bawa through Shri Jaswant Singh Self, R/o Kapurthala.

(Transferor)

(2) M/s. Maharaja Steel Mills Pvt. Ltd., Industrial Area Kapurthala through Shri Sat Paul Verma, Accountant, R/o Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property] (4) Any other person interested in the property

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1515 of 2-8-1979 of the Registering Authority, Kapurthala.

> B. S. DEHIYA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-4-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2091.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Kaputhala on 6-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanwaljit Singh S/o Shri Jaswant Singh Bawa through Shri Jaswant Singh Self R/o Kapurthala. (Transferor)

(2) Shri Maharaja Steel Mills Pvt. Ltd., Industrial Area Kapurthala through Shri Sat Paul Verma, Accountant, R/o Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1537 of 6-8-1979 of the Registering Authority, Kapurthala.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range,
Juliundur.

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2093.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Vill. Kakrali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhunga on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfet, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—56GI/80

Shri Sarup Singh
 S/o Shri Sham Singh
 S/o Shri Rur ingh,
 R/o Vill. Kakrali P. S. Hariana
 Teh. and Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Swaran Kaur W/o Shri Amar Singh S/o Shri Angraj Singh S/o Shri Gazan Singh S/Shri Vir Singh, I akha Singh, Birsa Singh Ss/o Shri Amar Singh S/o Shri Angraj Singh R/o Vill. Kakrali P.S. Hariana Teh. & Distt. Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1123 dated 17-8-1979 of the Registering Authority Bhunga.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Juliunder

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2094.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No. as per Schedule situated at Vill. Mehatpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mukerian on 22-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mangta Singh S/o Shri Khushal Singh R/o Vill. Khojpur Teh. & Distt. Jullundur Mukhtiar-i-am of Shri Jagir Singh S/o Shri Khushal Singh R/o Vill. Mehatpur, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor) (2) Shri Mangal Singh S/o Shri Khushal Singh R/o Vill. Mehatpur, Distt. Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1176 dated 22-8-1979 of the Registering Authority, Mukerian.

> B. S. DEHIYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Juliundur.

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 14th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2095.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule

situated at Villfl Bhagwanpur

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Kapurthala on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Charan Singh S/o Shri Shama Bhagwanpur Mukhtiar-i-am of S/Shri Sat Paul, Dharam Paul Smt. Vidya Vati and Smt. Bimla Devi, R/o Sckhupura Teh. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Dass S/o Shri Shama R/o Vill. Bhagwanpur, Teh. Kapurthala. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1605 of 17-8-1979 of the Registering Authority, Bhatinda.

> B. S. DEHIYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2096.—Whereas, J, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule

situated at Shop No. 2, India Market, New Rly Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on 10-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohan Lal S/o Shri Bhagat Ram

(Transferor)

(2) M/s, Kamla Ashish through Shri Balwant Walia S/o Shri Kaushal Singh Walia R/o New Railway Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As pper Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3975 of 10-8-1979 of the Registering Authority, Juliur dur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 14-4-1980

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OI INCOML TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th April 1980

Ref No AP. No 2088—Whereas, I, B 3 DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1061 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said At'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on 27 8 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manohar Lal alıs Shri Manohar Singh S/o Shri Sarwan Singh C-6/127-C, Lawrence Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Bal Kiishan S/o Shri Bhola Ram C/o M/s, Bhola Ram Perma Nand, Railway Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No 2 above

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given I that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2753 of 27-8-1979 of the Registering Authority, Bhatinda.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jullundur.

Date: 10-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2097,—Whereas, I. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Rahon Rd, near Arya College Nawanshahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), transferred under the Registration Act, has been 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawanshahar on 21-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Balwinder Singh S/o Ajmer Singh R/o Vill. Aur. Teh. Nawanshahar.
- (2) Shri Piara Singh, Nirmal Singh, Harbhaian Singh, Jhalman Singh, Joginder Singh, Kashmir Singh SS/o Rulia Ram S/o Isher Singh R/o Nawanshahar.

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2866 of 21-8-1979 of the Registering Authority, Nawanshahar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2098.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Rahon Rd. near Arya College Nawanshahar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Nawanshahar on 22-8-1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Harjeet Singh S/o Ajmer Singh R/o Vill. Aur, Teh. Nawanshahar.

 (Transferor)
- (2) Shrl Piara Singh, Nirmal Singh, Harbhajan Singh, Jhalman Singh, Joginder Singh Kashmir Singh Ss/o Rulia Ram S/o Ishar Singh R/o Nawanshahar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentionjed in the Registeration sale deed No. 2877 of 22-8-1979 of the Registering Authority, Nawanshahar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1980

Ref. No. A.P. No 2099.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No As per Schedule situated at Rahon Rd., Near Arvo College Nawarehebar

(and more fully described in the schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nawanshahar on 24-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Aimer Siagh S/o Lhan Siagh R/o Aur. Teh. Nawanshahar.

(Transferor)

(2) Shi Pia a Si Ca Nicolal Stath, Hatbhaian Singh, Jhalman Singh, Jounder Singh Kashmir Singh 58/0 Sh. Rulia Ram R/o Nawanshahar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Crazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2913 of 24-8-1979 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R S. DFHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 14th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2100.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule, situated a Rahon Rd., Near Arya College Nawanshahar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narwanshahar on 29-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—56GI/80

(1) Smt. Charan Kaur W/o Ajmer Singh R/o Vill. Aur Tehsil Nawanshahar.

(Transferor)

(2) Shri Piara Singh, Nirmal Singh, Harbhajan Singh, Jhalman Singh, Joginder Singh Kashmir Singh Ss/o Rulia Ram R/o Nawanshahar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2981 of 29:8-1979 of the Registering Authority, Nawanshahar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-4-1980

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2101.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Johal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Aug. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Milkha Singh S/o Duna Singh R/o Vill. Johal Teh. Jullundur.
- (Transferor)
 (2) Shri Gurbachan Singh, Rattan Singh, Pritam Singh
 Ss/o Sh. Milkha Singh R/o Johal, Teh. Jullundur.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the properly.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4067 dated Aug. 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2102.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Gaji Pur (Jull.)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jullundur on Aug. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Arjan Kaur W/o Gulzar Singh R/o Gaji Pur Teh, Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Charanjit Singh S/o Gulzar Singh, Surjit S/o Gulzar Singh, Ashok Kumar Vijay I, umar Surinder Kumar Ss/o Nanak Chand R/o W.X. 50, Basti Nau, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3923 dated Aug. 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-4-1980

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th April 1980

Ref. No. A. P. No. 2103.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at House No. 570 R, Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jullundur on Aug. 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shrimati Gurmej Kaur W/o Mohinder Singh G.A. to Sh. Bawa Singh Vill. Mithapur Teh. Jullundur.
- (2) Shri Balwant Singh S/o Mehar Singh R/o Nurpur Teh. Jullundur (Now R/o H. No. 570-R, Model Town, Jullundur).

- (3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4289 dated 27-8-1979 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 16-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2104.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Basti Mithu Sahib, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Aug. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surinder Paul Singh S/o Karnail Singh S/o Gurdit Singh, R/o Basti Mithu Sahib. Teh. Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) S/Shri Ashwani Kumar Vipan Kumar Ss/o Om Prakash, WF.70, Gali Vajshno Juliondur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above
 (Person in occupation of the property)
- (4). Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4058 dated Aug. 1979 of the Registering Authority, Jullundur,

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2105.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Plot No. 711, Mota Singh Nagar, Juliundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Jasbir Kaur W/o Mohinder Singh R/o Vill. Jandiala Distt. Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) Col. Ved Parkash S/o Shiv Datt R/o 16 H.Q. Infantory C/o 56 A.P.O.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day3 from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5103 dated Oct. 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2106.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Shop No. XXX-113 in Bansa Bazar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Juliundur on 26-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dalip Kumar S/o Sh. Kailash Chander Jain R/o Ludhiana C/o Shop No. XXX-113, Lazar Bansa, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Haibans Lal S/o Sunder Mal C/o Raj Kumar Harbans Lal, Bansa Bazar, Jullundur City. (Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above
(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4991 dated 26-9-1979 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date :19-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st April 1980

Ref. No. ASR/80-81/1.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at G.T. Road, Amritsar Opp.. Bus Stand situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Jagjit Kaur w/o Sh. Surinder Singh, r/o Cooper Road, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) S. Jaswant Singh s/o S. Atma Singh r/o Husain Pura, Amritsar. (Transferee)
- (3) A at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) any mentioned in the valuation report. (Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1605 and previous No. 85 1/3rd Share Sharifpura, Amritsar, (G.T. Road) as mentioned in the sale/deed No. 1345/I dated 3-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS, Competent Anthority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-4-80

Soal:

FORM HINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st April 1980

Ref. No. ASR/80-81/2.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at G.T Road, Opst. Bus Stand, Amritsar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30---56GI/80

- 1 Shmt Jagjit Kaur w/o Sh Surinder Singh 1/0 Co-opt. Poad, Amritsar.
 - (Transferor)
- 2. S. Jamail Singh s/o Makhan Singh r/o Chhote Nag, Tehsil & Distt. Amritsar,
- 3. As at sr No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 (Person(s) in occupation (of the Property
- (Person(s) in occupation of the Property)
 4. Any other person(s)
 (Person(s) whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No 1605 and old No. 85 (1/3 share) situated on GT. Road, Shrifpura (oppst. Bus stand) as mentioned in the sale deed No. 1346/I dated 3-8-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date 1-4 80

FORM IINS---

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(I' ICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st April 1980

Ref. No. ASR/80-81/3.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS..

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at One property in Sharifpura G.T. Road, oppst. Bus stand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Jagjit Kaur w/o S. Surinder Singh, r/o Cooper Road, Amritsar.
 (Transferor)
- Smt. Sunit Kaur w/o Sh. Jaswant Singh r/o Chhota Noog Teh, e Distt. Amritsar. (Transferee)
- As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) it any mentioned in the valuation report.

(Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property (1/3 share) No. 1605 and old No. 8 studed on G. T. Road, Sharifputa, as mentioned in the sale deed No. 1791/1 dated 12-9-79 of the registering authority, Armitsar.

M. I. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fa.
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONLR OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd April 1980

Ref. No. ASR/80-81/4.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.,

being the Competent Authoity under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot, situated at Shastri Nagar (Krishna Nagar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. S. Teja Singh s/o S. Sssa Singh r/o Maqbul Road through Sh. Sat Parkash s/o Sh. Chaman Lal r/o 276 Krishna Nagar, Amritsar,

(Transferor)

- Sh. Chaman Lal 8/o Dhana Mal r/o 276 Krishna Nagar, Amritsar.
- 3. As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property)
- any other
 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plct measuring 600 sq. yds. situated on Lawrence Road Shastri Nagar (Plot No. 317) as mentioned in the sale deed No. 1596/I dated 24-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS., Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amiitsar.

Date :3-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd April 1980

Ref. No. TT/80-81/5,—Whereas, I, M. L. MAHAJAN JRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property, situated at Jhabal Road, Taran Taran (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Taran Taran on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh Wadhawa Singh s/o Sudagar Singh, Taran Taran.
 (Transferor)
- Amrik Singh Kulwant Singh ss/o S. Suriain Singh, r/o Jhabal Road, Taran Teran.
- 3. As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any listed in the valuation report.
- (Person(s) in occupation of the Property)
 4. Any other
 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to be acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consisting of residential house, a factory shed on a plot of land measuring 520 sq. yds, situated on Jhabal Road, Tann Taran adjoining Guru Arjan Dev College, Tarn Taran, as mentioned in the sale deed No. 3774 dated 6-8-79 of the Registering Authority, Tarn Taran.

M. L. MAHAJAN IRS.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-4-80

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd April 1980

Ref. No. ASR/80-81/6.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land in Tung Bala Urban Oppst. Jail Rd. ASR. ASR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Satya Wati wd/o Sh. Shroilal Mehra r/o Jail Road, Amritsar.
 - (Transferor)
- Sh. Naresh Kumar Arora s/o Sh. Joginder Pal Arora, r/o F-1, Central Avenue Colony, Lawrance, Road, Amritsar.
- 3. As at sr No. 2 oveleaf and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property)
- Any other
 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 500 sq. yds. situated in Tung Bala Urban Opsstt, Jail Road, (No. 5 Pvt. No. 495) as mentioned in the sale deed No. 1612/I dated 27-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN İRS.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/7.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS..

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land, situated at Sultanwind Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Swinder Kaur w/o Sh. Ajit Singh r/o Mahawa Teh. & Distt. Amritsar through Smt. Sarabjit Kaur mukhtar aam.
- (Transferor)

 2. M/s, K. B. Foundary works, Sultanwind Road, Amritsar.
- (Transferee)
 3. As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
- (Person(s) in occupation of the Property)

 4. Any other
 - (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 530 sq. mtrs. situated on Sultan wind Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 2223/I dated 5-11-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 5-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/8.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot of land at Sultan wind Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amilton on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Smt. Swinder Kaur w/o Sh. Ajit Singh r/o village Druke Teh. & Distt. Amritsar through Smt. Sarabjit Kaur Mukhtar aam. (Transferor)
- 2 M/s K B Founday works, Sultanwind Road, Amrit-

- 3. As at st. No 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property)
- 4. Any other

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring measuring 500 sq. mts. situated at Sultanwind Road. Amritsar as mentioned in the sale deed No 1471/1 dated 13-8-79 of the registering authority, Amritsar.

> M. L. MAHAJAN IRS. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 5-4-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/9.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

one property, situated at in Gali Pera Mal inside Lohgarh Gate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. Padma Wati w/o Sh. Bhod Raj r/o 1/s Lohgarh Gate, Gali Pere Mal, Amritsar.

(Transferor)

 Sh. Rattan Chand s/o Sh. Moti Ruam, Smt. Santosh Rani w/o Rattan Chand r/o Lobgarh Gate, gali Pere Mal House No. 3209/II Amritsar.

(Transferee)

3. As at sr. No. 2 above and tenants if any mentioned in the valuation report.

(Person(s) in occupation of the Property)

4. Any other

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 3209/II at Amritsar 1/s Gate Lohgarh, Gali Pere Mal as mentioned in the sale deed No. 1444/I dated 10-8-79 of the registering authority, Amritsar,

M. I., MAHAJAN IRS.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/10.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS..

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

one property, situated in Bazar Kathian

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—56GI/80

 Shmt. Balwant Kaur w/o S. Pritam Singh Nagpal r/o 7, Braham Nagar, Amritsar.

(Transferor)

 Shmt. Swarna wife of Sh. Kamaljit, r/o Chowk Darbar Sahib Gali Tarkhana, Amritsar.

(Transferce)

3. As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any mentioned in the valuation report.

(Person(s) in occupation of the Property)

4. Any other

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Bazar Kathian, Amritsar. (area 45.5 sq. mtrs) as mentioned in the sale deed No. 1625/I dated 29-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 8th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/11 —Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

one plot No. 91, situated at Joshi colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Amritsar on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :-

- Sh. Prem Sagar s/o Sh. Rup Lal τ/o Katra Ghania Kucha Chhaju Misar, Amritsar. (Transferor)
- Sh. Vijay Kumar s/o Rikhi Ram Mehta r/o Ram Bagh, Amritsar. (Transferee)
- 3. As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property)

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 91 measuring 254 1/2 sq. mts. situated Joshi colony, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1462/I dated 13-8-79 of the registering authority, Amritsar.

> M. L. MAHAJAN JRS., Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amuitsar.

Date . 8-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
Amritsar, the 8th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/12.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

one plot No. 91, situated at Joshi colony Amritsar

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ASR on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- Piem Sagar s/o Sh. Rup Lal r/o Katra Ghania, Kutcha Chhaju Misar, Amritsar.
 (Transferor)
- Sh Ashok Kumar s/o Sh. Rikhi Ram Mehta & Sons, Chock Ram Bagh Amritsar.
- 3. As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]
- 4. Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 plot No. 91 situated in Joshi colony measuring 305 1/2 sq. yds, as mentioned in the sale deed No. 1974/I dated 10-10-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/13.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

one plot of land situated at Race Course Road, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1 Rajiv Sadana s/o S. R. Sadana, Race Course Rd, Amritsar. (Transferor)
- Sh. Sanil Kumar s/o Sh. Hans Raj r/o 14-A Brahm Nagar, Lawrance Red, Amritsar.
 (Transferee)
- 3. As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]
- 4. Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 121.34 sq mtrs situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1392/I dated 8-8-79 of the registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-4-80

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April 1980

Ref. No. SR/80-81/14.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot of land

situated at Race Cource Road, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Dr. S. R. Sadana & Shakuntla Sadana r/o 430 Race Course Road, Amritsar.
 - (Transferor)
- 2. Sh. Vinod Kumar s/o Sh. Hans Raj r/o 14-A Brahm Nagar Lawran Road, Amritsar.
- (Transferee) 3. As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property]
- 4. Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 246 sq. mtrs situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1393/I dated 8-8-79 of the registering authority Amritsar.

> M. L. MAHAJAN IRS., Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 8-4-80

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 8th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/15.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ot as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at One plot of land at Race Course Rd. Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Annitsar on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- 1. Rajiv Sadana s/o Dr. S. R. Sadana, Race Course Road, Amritsar. (Transferor)
- 2. Sh. Vinod Kumar s/o Sh. Hans Raj r/o 14-A, Brahm Nagar, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

- 3. As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]
- 4. Anly other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 121.34 sq. mtrs, situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1415/I dated 9-8-79 of the registering Authority, Amritsar.

> M. L. MAHAJAN IRS., Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

8-4-1980 Date:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 8th April 1980

Ref. No. ASR/79-80-/16.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at One plot at Race Course, Road, ASR,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Di. S. R. Sadana, Shmt. Shakuntla Sadana, r/o 430 race course Rd. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shi Munil Kumar s/o Sh. Hans Raj r/o Lawrance Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 246 sq. mtrs situated on Race Course Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1416/I dated 9-8-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tylor 10ad, Amritsar

Date: 8-4-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/17.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the competent authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Property at Ktr. Karam Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Rattan Singh s/o Sh. Khem Chand 1/o Gate Bhagtanwala & Shmt. Jeevan Bai wd/o Inder Singh r/o Lakkar Bazar, I udhiana,

(Transferor)

- Shmt. Avnash Rani w/o Sh. Charanjit Lal & Shmt. Ram Piari w/o Sh. Ram Rakha Mal r/o Ktr. Khajana Gali Dhobian wali, Amritsar.
- 3. As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any listed in the Valuation report.

 [Person(s) in occupation of the property]

4. Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop and one Tabela situated in Ktr. Karam within Municipal Corporation, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1373/I dated 6-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 9-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 14th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/81.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS..

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

land 1 kanal 5 † marla situated at Mehta Road, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S. Daljit Singh s/o Ram Singh r/o Valla, Distt. Amritsar.

(Transferor)

 Sudershan Kumar s/o Shiv Dayal, r/o Lachhman Sar chowk House No. 2812-13, Amritsar.

(Transferee)

3. As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any, ed in the valuation report,

[Person(s) in occupation of the property]

4. Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consisting of sheds on plot measuring 437.5 sq. mtrs situated on Mehta Road. Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3248/dated 2-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-4-1980

Seal:

32-56GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 14th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/19.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 2 kanals 11 marias situated at Mehta Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Dalji Singh s/o Shri Ram Singh r/o Valla dıstt. Amritsar.
 - (Transferor)
- 2. Sh. Banwari Lal s/o Shri Dayal, r/o House No. 917/5, Lachhmansar Chowk, Amritsar.

(Transferee)

- 3. As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any mentioned in the valuation report.
 - [Person(s) in occupation of the property]
- 4. Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consisting of sheds on plot measuring 2 kanals 11 marlas situated on Mehta Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4418 dated 30-10-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-4-80

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 14th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/20.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS., being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shed situated at Mohkam Pura, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amrisan on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kanti Kumar s/o Sukhdayal self and Vijay Kumar s/o Sukh Diayal for Kanti Kumai mukthtar aam.

(Transferor)

 Nirmal Singh, Amuk Singh ss/o Jiwan Singh r/o Mahan Singh Gate, Amutsar.

(Transferee)

- 3. As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any
 [Person(s) in occupation of the property]
- 4. Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 58 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shed on area of 250 mtrs situated in Tung Pain Area near 40 Khush Mohkampura) as mentioned in the sale deed No. 3537 dated 22-8-79 of the registering authority Amritsur.

M. L. MAHAJAN IRS.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amutsai the 14th April 1980

Rcf. No ASR/80-81/21.—Whereas I, M L. MAHAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

One shed situated at Mohakampura, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kanti Kumar s/o Sukh Dayal self and Mukhtar aam for Sh Vijay Kumar s/o Sukhdayal, for above mukhtar aam.

(Transferor)

- Sh Harnam Singh s/o Jivan Singh r/o Mahan Singh Gate Amritsar. (Transferee)
- 3. As at sr No 2 above and tenant(s) if any (Person(s) occupation of the Property)
- 4. Any other

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One shed on an area of 250 sq. yds. situated in Gung Pain Area Kot Haii Singh near 40 Khuh (Mohkampura) as mentioned in the sale deed No 3692 dated 30-8-79 of the registering authority, Amritsar

M. L. MAHAJAN IRS.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-4 80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th April 1980

Ref. No. ASR//80-81/22.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

I share in house at Dhab Khatikan situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Nand Kishore
 Shri Sohan Lal
 To Dhab Khatikan, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Vati w/o Shri Dwarka Dass Khanna r/o Ktr. Moti Ram Gali, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any mentioned in the valuation report,

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (½ share) No. 317/10,1009-7 situated at Dhab Khatikan; Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1659/I dated 31-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/23.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

½ share in house at Dhab Khatikan situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pali Rai s/o Shri Sohan Lal r/o Dhab Khatikan, Amritsar.

(Transferor)

 Shri Dwarka Dass s/o Shri Nagin Chand r/o Ktr. Moti Ram Gali Vikram, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any mentioned in the valuation report,

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (½ share) No. 317/10,1009/X-7 situated at Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1660/I dated 31-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Taylor Road,
Amritsar.

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th April 1980

Ref. No. BTA/80-81/24.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land near Main Road, situated at Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Batala in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Shangara Singh, Dalar Singh Avtar Singh ss/o Shri Sunder Singh r/o Village Gokhuwal, Tehsil Batala.

(Transferor)

(2) M/s. Botala Oil Mills, Dera Road, Batala through Shri Rajinder Singh Partner.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land 5 kanals situated on the main road leading to Dera Baba Nanak as mentioned in the sale deed No. 4356 of September, 1979 of the registering authority, Batala.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Taylor Road,
Amritser.

Date: 14-4-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th April 1980

Ref. No. BTL/80-81/25.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land near Main Road, situated at Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Batala in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Pal Singh s/o Shri Piara Singh, Shri Kartar Singh s/o Shri Sundar Singh r/o Vill. Gaokhuwal, Teh. Batala.

(Transferor)

(2) The Batala Vegetable Mills, Batala through Shri Rajinder Singh r/o Vill. Gaokhuwal, Teh. Batala.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 2 marlas situated near Main Road, Batala as mentioned in the sale deed No. 4372 of September, 1979 of the registering authority, Batala.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
3, Chanderpuri Taylor Road,
Amritsar,

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/26.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property, O/S Hall Bazar, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar.

on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33-56GI/80

 Sh. Ram Chand s/o Sh. Waziri Mol r/o Amritsar Mewa Mandi o/s Hall Gate.

(Transferor)

- (2) Sh. Janki Dass s/o Sh. Kishan Chand, r/o 229-Shastri Nagar, Amritsar.

 (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any mentioned in the valuation report.

 (Person in occupation of the property
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop No. 50 situated in Mewa Mandhi o/s Hall Gate, Mcwa Mandi Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2435 dated 26-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 3, chanderpuri tylor road, Amritsar.

Date: 14-4-80

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/27.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property Hall Bazar, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar.

on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Chand 8/0 Sh. Vajiti Mal r/0 50 Mewa Mandi, o/s Hall gate, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash s/o Sh. Kishan Chand r/o 29-A Race Course Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any mentioned in the valuation report.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop No. 50 situated in Mewa Mandi o/s Hall Gate, Amritsai, as mentioned in the sale deed No. 1378'1 dated 8-8-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 3, chanderpuri tylor road, Amritsar.

Date: 14-4-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/26,—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot at Krishna Square.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1901) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar.
on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Pishori Lal s/o Shri Munshi Ram r/o 45/2, Muslim Ganj near Shivala Bhayan, Amritsar.

(Tansferor)

(2) Smt. Yash Rani w/o Sh. Baldev Raj r/o 45/2 Muslim Ganj Amriitşar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenants (if tany) mentioned in the valuation report.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used fiften as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 400 sq. metrs, situated in Krishna Square, Batala Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1658/I dt. 31-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Amritsar.

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/29.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot, situated at Maqbul Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in August, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sardul Singh s/o Shri Lal Singh r/o 15, Khalsa College, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh s/o Shri Dedar Singh Smt. Sukhwant Kaur w/o Shri Harbans Singh r/o Daburji Distt. Amritsar, Teh. Tarn Taran.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any mentioned in the valuation report.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 438 sq. mtrs, situated in Tung Bala area Urban (Maqbul Road), Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1348/I klated 3-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri taylor Road,
Amritsar.

Date: 16-4-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/30.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot of land situated at Mall Road, Amritsar (and more mully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt.Pushpa Wati d/o Shri Durga Dass r/o Amritsar Cantt. Kothi No. 15.

(Transferor)

(2) Shri K. C. Sharma s/o Sh. Lal Chand r/o Hari Pura Amritsar through Shri Madan Mohan r/o 53 Hukam Singh Road, Gali No. 6, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One plot of land bearing Khasra No. 3240/1930, situated at Mall Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1641/I dated 29-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri taylor Road,
Amritsar.

Date: 16-4-1980

 Smt.Pushpa Wati d/o Shri Durga Dass r/o 15-A Cantt., Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/31.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land, situated at Mall Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Shri K. C. Sharma s/o Shri Lal Chand Sharma r/o Hari Pura Amritsar through Shri M. M. Mahajan, r/o 53 Hukam Singh Road, Gali No. 6, mukhtar-a-am, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 205.5 sq. mtrs, situated on the Mall, Batala Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1896/I dated 26-9-79 of the registering authority, Amritsar

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri taylor Road,
Amritsar.

Date: 16-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/32.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot, situated at Batala Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Amritsar on September, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Dharam Pal 8/o Shri Durga Dass r/o 15-A, Cantt, Amritsar.

(Transferor)

r/o Amritsar Cantt. Kothi No. 15.
(2) Shri K. C. Sharma
s/o Shri Lal Chand
r/o Hari Puri, Amritsar
through Shri M. M. Mahajan,
r/o 53 Hukam Singh Road,
Gali No. 6, mukhtar-a-am, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person (s) interested in the property.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated on Batala Mall Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1895/1 dated 26-9-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
3, Chanderpuri taylor Road,
Annitsar.

Date: 16-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/33.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

one plot, situated at Mall Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer SR Amritsar on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Dharam Pal s/o Shri Durga Dass 1/o 15, Cantt, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri K. C. Sharma s/o Shri Lal Chand r/o Hari Pura Amritsar through Shri M. M. Mahajan, r/o 53 Hukam Singh Road, Gali No. 6, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforestaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 137 sq. mtrs. bearing Khasra No. 3240/1930 situated on Mall Batala Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1639/I dated 29-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Taylor Road,
Amritsar.

Date: 16-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/34.--Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. one plot of land, situated at Mall Battala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) Shri Dharam Pal s/o Shri Durga Dass 1/0 15-A, Cantt, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri K. C. Sharma s/o Shri Lal Chand r/o Hari Pura through Shri Madan Mohan Mahajan, r/o Kothi No. 6, Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 137 sq. mtrs. bearing Khasra No. 3240/1930 situated on Mall Batala Road, as mentioned in the sale deed No. 1640/I dated 29-8-79 of the registering authority, Amritsar.

> M. L. MAHAJAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3, Chanderpuri taylor Road, Amritsar.

Date: 16-4-1980

Scal:

34---56GI/80

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th April 1980

Rcf. No. ASR/80-81/35.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot No. 36 measuring 580 sq. mtrs situated in Green Avenue

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The American Improvement Trust,

(Transferor)

(2) Smt. Lajwanti wd/o Shri Dina Nath, r/o Gopal Nagar, Dhariwal, Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period, expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shah have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 580 sq. mtrs situated in Green Avenue, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1355/1 dated 4-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Taylor Road,
Amritsar

Date: 18-4-1980

Scal:

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/36.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. one shop in Guru Bazar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Swaran Lata w/o Shri Roshan Lal r/o Bazar & Kucha Tokerian, Amritsar.

(Transferee)

 Smt. Brij Bala w/o Shri Vijay Kumar r/o Jasmal building Lawrance Road, Amritsar.

(Transferor)

- (3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any microtioned in the valuation report.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One three storyed shop bearing No. 17/4, 8/4 situated at Guru Bazar, Amritsar (area 40 sq. mtrs) as mentioned in the sale deed No. 1372/I dated 6-8-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Taylor Road,
Amritsar.

Date: 17-4-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd April 1980

Ref. No. ASR/80-81/37.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land in Shastri Nagar, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kusum Suri w/o Brig. S. C. Suri d/o Shri Inder Sen r/o 30 Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

Shri Kamal Nain
 S/o Shri Lachhman Dass
 c/o Lahori Mal Lecla Ram
 r/o Katra Ahluwalia,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any mentioned in the valuation report,

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in a plot No. 41 situated on Shastri Nagar, Amritsar (area 140-6 sq. yds) as mentioned in the sale deed No. 1720/1 dated 5-9-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri taylor Road,
Amritsar.

Date: 22-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsai, the 22nd April 1980

Ref No ASR/80-81/38—Whereas I M I MAHAJΛN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No Plot of land in Shastii Nagar, Amritsar situated at Amritsar

(an i more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amutsar in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt Madhu Chawla w/o Shii K C Chawla i/o 30 Race Course Road, Amritsar through Shii Joginder Singh

r/o Katra Aluwalia, Amritsar

(Transferor)

(2) Shri Kamal Nain s/o Shii Lachhman Dass c/o Lahori Mal Leela Ram

(Transferce)

(3) As at Sr No 2 above tenant(s) if any mentioned in the valuation report
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person's) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and explessions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/31d share in Plot No 41 situated in Shastri Nagar, Amritsar (area 140 6 sq yds) as mentioned in the sale deed No 1721/1 dated 5 9 1979 of the registering authority, Amritsar

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri taylor Road,
Amritsar

Date 22 4 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th April 1980

Ref. No. ASR/80-81/39.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot at Shastri Nagar, Amritsar, situated at Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ASR Amritsar in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sheela Rai d/o Shri Jaswant Rai r/o 30 Race Course Road, Amritsar.

(2) Shri Kamal Nain s/o Shri Lachhman Dass Nain r/o Katra Ahluwalia House No. 1180, Amritsar.

(Transferce)

(Transferor)

(3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any mentioned in the valuation report.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/3rd share in plot No. 41 situated in Shastri Nagar, Amritsar (area 140-6 sq. yds) as mentioned in the sale deed No. 1473/I dated 13-8-79 of the registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
3, Chanderpuri taylor Road,
Amritsar.

Date: 24-4-1980

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th April 1980

Ref. ASR/80-81/40.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/3 share of Plot No. 41 situated at Shastri Nagar, Amritsar

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has, been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amritsar City on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sheela Rai D/o Sh. Jaswant Rai R/o 30, Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Rajinder Singh S/o Sh. Sujan Singh, R/o 2614, Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.
 - (Transfree)
- (3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to this acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share of plot No. 41 Min area 139.3 sq. yds situated at area Tung Bala, Race Course Road, Scheme No. 62, Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in the regd. Deed No. 1472 dated 13-8-79 of Registering Authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, IRS.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th April 1980

Ref. ASR/80-81/41.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/3 share of Plot NoO. 41 situated at Shashtri Nagar, Amritaar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amritsar city on Sept 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kusam Suri W/o Brigadior S. C. Suri D/o Sh. Inder Sain R/o 30 Race Course Road, Asr. through Sh. Joginder Singh S/o Sh. Swarn Singh R/o Gate Bhagtan Wala, Amritsar Mukhtaram.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Singh S/o Sh. Sujan Singh, R/o 2614, Shaheed Bhagut Singh Road, Amritsar.

(Transfree)

- (3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of Plot No. 41 min area 139.3 sq yds. situated in area Tung Bala, Race Course Road, Scheme No. 62 Shashtri Nagar, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 1718 dated 5-8-79 of registering Authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-4-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th April 1980

Ref. ASR/80-81/42.—Whereas, I M. I., MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/3 share of plot No. 41 min area 139.3 s.yds. situated at Tung Bala area, Shastri Nagar, Amritsar. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Amritsar in Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

suggested Section 2600 of the said

(1) Smt. Madho Chawla W/o Commandant K. C. Chawla D/o Sh. Inder Sain R/o 30 Race Course R. a.d., A.s. through Sh. Juginder Singh S/o Sh. Swaran Singh R/o Gate Bhagtan Wala, Amritsar (Mukhtarnama)

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Singh S/o Sh. Sujan Singh, R/o 2614, Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.

(Transfree)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of plot No. 41 min area 139.3 sq.yds Shashtrl Nagar, Amritsar as mentioned in the regd. Deed No. 1719/I dated 5-9-79 of Registering Authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-4-80

Seal:

35---56GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

VICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, I UCKNOW

Lucknow, the 18th April 1980

Ref No K 91/Acq—Whereas, I A S BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

The Lakshmi Cinema Buildings situated at Hardon (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardon on 24 9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income ansing from the transfer;
 and/or
- (1) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the gard Act I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'sald Act' to the following persons, namely:—

(1) 1 SethRameshwar Dass, 2 Om Prakash, (3) Ratan Chand, 4 Brij Mohan through agent and attorneyholder, Rameshwar Das 5 Seth Ram Gopal 6 Smt. Durga Devi, 7 Mahabir Prasad, 8 Hemant through their agent and attorney holder on behalf of 6, 7 & 8 above

(Transferor)

(2) 1 M/s K N Munshi & Sons, 2 The Kashi Nath Seth Bank Ltd Hardoi, Sellers half-pait, above vendees and tenants

(Transfree)

(3) 1 Daya Vinod, 2 Saran Vinod—half part (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

50% share of the property known as the 'Lakshmi Cinema Buildings' situate in Mohalla Behia Saudagar, Parganas-Bangar, Tehsil and district-Hardoi at least hold plot No 3162 Minjumla area 2 (two) bighas Kham including 17 shops furnitures, fittings, plant and machinery etc and all that property which is described in the Form 37G No 2813 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Hardon on 24-979

A S BISEN
Competent Authority,
Inspec ing Assistant Commissioner of Income tix
Acquisition Range, Lucknow

Date 18-4 80 Seal

- (1) The Ahmednagai Imarat Co. Ltd., Ahmednagai. (Transfeior)
- (2) Shri Hemchand Tarachand Bhandari, Ahmednagar. (Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMPTAX.

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD, PUNE-411009

Pune-411009, the 16th April 1980

Ref. No. IAC/CA5/A'nagar/472/80-81.—Whereas, I S. K. Tyagi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing CTS No. 3576 (Part), Ahmednagai City situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ahmednagan on 23-11-79

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at C.T.S. No. 3576 (part), Ahmednagat City. (Property as described in the sale deed registered under No. 2174 dt. 23-11-79 in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar).

S. K. TYAGI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Date: 16-4-1980.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1980

Ref. No. P.R. No. 1012 Acq. 23-1/79-80.—Whereas, S. C. PARÍKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 401, Plot No. 11 situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 10-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pecrsons, namely:—

M/s. Scientific Engineering Works; through partners:
 Mohanlal Gordhanbhai;
 Tribhovan Gordhanbhai;
 Rajputpara, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Shreekant Welding Works; 16, Phaktinagar Udhyognegar, Rejkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1985 sq. yds. bearing S. No. 401, Plot No. 11, situated at Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 5002 dated 10-8-79.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-4-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1980

Ref. No. P.R. No. 1015 Acq. 23-J/79-80.—Whereas, 1 S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 57, Hajur Palace Road, situated at Hajpur Palace Road. Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 30-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Natanbhai Popatbhai; 1, Jayraj Plot, Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri Hargovinabhai Maganlal Karadia; Bangadi Bazar, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring 219-8-0 sq. yds. bearing Plot No. 57, situated on Hajur Palace Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 2740 dated 30-8-79.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-4-80

(1) Shri Dhirajlal Chhaganlal Brahmkhatri; Mandvi Chowk, Khatsiwad, Raikot,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Babulal Laxmichand; Mandyi Chowk, Raikot (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmcdabad-380 009, the 231d April 1980

Ref. No. P.R. No. 1016 Acq. 23-I/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a full market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Juni Gadhiwad Soni Bazar, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 29-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring 1847.241 sq. yds. situated at old Gadhivad, Soni Bazar, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 5263 dated 29-8-79.

> S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-4-80

nagar, Rajkot.

FORM ITNS--

(1) Shri Umedbhai Pranshankar Pandya; 2-10, Gayakwadi, Raikot.

(2) Shri Hasmukhbhai Jivarajbhai Pobaru, 7-Sadguru-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1980

Ref. No. P.R. No. 1017 Acq. 23-I/79-80.—Whereas, J. S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 7, S. No. 885 situated at Near Mani House, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 16-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sail Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 312-6 sq. yds. bearing plot No. 7, S. No. 885, stuated near Morbi House, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 5034 dated 16-8-79.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-4-80.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 19th April 1980

Ref. No. 1II-388/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. details as per deed No. 3844 dated 21-8-79 situated at Abdul Rahmanpur, P. S. Malsalami, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 30-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail monaty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Rai Mathura Prasad, S/o Late Rai Mahabir Prasad (2) Smt. Swarsati Devi, W/o. Shri Rai Mathura Prasad (3) Sri Rai Vijay Bahadur Khare, S/o Shri Rai Mathura Prasad (4) Smt. Usha Khare, W/o Sri Rai Vijay Bahadur Khare, resident of Moh. Maharajghat, P. S. Khaze Kalan, Patna City.
- (2) Sardar Charanjit Singh, S/o Sardar Pritam Singh, Resident of Mohl. Hajiganj, P.S. Chawk, Patna City,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property as described in deed No. 3844 dated 21-8-79 registered with the Sub-Registrar, Patna City.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquirition Range, Bihar, Patna.

Date: 19-4-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 19th April 1980

Ref. No. III-389/Acq/1980-81.—Whereas, I, J., NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

details as per deed No. 3922 dated 27-8-79

situated at Abdul Rahamanpur, P. S. Malsalami, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rai Mathura Prasad, S/o Late Rai Mahabir Prasad (2) Smt. Swarsati Devi, W/o Rai Mathura Prasad (3) Sri Rai Vijay Bahadur Khare, S/o Shri Rai Mathura Prasad (4) Smt. Usha Khara, W/o Rai Vijay Bahadur Khare, Resident of Mohl. Maharajghat, P. S. Khaze Kalan, Patna City. (Transferor)
- (2) Sardar Trilok Singh, \$/o Sardar Kartar Singh, At Hajiganj, P. S. Chawk, Patna City.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as described in deed No. 3922 dated 27-8-79 registered with the Sub-Rgistrar, Patna City.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 19-4-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 19th April 1980

Ref. No. III-391/Acq/1980-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. details as per deed No. 3978 dated 18-8-79 situated at Abdul Rahmanpur, P.S. Malsalami, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patna City on 30-8-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sardar Rai Mathura Prased, S/o Late Mahabir Prasad (2) Smt. Swarsati Devi, W/o Shri Rai Mathura Prasad (3) Rai Vijay Bahadur Khare, S/o Rai Mathura Prasad (4) Smt. Usha Khare, W/o Sri Rai Vijay Bahadur Khare, Resident of Mohl. Maharaffighat, P.S. Khaze Kalan, Patna City.

(Transferor)

(2) Sardar Balvindar Singh, S/o Sardar Avatar Singh, Mohl. Hajiganj, P. S. Chawk, Patna City, Dt. Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as described in deed No. 3963 dated 30-8-79 registered with the Sub-Registrar, Patna City.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar. Patna

Date: 19-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 19th April 1980

Ref. No. III-391/Acq/1980-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

details as per deed No. 3955 dated 30-8-79 registered with Sub-Registrar, Patna City

situated at Abdul Rahmanpur, P.S. Malsalami, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna City on 30-8-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sardar Rai Mathura Prasad, S/o Late Mahabir Prasad (2) Smt. Swarsati Devi, W/o Shri Rai Mathura Prasad (3) Sri Rai Vijay Bahadur Khare, S/o Shri Rai Mathura Prasad (4) Smt. Usha Khare, W/o Rai Vijay Bahadur Khare, Cesident of Maharajghat, P.S. Khaze Kalan, Patna City P.O. Machathatta, Dt. Patna.

(Transferor)

(2) Sardar Jagtar Singh, S/o Sardar Kartar Singh, Hajiganj, P.O. Jhauganj, Patna City, Dt. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as described in deed No. 3955 dated 30-8-79 registered with the Sub-Registrar, Patna City.

J. NATII

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 19-4-1980

Seal;

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 19th April 1980

Ref. No. III-392/Acq/7980-81.—Whereas, I, J. NATII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. details as per deed No. 3965 dated 30-8-1979 registered with the Sub-Rgistrar, Patna City. situated at Abdul Rahmanpur, P.S. Malsalami, Patna.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Parna City on 30-8-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income mising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Rai Mathura Prasad, S/o Late Rai Mahabir Prasad (2) Smt. Swarsati Devi, W/o Sri Rai Mathura Prasad (3) Rai Vijay Bahadur Khare, S/o Shri Rai Mathura Prasad (4) Smt. Usha Khare, W/o Shn Rai Vijay Bahadur Khare, Resident of Mohl. Maharajghat, P.S. Khaze Kalan, Patna City.

(Transferor)

(2) Saidar Balvindar Singh, S/o Sardar Avtar Singh, Hajiganj, Chawk, P.S. Chawk, Patna City, Dt. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a policid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as described in deed No. 3965 dated 30.8.79 registered with the Sub-Registrar, Patna City. City.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 19-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 19th April 1980

Ref. No. III-393/Acq/1980-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. Plot No. 1554, R.S. Khata No. 59, New Plot No. 445, Ward No. 6 etc.

situated at Jamshedpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jayantilal Bhagubhai Desai, S/o Bhagubhai Pranvallabhdas Desai, (2) Smt. Vidya J. Desai, W/o Jayantilal Bhagubhai Desai of 26 Circuit House Area, P.S. Bistupur, Jamshedpur.

(Transferors)

(2) Shri Laxmi Narain Bansal, S/o Surajmalji Bhojania (2) Smt. Bhagwati Devi, W/o Laxmi Narain Bansai (3) Rakesh Kumar, S/o Laxmi Narain Bansal, of 33 Rajendra Nagar, P.S. Sakchi, Jamshedpur, Dt. Singhbhum.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16,160 Sq.ft. with a double storied pucca building bearing Plot No. 26, Circuit House Area, R.S. Plot No. 1554, R. S. Khata No. 59, New Plot No. 445, Ward No. 6 situated at Jamshedpur in the district of Singhbhum more rully described in deed No. 5529 dated 27-8-1979 registered with the District Sub-Registrar, Jamshedpur.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Paton.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-4-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 22nd April 1980

Ref. No. III-394/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Thana No. 188, Ward No. 2 old 1, Holding No. 144 old 2402, situated at Village—Redama, P.S.—Daltonganj, Dist, Palamu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palamu on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kumala Kohli W/o Sii Banarasilal Kohli of village—Redama P.S.—Daltonganj Dist. Palamu.

 (Transfero:)
- (2) Trilochan Singh S/o Sardar Darsan Singh of village Redama P.S. Daltonganj, Dist. Palamu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 decimal situated at village Redama P.S. Daltonganj District, Palamu more fully described in deed No. 6935 dated 1-8-79 registered with the District Sub-Registrar Palamu.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 22-4-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 22nd April 1980

Ref. No. 111-395/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of M.S. Plot No. 163 & R.S. Plot No. 172 & 173 of Khata No. 116, Ward No. VI of Ranchi Municipality situated at Station Road, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ranchi on 30-8-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Manabendra Chaudhury (2) Rabindra Chaudhuri (3) Samrendra Chaudhuri (4) Arabinda Chaudhuri, S/o Late Krishna Mohan Chaudhuri, of Kailash Babu Street, Hindpiri, Ranchi.

(Transferors)

(2) Sardar Satnam Singh and Sardar Onkar Singh, S/o Late Sardar Gurmukh Singh of Station Road, Ranchi.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 Kathas 12 Chataks Chhaparbandi land situated at Siram, Station Road, Ranchi, Portion of M.S. Plot No. 163 & R.S. Plot No. 172 & 173 of Khata No. 116 within Ward No. VI of Ranchi Municipality more fully described in deed No. 7272 dated 30-8-79 registered with D.S.R. Ranchi.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Pana.

Date: 22-4-80

•	·		